@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 31 मई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 200 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

हम हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार: नौसेना प्रमुख

गोवा, 30 मई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को गोवा में आईएनएस विक्रांत पर पहुंचे। उन्होंने नौसैनिकों से मुलाकात की। इस दौरान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने रक्षा मंत्री को सेना और सैनिकों के जज्बे से रूबरू कराया। उन्होंने कहा कि हम किसी भी चुनौती का कहीं भी, कभी भी, कैसे भी सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मैं भारतीय नौसेना की ओर से आईएनएस विक्रांत पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत करता हूं। यह हमारे लिए

गर्व की बात है कि आज वे उन नौसेना अधिकारियों के बीच मौजूद हैं, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय नौसेना की योजनाओं को सफलतापूर्वक सक्षम बनाया। आपका नेतृत्व हमेशा भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ाने वाला रहा है। ऑपरेशन सिंदूर इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी तत्परता, धैर्य और संकल्प का परीक्षण किया। हमारे नौसेना कर्मियों ने साहस, समन्वय और अदम्य संकल्प के साथ चुनौती का सामना किया और उस पर विजय प्राप्त की। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय न केवल उन नौसेना कर्मियों को जाता है, जिन्होंने समुद्र में बहादुरी से लड़ाई लड़ी, बल्कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी जाता है, जिन्होंने भारतीय नौसेना पर भरोसा किया, उसका समर्थन किया और उसे सक्षम बनाया। नौसेना प्रमुख ने कहा कि मैं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को आश्वस्त करता हूं कि भारतीय नौसेना भारत के नए नॉर्मल के लिए हमेशा तैयार है और किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। हम किसी भी चुनौती का कहीं भी, कभी भी, कैसे भी सामना करने के लिए तत्पर हैं।

भारत अब सहन नहीं करता, अब सीधा जवाब देता है: राजनाथ सिंह

कौमी पत्रिका
सिम्मी कौर बब्बर

पणजी, 30 मई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को आईएनएस विक्रांत पर पहुंचे। यहां उन्होंने नौसैनिकों से मुलाकात की और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। उन्होंने नौसैनिकों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि अपने नौसैन्य योद्धाओं के बीच आकर मुझे बड़ी खुशी हो रही है। जब मैं भारत की समुद्री शक्ति के गौरव आईएनएस विक्रांत पर खड़ा हूं, तो मेरे अंदर खुशी के साथ-साथ एक गर्व और विश्वास का भाव भी है कि जब तक राष्ट्र की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा आपके मजबूत हाथों में है, तब तक भारत को कोई तिरछी निगाहों से देख नहीं सकता। वैसे भी 'विक्रांत' का अर्थ ही होता है- अदम्य साहस, और अपराजेय शक्ति। आज आप सभी जांबाजों के बीच खड़े होकर मैं इस नाम के अर्थ को साकार होता देख रहा हूं। आपकी आंखों में जो दृढ़ता है, उसमें भारत की असली शक्ति झलकती है। राजनाथ ने कहा, आज मैं यहां केवल रक्षा मंत्री के नाते नहीं आया हूं, बल्कि मैं यहां एक कृतज्ञ भारतीय के रूप में आया हूं। मैं आपके समर्पण को नमन करने, आपके शौर्य को सराहने और आपके परिश्रम को सलाम करने आया हूं। मैं आप सभी को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बधाई

देता हूं। पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद, जब भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, तो हमारे सशस्त्र बलों ने जिस गति, गहराई और स्पष्टता के साथ कार्रवाई की, वह अद्भुत था। उसने न केवल आतंकवादियों को, बल्कि उन्हें पालने-पोसने वाले सरपरस्तों को भी स्पष्ट संदेश दे दिया, कि भारत अब सहन नहीं करता, भारत अब सीधा जवाब देता है। उन्होंने कहा कि महज कुछ ही समय में हमने पाकिस्तान के आतंकी अड्डे और उसके इरादों को ध्वस्त कर दिया। हमारा प्रहार इतना तगड़ा था कि पाकिस्तान पूरी दुनिया से भारत को रोकने की गुहार लगाने लग गया। अंत में हमने अपनी शर्तों पर मैं फिर दुहरा रहा हूं, हमने अपनी शर्तों पर अपनी सैन्य कार्रवाई को रोका है। अभी तो हमारी सेनाओं ने अपनी आस्तीनें पूरी मोड़ी भी नहीं थी, अभी तो हमने अपना पराक्रम दिखाना शुरू भी नहीं किया था। इस पूरे एकीकृत संचालन में नौसेना की भूमिका गौरवशाली रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब वायु सेना ने पाकिस्तान की धरती पर आतंक के अड्डों को ध्वस्त किया, तब अरब सागर में आपकी आक्रामक तैनाती, बेजोड़ समुद्री डोमेन जागरूकता और समुद्री वर्चस्व ने पाकिस्तानी नौसेना को उसके ही तटों के पास सीमित कर दिया। वे खुले समुद्र में आने का साहस तक नहीं जुटा सके। राजनाथ सिंह ने कहा कि समुद्र में तैनात हमारे पश्चिमी बेड़े के जहाज ने आतंकवादी हमले के 96 घंटों के भीतर, पश्चिमी और पूर्वी तट पर सतह से सतह, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और टॉरपीडो से कई सफल फायरिंग की, जो हमारे प्लेटफॉर्म, सिस्टम और चालक दल की युद्ध तत्परता को दिखाता है।

राहत शिविरों में हालात की राज्यपाल ने ली समीक्षा बैठक: राज्यपाल

कौमी पत्रिका
कौमी संवाददाता

इंफाल, 30 मई। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने शुक्रवार को राज्य के पहाड़ी और मैदानी इलाकों में बने राहत शिविरों में रह रहे आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने शिविरों में रह रहे लोगों की रोजगार, स्किल डेवलपमेंट, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा की व्यवस्था को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। मामले में राजभवन की ओर से जारी बयान में बताया गया कि यह बैठक राजभवन में आयोजित की गई, जिसमें मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, आयुक्त, प्रशासनिक सचिव और सभी जिलों के उपायुक्त शामिल हुए। बैठक में उपायुक्तों ने आईडीपीएस के लिए चल रही योजनाओं की जानकारी दी। राज्यपाल ने इन प्रयासों की सराहना की और अधिकारियों को और अधिक प्रयास करने के निर्देश दिए ताकि विस्थापित लोगों को बेहतर सहायता मिल सके। राज्यपाल ने एक अलग बैठक में बाढ़ से निपटने की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने राज्य के कुछ महत्वपूर्ण इलाकों में जल निकासी प्रबंधन प्रणाली की स्थिति पर भी चर्चा की, ताकि बाढ़ से निपटने के लिए समय रहते प्रभावी कदम उठाए जा सकें। गौरतलब है कि मई 2023 से इंफाल घाटी के मैतेई समुदाय और पहाड़ी क्षेत्रों के कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अब तक 260 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। इनमें से कई लोग अब राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं। राज्यपाल ने इस संवेदनशील स्थिति में अधिकारियों को लोगों की मदद में कोई कोताही न बरतने की सख्त हिदायत दी है।

ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिकरण कर रहे हैं प्रधानमंत्री: संजय राउत

मुंबई, 30 मई। शिवसेना (क्क्ष) के सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिकरण कर रहे हैं। वे हर राज्य में जाकर ऑपरेशन सिंदूर की राजनीति कर रहे हैं। जबकि यह ऑपरेशन हमारे जवानों ने किया। लेकिन इसका श्रेय लेने की होड़ है। प्रधानमंत्री इसमें सबसे आगे रहते हैं। कोई भी जाकर किसी को सिंदूर की पवित्र व्यवस्था नहीं दे सकता। अगर आप भाजपा कार्यकर्ताओं को महिलाओं के पास भेजते हैं तो आप सिंदूर का अपमान कर रहे हैं। संजय राउत ने आरोप लगाया कि पहलगाम के छह आतंकी अभी भी फरार हैं। उनको नहीं पकड़ा जा रहा है। हो सकता है कि एक दिन आपको भाजपा कार्यालय से एक प्रेस नोट मिल जाए कि वे छह लोग भाजपा में शामिल हो गए हैं। उन्होंने एलान किया कि विपक्ष एक बार फिर आगे आ रहा है और हम राहुल गांधी के नेतृत्व में एक विशेष सत्र के लिए सभी के हस्ताक्षर वाला एक पत्र दे रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि 22 अप्रैल की रात से ही कांग्रेस पहलगाम आतंकी हमले और उसके परिणामों पर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग कर रही है। ऐसा अभी तक नहीं हुआ है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि इसके बाद 10 मई को लोकसभा में विपक्ष के नेता और राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर संसद का विशेष सत्र बुलाने और एक प्रस्ताव के माध्यम से राष्ट्र के सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री ने उस सुझाव को भी स्वीकार नहीं किया।

प्रयागराज में तेजस राजधानी एक्सप्रेस को पलटाने की साजिश नाकाम

प्रयागराज, 30 मई। उत्तर मध्य रेलवे के भीरपुर और मेजा रेलवे स्टेशन के बीच तेजस राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन को पलटाने की साजिश नाकाम हो गई। ट्रेन आने के पहले रेलवे ट्रैक पर बड़े-बड़े बोल्डर रख दिए गए। घटना को रात में अंजाम दिया गया। लोको पायलट की सतर्कता से हादसा टल गया। सूचना पाकर छिवकी से पहुंची आरपीएफ पुलिस ने छानबीन की। इसके चलते 10 मिनट तक ट्रेन को रोकना पड़ा। इस मामले में अज्ञात अराजकतत्वों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। तेजस राजधानी एक्सप्रेस के रेलवे ट्रैक पर अराजक तत्व ने देर रात बोल्डर रख दिया। इसकी जानकारी होने पर लोको पायलट ने भीरपुर और मेजा रोड रेलवे स्टेशन के बीच ट्रेन रोक दी और इसकी सूचना अधिकारियों को दी। जानकारी मिलते ही महकमे में खलबली मच गई। आरपीएफ के साथ तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए। छिवकी से पहुंची आरपीएफ ने सघन जांच की। लोको पायलट के बयान व मौके पर की गई फोटोग्राफी के आधार पर संयुक्त निरीक्षण नोट तैयार किया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार अज्ञात व्यक्ति ने डाउन ट्रैक पर किलोमीटर संख्या 794/18-16 भीरपुर और मेजा स्टेशन के मध्य गिट्टी और बोल्डर रख दिया था, जिसके कारण यह घटना हुई। हालांकि इसमें रेलवे विभाग को किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई है। इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध आरपीएफ छिवकी में मुकदमा दर्ज किया गया है।

महिला कल्याण निधि योजना वन टाइम नहीं: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका
सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 30 मई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि महिला कल्याण निधि देने के लिए पात्र महिलाओं को चुना जा रहा है, यह वन टाइम योजना नहीं है, इसपर गंभीरता से काम चल रहा है। इसे हम गंभीरता के साथ बहुत जल्द लॉन्च करेंगे। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को दिल्ली सचिवालय में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित कर अपने 100 दिन के कामकाज की वर्क बुक लॉन्च की। एक पंपलेट भी लॉन्च किया, जिसके माध्यम से दिल्ली सरकार के मंत्री, विधायक, पार्षद 70 विधानसभाओं में जाकर 100 दिन में सरकार के किए काम को बताएंगे। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, कपिल मिश्रा, रविंद्र इंद्राज सिंह, दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के सभी मंत्रियों, विधायकों, अधिकारियों को बधाई, सबने 100 दिन में बहुत काम किया। उन्होंने सरकार की वर्क बुक लॉन्च की। उन्होंने कहा कि ये किताब रिपोर्ट कार्ड नहीं, सरकार की वर्क बुक है, इसमें वे काम हैं जो आगे भी बढ़ते जाएंगे। इसे हम 70 विधानसभाओं में जाएंगे, मंत्री विधायक, पार्षद जनता के बीच जाकर सरकार के प्रयासों का ब्योरा देंगे। सरकार ने एक पंपलेट भी छपवाया है, इसमें सरकार के 100 दिन के कामकाज का ब्योरा है, इसको

हर घर तक हम पहुंचाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शनिवार को जेएलएन स्टेडियम में भी एक कार्यक्रम आयोजित कर सरकार के काम काज का ब्योरा देंगे। पिछली सरकार नाम करने वाली सरकार थी, ये काम करने वाली सरकार है, हम काम करने वाले लोग हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार भ्रष्टाचार करके मेवा खा रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा एक-एक दिन दिल्लीवासियों की भलाई के लिए तत्पर रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे मंत्री दूसरे राज्यों में जाकर केवल प्रचार करने का काम नहीं किया, 100 दिन में हमने जमीन पर उतरकर काम किया। हमने 1 लाख करोड़ का बजट पास किया है, उसको लागू करने के लिए सरकार सिद्दत से काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अपनी इनकम को बढ़ाने के लिए जीएसटी संग्रह बढ़ाने का काम कर रही है। इनकम लीकेज न हो इसके प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला कल्याण निधि देने के लिए पात्र महिलाओं को चुना जा रहा है, यह वन टाइम योजना नहीं है, इसपर गंभीरता से काम चल रहा है। इसे हम गंभीरता के साथ बहुत जल्द लॉन्च करेंगे। कैबिनेट मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सरकार के 100 दिन के बक्से में दिल्लीवासियों के लिए छोटे छोटे मगर महत्वपूर्ण काम हुए हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार के शुरुआती 100 दिन बहुत महत्वपूर्ण रहे, दिल्ली में आधी रात को महिला मुख्यमंत्री ने सड़कों के निर्माण का मुआयना किया है।

26/11 के बाद यूपीए ने अमेरिकी दबाव में फिर शुरू की थी पाकिस्तान से बातचीत: सांसद निशिकांत दुबे

कौमी पत्रिका
तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 30 मई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को पूर्व मनमोहन सिंह सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका के दबाव में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) ने 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के तुरंत बाद पाकिस्तान से बातचीत फिर से शुरू करने का फैसला लिया था। दुबे ने एक्स पर एक पोस्ट में जुलाई 2009 में मिस्र के शर्म एल-शेख में मनमोहन सिंह और उस समय के पाकिस्तान के प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी की बैठक का जिक्र किया। यह नवंबर 2008 के मुंबई हमले के बाद दोनों देशों के बीच पहली औपचारिक बातचीत थी। दुबे ने बैठक के समय पर सवाल उठाए और कहा, पाकिस्तान ने 26 नवंबर 2008 को मुंबई पर हमला किया। 180 लोग मारे गए और 300 घायल हुए, श्मशान की चिता की आग भी ठंडी नहीं हुई थी। अमेरिका के दबाव में दिसंबर में पाकिस्तान पर कार्रवाई किए बिना बातचीत शुरू की गई थी या नहीं? क्या यह बात प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने लोकसभा में कही थी? भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान के साथ हुई बातचीत न केवल जल्दबाजी में की गई थी, बल्कि इस पर बाहरी ताकतों — खासकर अमेरिका —

का प्रभाव भी था। उन्होंने 2009 के कई ऐसे उदाहरण दिए जहां भारत और पाकिस्तान के नेताओं के बीच राजनयिक बातचीत हुई थी। उन्होंने पूछा, क्या जनवरी 2009 में भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी या नहीं? क्या जून 2009 में रूस में उन्होंने पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी से किसी तीसरे देश की मध्यस्थता में मुलाकात की थी या नहीं? और जुलाई 2009 में, क्या अमेरिका के दबाव में मिस्र के शर्म एल-शेख जाकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के साथ कोई समझौता किया गया था या नहीं? 2011 में हुए एक और बड़े आतंकी हमले का जिक्र करते हुए दुबे ने कहा कि ऐसे हमलों से यह स्पष्ट होता है कि पाकिस्तान लगातार आतंकवाद को समर्थन देता रहा है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की कथित नरम नीति की आलोचना की। उन्होंने कहा, 2011 में मुंबई में फिर धमाका हुआ, जिसमें 26 लोग मारे गए और 200 घायल हुए। दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर करके हमारा सिर ऊंचा किया, वर्षों बाद पाकिस्तान घबराया हुआ है। कांग्रेस पूरी तरह आतंकवादी पाकिस्तान के साथ मिली हुई है। जनता जाए भाड़ में। दुबे ने बुधवार को किए गए एक पहले पोस्ट में कांग्रेस पर एक और आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 1988 में जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे, उस दौरान पाकिस्तान के साथ हुआ एक कथित परमाणु समझौता अमेरिकी दबाव में किया गया था।

हरियाणा सीएम आवास को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़, 30 मई। चंडीगढ़ स्थित हरियाणा मुख्यमंत्री आवास व हरियाणा सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सरकारी आवास को आईईडी से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद हड़कंप मच गया है। सूचना मिलते ही चंडीगढ़ पुलिस टीम और बम स्कवायड की टीम सक्रिय हो गई। एहतियात के तौर पर सचिवालय को खाली करवा दिया गया है। सचिवालय और सीएम हाउस में बम और डॉग स्कवायड बुलाकर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। धमकी के बाद हरियाणा सचिवालय में सीआईएसएफ, हरियाणा पुलिस, चंडीगढ़ पुलिस और सीआईडी भी अलर्ट हो गई है। वहीं इमेल की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि धमकी भरा ईमेल हरियाणा सीआईडी के पास आया था। पुलिस और गुप्तचर एजेंसियां मामले की जांच कर रही है। इससे पहले 22 मई को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट को बम उड़ाने से धमकी मिली थी। चंडीगढ़ पुलिस की तरफ से हरियाणा सचिवालय में जांच की जा रही है। बम व डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंच गए हैं। पूरे सचिवालय को खाली करवा दिया गया है। हालांकि शुक्रवार को गुरु अर्जन देव की जयंती के चलते सरकारी कर्मचारियों का आरएच होने के कारण सचिवालय में भीड़ कम थी, जबकि पंजाब सचिवालय में अवकाश है।

किसी ने पाकिस्तान को आतंकवादी देश नहीं कहा: पवन खेड़ा

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 30 मई। ऑपरेशन सिंदूर के बाद कांग्रेस पार्टी विदेश नीति को लेकर लगातार मोदी सरकार पर हमलावर है। हाल ही में केंद्र सरकार से कई सवाल पूछने के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक बार फिर मोदी सरकार की विदेश नीति पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की विदेश नीति को विफल बताते हुए कहा कि इसका परिणाम ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद देखने को मिला। उन्होंने कहा कि किसी भी देश ने पाकिस्तान को आतंकवादी देश नहीं कहा। यह आपकी विफल विदेश नीति का नतीजा है। फिर आपने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और किसी देश ने आपके पक्ष में बयान नहीं दिया। अब ऑपरेशन सिंदूर के बाद कुवैत ने पाकिस्तान पर लगे वीजा प्रतिबंध हटा दिए हैं। केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए खेड़ा ने कहा कि ईरान, यूएई और खाड़ी देश पाकिस्तान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। इतना ही नहीं, सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि कल रूस ने पाकिस्तान के साथ अपने बहुत पुराने स्टील मिल को फिर से शुरू करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत पाकिस्तान को रूस से 2.6 बिलियन डॉलर मिलेंगे। यह भी आपकी विफल विदेश नीति का नतीजा है। इस दौरान पवन खेड़ा ने भाजपा नेता संबित पात्रा के बयानों को खारिज करते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का बचाव किया। साथ ही कहा

कि विपक्ष को सरकार पर सवाल उठाने का अधिकार है तेलंगाना सीएम का बचाव करते हुए पवन खेड़ा ने कहा कि रेवंत रेड्डी ने जो सवाल पूछे हैं, वही सवाल उनके भाजपा नेता पूछ रहे हैं। उनके वरिष्ठ नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने भी वही सवाल पूछे हैं। खेड़ा ने कहा कि यह करदाताओं का पैसा है जिसका इस्तेमाल प्रधानमंत्री दुनिया भर में यात्रा करने के लिए करते हैं। इसलिए हमें यह जानने का पूरा अधिकार है कि आपकी विदेश यात्राओं का क्या नतीजा निकला। बीते दिन वायुसेना प्रमुख द्वारा दिए गए बयान का जिक्र करते हुए खेड़ा ने कहा कि यह करदाताओं का पैसा है जिससे आपने बहादुर भारतीय सेना और सैन्य बलों को सशक्त बनाया। कल, भारतीय वायुसेना प्रमुख ने कहा कि हर परियोजना में देरी हो रही है। ऐसे में हर करदाता को यह जानने की जरूरत है कि आप कहां विफल रहे हैं? इससे पहले दिन में, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल जेट को मार गिराने के दावों को लेकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने हमला बोला था। उन्होंने कहा कि ये जो पाकिस्तान के बब्बर हैं, वो हिंदुस्तान के गब्बर हैं। संबित पात्रा शुक्रवार को नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी, रेवंत रेड्डी और जयराम रमेश पर पाकिस्तान से यह जवाब न मांगने का आरोप लगाया कि उसके कितने एयरबेस नष्ट किए गए या कितने आतंकवादी मारे गए। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में कांग्रेस में दो गुट हैं- एक जो पाकिस्तान का समर्थन करता है और दूसरा जो अपनी आवाज उठाना चाहता है, लेकिन राहुल गांधी के कारण ऐसा नहीं कर पाता। इससे पहले गुरुवार को तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सर्वदलीय बैठक में भाग लिया और केंद्र को अपना पूरा समर्थन दिया। उन्होंने यह साफ किया कि भारत को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को भारत में मिलाने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ लड़ना चाहिए। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तान को दो देशों में विभाजित करने के लिए अपना पूरा समर्थन पहले ही घोषित कर दिया है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर मोदी सरकार की ओर से जंग को बंद करने पर आपत्ति जताई। उन्होंने का कि पाकिस्तान ने राफेल लड़ाकू विमानों को मार गिराया है, जिन्हें पीएम मोदी लेकर आए थे। जब उनसे पूछा गया कि कितने गिराए गए? कोई चर्चा नहीं हुई।

सीबीआई ने ईडी के उप निदेशक को किया गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 30 मई। सीबीआई ने ओडिशा में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक उप निदेशक को गिरफ्तार किया है। अधिकारी पर भुवनेश्वर के एक व्यवसायी से 20 लाख रुपये की रिश्वत लेने का आरोप है। अफसरों ने बताया कि ईडी के उपनिदेशक चिंतन रघुवंशी ने ढेंकनाल में पत्थर खनन का कारोबार करने वाले व्यवसायी रतिकांत राउत से उनके खिलाफ दर्ज ईडी के एक मामले में राहत दिलाने के लिए कथित तौर पर पांच करोड़ रुपये की मांग की थी। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई को सूचना मिली थी कि रघुवंशी व्यापारी राउत से रिश्वत की पहली किस्त लेने जा रहा है। इसके बाद एजेंसी ने जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई की ओर से दर्ज की गई एफआईआर के मुताबिक राउत ने एजेंसी से शिकायत की थी कि इस साल मार्च में उसे भुवनेश्वर स्थित ईडी कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। रघुवंशी ने उसे अपने चैंबर में बुलाया और मामले में राहत पाने के लिए भगती नामक व्यक्ति से मिलने को कहा। तब से भगती उनके संपर्क में थे और फेसटाइम पर उन पर दबाव बना रहे थे कि वे रघुवंशी को मामला निपटाने के लिए पैसे दें। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि 27 मई को भगती ने कथित तौर पर राउत से मुलाकात की और कहा कि रघुवंशी ने उनके अस्पताल को जब्त न करने, उन्हें गिरफ्तार न करने और उनके मामले को निपटाने के लिए 5 करोड़ रुपये की मांग की थी। राउत ने इतनी बड़ी रकम का इंतजाम करने में असमर्थता जताई। इसके बाद भगती ने उनकी बात रघुवंशी से कराई। उन्होंने मांग घटाकर दो करोड़ रुपये कर दी। 2013 बैच के आईआरएस अधिकारी रघुवंशी को कथित तौर पर अभियान के दौरान पकड़ा गया और बाद में पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

दक्षिण कोरिया में नौसेना का विमान पहाड़ से टकराया, चालक दल के सभी सदस्य मारे गए, अब तक चार शव बरामद

सियोल। दक्षिण कोरिया में नौसेना का एक विमान प्रशिक्षण के दौरान पहाड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हुए इस हादसे में चालक दल के सभी सदस्य मारे गए। सैन्य अधिकारियों ने इस दुर्घटना का खुलासा किया। उन्होंने हताहत चालक दल के सदस्यों की संख्या कितनी है, यह साफ नहीं किया। मगर इसकी पुष्टि की कि अब तक चार सदस्यों के शव बरामद किए गए हैं। रूस की समाचार एजेंसी ने दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप के हवाले से यह जानकारी जानकारी दी। खबर के अनुसार यह हादसा पोहांग में हुआ। दुर्घटनाग्रस्त विमान पी-3 ओरियन है। शवों को पहचान के लिए पोहांग के नौसेना अस्पताल ले जाया जाएगा। दक्षिण कोरिया में वर्तमान में आठ पी-3 ओरियन विमान परिचालन में हैं। पोहांग और जेजू में नौसेना इकाइयां इनका उपयोग करती हैं। द कोरिया हेराल्ड अखबार के अनुसार नौसेना संचालन के उप प्रमुख की अध्यक्षता में एक विशेष कार्य बल का गठन किया है। पी-3 विमानों से जुड़े सभी अभ्यास और उड़ान अभियान को निलंबित कर दिया गया है। नौसेना ने कहा कि पी-3 गश्ती विमान दोपहर 1:43 बजे के बाद नौसैनिक अड्डे के पास एक क्षेत्र में पहाड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान हुआ।

मेक्सिको में नेशनल गार्ड के आठ जवान सुरंग विस्फोट में मारे गए

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के मिचोआकेन के पास सांता मारिया डेल ओरो में सुरंग में हुए विस्फोट में नेशनल गार्ड को बड़ी क्षति हुई है। मंगलवार को हुए इस विस्फोट नेशनल गार्ड के आठ जवान मारे गए। यह सभी अन्य अधिकारियों और जवानों के साथ सेना के बख्तरबंद ट्रक से आपराधिक समूहों के ठिकानों पर दबिश देने जा रहे थे। मेक्सिको डेली न्यूज अखबार के अनुसार संघीय अधिकारियों का कहना है कि बारूदी सुरंग में हुए विस्फोट में एक बख्तरबंद सामरिक ट्रक चपेट में आ गया। इस विस्फोट में छह जवान मौके पर अपने जीवन से हाथ धो बैठे। घायल दो जवानों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। । सैन्य अधिकारियों के अनुसार,यह अब तक का सबसे घातक विस्फोट है। देश में ऐसी सुरंगों का इस्तेमाल आपराधिक समूह सीजेएनजी और कार्टेल्स यूनिडोस (यूनाइटेड कार्टेल) एक-दूसरे के खिलाफ कर रहे हैं। नेशनल गार्ड को जलिस्को के सांता मारिया डेल ओरो नगरपालिका क्षेत्र में सीजेएनजी के संचालन और प्रशिक्षण केंद्र को नष्ट करने के लिए भेजा गया था।

यूक्रेन के मारियुपोल में रूस के एयर कमांडर की ग्रेनेड हमले में मौत

मॉस्को। मॉस्को और कीव की लड़ाई के बीच यूक्रेन के मारियुपोल शहर में रूस के युवा एयर कमांडर की जान चली गई। रूस ने उन्हें मारियुपोल की हवाई घेराबंदी का प्रमुख कमांडर बनाकर भेजा था। 34 वर्ष की आयु में ग्रेनेड हमले में मारे गए जौर गुरत्सियेव पूर्व रक्षा अधिकारी हैं। सितंबर 2024 में जौर गुरत्सियेव को स्टावरोपोल का पहला डिप्टी मेयर निर्वाचित किया गया था। मारियुपोल दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन के डोनेट्स्क ओब्लास्ट में स्थित है। यह आजोव सागर के उत्तरी तट पर काल्मियस नदी के मुहाने पर है। यह एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र और आजोव सागर पर एक महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर है। द मॉस्को टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार स्टावरोपोल के मेयर इवान उल्यानचेंको ने अपने पहले डिप्टी मेजर जौर गुरत्सियेव की मौत की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि इस हमले में यूक्रेन का हाथ होने की आशंका है। रूस की जांच समिति की स्थानीय शाखा ने कहा कि हमले में दो लोग मारे गए हैं। इनमें गुरत्सियेव का एक 29 वर्षीय परिचित भी है। जांच समिति के प्रमुख अलेक्जेंडर बास्ट्रीकिन ने क्षेत्रीय अधिकारियों से ग्रेनेड हमले की जांच रिपोर्ट तलब की है।

ड्रग तस्कर के साथ समझौते पर स्थिति स्पष्ट करे अमेरिकी सरकार : मेक्सिको

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने दामासो लोपेज़ सेरानो के साथ किये गये याचिका समझौते को लेकर अमेरिकी सरकार से सवाल किया है। गौरतलब है कि दामासो लोपेज़ सेरानो एक ऐसे कार्टेल (एक ऐसा संगठन जहां दो या दो से अधिक कंपनियां, उत्पादक या सेवा प्रदाता एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करने के बजाय अपने लाभ को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करते हैं।) का सदस्य है, जिसे अमेरिका ने खुद 'विदेशी आतंकवादी संगठन' करार दिया है। सुश्री शिनबाम ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए इस संबंध में अमेरिकी सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

उन्होंने कहा, अमेरिका सरकार ने हाल ही में एक आदेश जारी किया था, जिसमें कुछ संगठनों को आतंकवादी संगठन कहा गया है। उन्होंने कई मौकों पर कहा है कि वे इन संगठनों के साथ बातचीत नहीं करते हैं। अब उन्हें यह बताने की ज़रूरत है कि इन मामलों में समझौते क्यों किए जाते हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी अधिकारियों ने दामासो लोपेज़ सेरानो उर्फ 'एल मिनी लिक' के साथ एक याचिका समझौता किया है, जिसके तहत सेरानो ने अमेरिकी अदालत में ड्रग तस्करी के आरोपों में दोषी होने की दलील दी।

अमेरिकी युद्धविराम प्रस्ताव फिलिस्तीनी मांगों पर खरा नहीं : हमास

एजेंसी

गाजा । हमास के एक वरिष्ठ नेता ने कहा है कि गाजा पट्टी में युद्ध रोकने के लिए अमेरिका का जो प्रस्ताव आया है, उस पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, यह प्रस्ताव हमास और फिलिस्तीनी लोगों की मुख्य मांगों को पूरा नहीं करता।

समाचार एजेंसी के मुताबिक, हमास के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य बासम नईम ने एक बयान में कहा कि उन्हें अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ द्वारा पिछले हफ्ते दिए गए युद्धविराम प्रस्ताव पर इजरायल की प्रतिक्रिया मिल गई है। नईम के मुताबिक, इजरायल ने फिलिस्तीन की मुख्य मांगों को नहीं माना। इनमें लड़ाई को पूरी तरह खत्म करना और गाजा पर लगी पुरानी नाकेबंदी हटाना शामिल है। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव युद्धविराम के दौरान भी इजरायल के कब्जे और लोगों की तकलीफों को जारी रहने देगा। नईम ने कहा, इसके बावजूद हमास का नेतृत्व फिलिस्तीनी जनता के खिलाफ जारी हिंसा और मानवीय संकट को ध्यान में रखते हुए ज़िम्मेदारी के साथ इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। हमास ने पहले कहा था कि उसे मध्यस्थों के जरिए नया युद्धविराम प्रस्ताव मिला है। वह इसका मूल्यांकन इस तरह कर रहा है कि यह फिलिस्तीनी लोगों के हितों की रक्षा करे और गाजा के लोगों के लिए स्थायी शांति और राहत लाने में मदद करे।हमास ने पहले कहा था कि वह विटकॉफ के साथ एक समझौते के सामान्य ढांचे पर सहमत हो गया है। इस समझौते का मकसद स्थायी युद्धविराम करना, इजरायल की गाजा से पूरी तरह वापसी सुनिश्चित करना, राहत सामग्री की आपूर्ति शुरू करना और हमास से एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी समिति को सत्ता सौंपना है।

दगाबाज पाकिस्तान में पलते हैं आतंकी शैतान, भारत से सच जानकर दुनिया हैरान, कहा-हम लडाई में साथ

एजेंसी

बोगोटा। भारत दुनिया के अपने प्रमुख साझेदार देशों को पाकिस्तान पोषित आतंकवाद के रूपों से परिचित करा रहा है। भारतीय संससदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के नेता और सदस्य वैश्विक नेताओं के यह समझाने में कामयाब रहे कि पाकिस्तान की किसी भी बात पर भरोसा नहीं किया जा सकता। वह अपने यहां आतंकवादियों को पाल-पोस कर बड़ा करता है। उन्हें असलाह और अकूत धन देकर सेना के माध्यम से सीमा पार करवा भारत भेजता है। भारत में घुसे यह शैतान भोले-भाले लोगों के दिमाग में जहर भरकर उन्हें अपने जाल में फांस लेते हैं। भारत के सामरिक केंद्रों, प्रमुख शहरों, सैनिकों और नागरिकों पर घात लगाकर हमले करते और करवाते हैं। भारतीय संससदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल अब तक जितने भी देशों में पहुंचा है, वहां की सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साथ देने का वादा किया है। हां, कोलंबिया के रुख से कुछ निराशा जरूर हुई। बोगोटा में प्रतिनिधिमंडल के समूह 5 का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हम कोलंबिया को यह समझाने में कामयाब रहे कि आतंकवादियों को भेजने वालों और उनका विरोध करने वालों के बीच कोई समानता नहीं हो सकती। भारत केवल आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग कर रहा है। पाकिस्तान ने पहलगाम में आतंकियों से नरसंहार करवा कर समूची मानवता का कत्ल किया है। कोलंबिया ने भी आतंकवादी हमलों को झेला है।

अमेरिका का दावा, इजरायल ने गाजा में अस्थायी युद्धविराम प्रस्ताव स्वीकार किया

एजेंसी

वाशिंगटन । व्हाइट हाउस ने कहा कि इजरायल ने 60 दिन के गाजा युद्धविराम प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिया है। इस बीच, इजरायली सेना की ओर से युद्ध ग्रस्त क्षेत्र में सैन्य कार्रवाई जारी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक प्रेस ब्रीफिंग में पुष्टि की कि मध्य पूर्व के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हमास को युद्ध विराम का प्रस्ताव सौंपा, जिसका इजरायल ने समर्थन किया।

लेविट ने कहा, इजरायल ने हमास को भेजे जाने से पहले ही इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिए थे। मैं यह भी पुष्टि कर सकता हूं कि ये चर्चाएं जारी हैं, और हमें उम्मीद है कि गाजा में युद्ध विराम हो जाएगा ताकि हम सभी बंधकों को वापस उनके घर भेज सकें।

उन्होंने कहा, मैं इस पर और कोई टिप्पणी नहीं करूंगी, क्योंकि हम अभी इसी दौर से गुजर रहे हैं। समाचार एजेंसी ने सीबीएस न्यूज के

हवाले से बताया कि एक इजरायली अधिकारी और मामले से परिचित एक अमेरिकी सूत्र ने पुष्टि की है कि प्रस्तावित समझौते में न केवल 60 दिन का युद्धविराम शामिल है, बल्कि 10 जीवित बंधकों और 18 मृत बंधकों के अवशेषों को सौंपने की योजना भी शामिल है।

हमास ने कहा कि उसके नेतृत्व को मध्यस्थों के माध्यम से विटकॉफ से गाजा में नए युद्धविराम का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और वे उसका अध्ययन कर रहे हैं।

हमास ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, हमास नेतृत्व को मध्यस्थों से विटकॉफ का नया प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और हम जिम्मेदारी से इसका अध्ययन कर रहे हैं, जिससे हमारे लोगों के हितों की पूर्ति हो, राहत मिले और गाजा पट्टी में स्थायी युद्ध विराम हो सके।

राजतंत्र वापसी की मांग को लेकर काठमांडू में दूसरे दिन भी प्रदर्शन

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में राजतंत्र की पुनर्स्थापना को लेकर शुरू हुआ प्रदर्शन आज दूसरे दिन भी जारी है। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के नेतृत्व में काठमांडू के माइतीघर में प्रदर्शन किया गया। गणतंत्र दिवस के दिन से ही देश में गणतंत्र व्यवस्था के विरोध में आरपीपी का अनिश्चितकालीन प्रदर्शन शुरू हुआ है। काठमांडू के रत्नपार्क में हुआ था। आज यह प्रदर्शन माइतीघर में हो रहा है। इस प्रदर्शन आरपीपी के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन सहित सभी बड़े नेता सहभागी हो रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान लोग राजसंस्था की पुनर्बहाली और हिन्दू राष्ट्र घोषित करने को लेकर नाराबाजी कर रहे हैं। प्रदर्शन के कारण उस क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था पर प्रभाव पड़ा है। जिला प्रशासन ने प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। गुरुवार के प्रदर्शन में 10 हजार से अधिक समर्थकों के उपस्थिति से राजतंत्र समर्थक काफी उत्साहित हैं। वहीं इनके प्रदर्शन के विरोध में सत्तारूढ़ दल नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के तरफ से भी उसी स्थान पर, लेकिन अलग समय में प्रदर्शन किया गया, जिसमें समर्थक उतरने के लिए जोड़ लगाया, लेकिन राजा समर्थकों की भीड़ के आगे सतारूढ़ दल के नेताओं की एक न चल पाई। आरपीपी की प्रवक्ता खुशबू ओली ने कहा कि सतारूढ़ दल के तरफ से भिड़ंत करने

महज कुछ सौ लोग ही मौजूद थे। इसे लेकर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने राजतंत्र समर्थकों के प्रदर्शन का विरोध करने के लिए एक सार्वजनिक अपील की थी। पूरी पार्टी ने काठमांडू की सड़कों पर अपने की पूरी तैयारी थी, लेकिन हमारी संख्या के आगे वो टिक नहीं पाए और खुद ही सड़क छोड़ कर चले गए। उनका कहना है कि शुक्रवार के प्रदर्शन के दौरान कल से भी अधिक भीड़ जमा होने वाली है।

बांग्लादेश के कुआकाटा मरीन ड्राइव में उठी ऊंची लहरें, बाल-बाल बचे पर्यटक

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के पटुआखली जिले के कुआकाटा मरीन ड्राइव में उठी ऊंची लहरों ने काफी नुकसान पहुंचाया है। इस दौरान मौजूद पर्यटक बाल-बाल बचे। हाल में बनवाई गई सड़क का काफी लंबा हिस्सा धंस गया। कुआकाटा मरीन ड्राइव में बुधवार को दहशतभरी इस घटना की सूचना राजधानी में आज पहुंची। कुआकाटा देश के सबसे दक्षिणी छोर पर है। स्थानीय रूप से सागर कन्या (समुद्र की बेटी) के नाम से प्रसिद्ध यह स्थान दुर्लभ प्राकृतिक सौंदर्य स्थल है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की वेबसाइट में आज प्रसारित खबर में बताया गया है कि कुआकाटा में मरीन ड्राइव नवनिर्मित सड़क उद्घाटन से पहले ही उठी समुद्री लहरों को झेल नहीं पाई। लगभग 4.86 करोड़ टका की लागत से बनवाई गई दो

किलोमीटर लंबी सड़क सुबह करीब 10 बजे कई जगह धंस गई। जीरो पॉइंट और सड़क के पूर्वी छोर के बीच कई हिस्से धंस जाने से आसपास के कई प्रतिष्ठान जलमग्न हो गए। इनमें एक पुलिस बॉक्स, सरदार मार्केट और फुचका मार्केट के नाम से मशहूर स्ट्रीट फूड हब शामिल है। पर्यटक पुलिस और स्थानीय स्वयंसेवकों ने लाउड स्पीकर का इस्तेमाल करके पर्यटकों को सुरक्षित इलाकों में पहुंचाया। स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण में घटिया सामग्री इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। यहां रहने वाले अबुल बशर ने चेतावनी दी है कि मानसून आते ही समुद्रीय हलचल खतरनाक हो जाएगी। अगर जल्द कुछ नहीं किया गया तो नुकसान और भी बढ़ सकता है। यह सड़क कुआकाटा नगर पालिका परियोजना का हिस्सा थी। इसे 2024 में पर्यटन को बढ़ावा देने और सुंदर तटरेखा की सुरक्षा के लिए शुरू किया गया था। मोबाइल फोन पर बार-बार प्रयास करने के बावजूद कुआकाटा नगर पालिका प्रशासक यासीन सादी से संपर्क नहीं हो सका। बांग्लादेश मौसम विज्ञान विभाग ने पहले बंगाल की खाड़ी को पार करने वाले गहरे दबाव के कारण दो से चार फीट की लहरों की चेतावनी जारी की है।

नेपाल के पूर्व मंत्री एवं सांसद 23 लोगों को जिंदा जलाने के मामले में हाई कोर्ट से बरी, जेल से रिहा

एजेंसी

काठमांडू। बम बनाने के दौरान घायल हुए 23 लोगों को ईंटे की जलती हुई भट्टी में जिंदा जला देने के संगीन आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहे नेपाली कांग्रेस के पूर्व सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री मोहम्मद आफताब आलम को जनकपुर हाई कोर्ट की बीरगंज पीठ ने बरी कर दिया है। हाई कोर्ट का आदेश आते ही आलम को काठमांडू जेल से रिहा कर दिया गया। दरअसल, आरोप है कि नेपाल में 28 मई, 2008 को हुए चुनाव के दौरान रौतहट से नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार मोहम्मद आफताब आलम ने मतदाताओं को डराने और मतदान केंद्रों पर कब्जा करने के लिए बम तैयार करने के लिए अपने घर पर कार्यकर्ताओं को काम पर रखा था। रात में वहीं पर बम विस्फोट हुआ, जिसमें त्रिलोक प्रताप सिंह (उर्फ पिंटू) और ओसी अख्तर मिया सहित 21 भारतीय मजदूर घायल हो गए। इस घटना को छिपाने के लिए और बम बनाने के सबूत को नष्ट करने के लिए आलम ने घायलों सहित 23 लोगों को जिंदा जलाने का आदेश दिया। शवों को ईंट भट्टे की चिमनी में फेंक दिया गया था। तीन साल तक मुकदमा चलने के बाद 2022 में में रौतहट जिला न्यायालय ने आलम और उसके भाई सहित चार अन्य लोगों को दोषी ठहराया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जनकपुर हाई कोर्ट की बीरगंज पीठ ने बुधवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाने के जिला न्यायालय के फैसले को पलट दिया।

ट्रंप का टैरिफ बहाल, ट्रेड कोर्ट के फैसले पर संघीय अपील न्यायालय ने रोक लगाई

एजेंसी

वाशिंगटन। वाशिंगटन डीसी की एक संघीय अपील न्यायालय ने यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड के तीन जजों के पैनल के फैसले पर रोक लगा दी। संघीय अपील न्यायालय के आदेश से ट्रंप के प्रशासन को फिलहाल राहत मिल गई। तीन जजों के पैनल ने ट्रंप को झटका देते हुए उनके कुछ देशों के खिलाफ लगाए गए अत्यधिक टैरिफ को रोक दिया था। फैसले में कहा गया था कि राष्ट्रपति ने संघीय कानून के तहत इस तरह का टैरिफ जारी करने में अपने अधिकारों का अतिक्रमण किया। यह टैरिफ अवैध है। सीबीएस न्यूज की खबर के अनुसार, संघीय अपील न्यायालय ने राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापक टैरिफ के अधिकांश भाग को अवरुद्ध करने वाले फैसले को अस्थायी रूप से रोकते हुए आपातकालीन शक्तियों के

कानून के तहत लगाए टैरिफ को फिलहाल बहाल कर दिया। संघीय सर्किट के लिए यूएस अपील न्यायालय ने संक्षिप्त आदेश जारी किया। न्याय विभाग ने तीन जजों के पैनल के फैसले के खिलाफ संघीय अपील न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। ट्रंप प्रशासन ने 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्ति अधिनियम का हवाला देते हुए टैरिफ को उचित ठहराया था। मगर जजों के पैनल ने इस तर्क को खारिज कर दिया था। ट्रंप प्रशासन ने कल ही संकेत दिया था कि वह इस फैसले को संघीय सर्किट अपील न्यायालय में चुनौती देगा। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने टैरिफ के कारणों का बचाव करते हुए फैसले पर प्रतिक्रिया दी थी कि अन्य देशों के साथ अमेरिका के व्यापार घाटे ने राष्ट्रीय आपातकाल पैदा कर दिया है। इससे अमेरिकी समुदाय को काफी नुकसान हुआ है। देसाई ने कहा था कि इन जजों को यह तय नहीं करना चाहिए कि राष्ट्रीय आपातकाल को कैसे ठीक से परिभाषित किया जाए। राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका को प्राथमिकता देने का वचन दिया है। वह इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। टैरिफ ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के एजेंडे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

न्यूयॉर्क में 9/11आतंकी हमले के नायक पूर्व पुलिस कमिश्नर बर्नार्ड केरिक का 69 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में 9/11(11 सितंबर, 2001) के आतंकवादी हमले के समय के नायक पूर्व पुलिस कमिश्नर बर्नार्ड बी. केरिक नहीं रहे। उन्होंने 69 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। उनके जीवन का कुछ हिस्सा विवादों में रहा। इस वजह से उन्हें जेल की हवा भी खानी पड़ी। उन्हें 11 सितंबर को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमलों के समय की गई जवाबी कार्रवाई के लिए नायक के रूप में सम्मानित किया गया। बाद में संघीय भ्रष्टाचार और कर अपराधों में दोषी ठहराए जाने के बाद उनकी प्रतिष्ठा पर आंच आई। द न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार, एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने एक्स पोस्ट में केरिक की मृत्यु की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पूर्व पुलिस अधिकारी कुछ समय से बीमार थे। कराटे में

ब्लैक बेल्ट, मुंडा सिर और उभरी हुई बाइसेप्स वाले एक आत्मविश्वासी हाई स्कूल ड्रॉपआउट, केरिक ने 1993 के मेयरल अभियान के दौरान गिउलिआनी के अंगरक्षक रहे। इसके बाद रुडोल्फ डब्ल्यू. गिउलिआनी के शिष्य के रूप में वरिष्ठ सार्वजनिक पदों पर पहुंचे।

साल अगस्त 2000 में उन्हें न्यूयॉर्क शहर का पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया। तब उनके पास कॉलेज की डिग्री नहीं थी। इस वजह से उनकी नियुक्ति के लिए प्रशासन की आलोचना भी हुी। बाद में उन्होंने 2002 में डिग्री हासिल की। केरिक की न्यूयॉर्क पर आतंकी हमले के समय की भूमिका से प्रभावित होकर महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने ब्रिटिश साम्राज्य के कमांडर के रूप में नियुक्ति दी। पुलिस विभाग से विदा होने के बाद केरिक ने पूर्व मेयर की फर्म गिउलियानी पार्टनर्स के लिए सुरक्षा सलाहकार के रूप में काम करके लाखों डॉलर कमाए।

पुर्तगाल के राष्ट्रपति डी सूसा ने मोंटेनेग्रो को प्रधानमंत्री के रूप में नामित किया

लिस्बन। पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा ने संसदीय दलों के साथ परामर्श के बाद लुइस मोंटेनेग्रो को प्रधानमंत्री के रूप में नामित कर दिया। डेमोक्रेटिक अलायंस (एडी) के नेता एवं सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (पीएसडी) के अध्यक्ष मोंटेनेग्रो को एडी गठबंधन द्वारा 18 मई को हुए संसदीय चुनाव में सबसे अधिक सीटें जीतने के बाद सरकार बनाने के लिए कहा गया था। गौरतलब है कि संसदीय चुनाव में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

विपक्षी दलों ने मांगा नेपाल के गृहमंत्री का इस्तीफा, संसद नहीं चलने देने का फैसला

एजेंसी

काठमांडू। मानव तस्करी के आरोप में घिरे नेपाल के गृहमंत्री रमेश लेखक पर पद छोड़ने का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले तीन दिनों से संसद की कार्रवाई लगातार नहीं चलने देने वाले विपक्षी दलों ने एक बार फिर से कहा है कि जब तक गृह मंत्री का इस्तीफा नहीं हो जाता, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी।

संसद की कार्रवाई को सुचारु करने के लिए स्पीकर देवराज घिमिरे ने आज सभी दलों के प्रमुख सचेतकों की बैठक बुलाई थी। उन्होंने बजट पर चर्चा करने के लिए संसद की कार्रवाई को सुचारु करने का आग्रह सभी दलों से किया, लेकिन विपक्षी दलों ने एक स्वर में गृह मंत्री के इस्तीफा के बिना संसद की कार्यवाही नहीं चलने देने की बात दोहराई है।

माओवादी के प्रमुख सचेतक देव गुरुंग ने स्पीकर के साथ हुई बैठक के दौरान कहा कि विपक्षी दलों ने पहले ही इस बात की जानकारी कर दी थी कि सिर्फ बजट पेश करने के लिए ही संसद की कार्रवाई चलने दी जाएगी। उसके बाद जब तक गृहमंत्री का इस्तीफा नहीं आ जाता, तब तक यह कार्रवाई नहीं चलने दी जाएगी। माओवादी की तरह दूसरे राजनीतिक दल भी गृहमंत्री के इस्तीफा को लेकर अड़े हुए हैं। विपक्षी खेमे में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रमुख सचेतक संतोष परियार ने कहा कि गृहमंत्री का इस्तीफा ही हमारी मुख्य मांग है और जब तक यह इस्तीफा नहीं हो जाता, तब तक सदन की कार्रवाई नहीं चलने दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि जब गृह मंत्री विपक्षी बेंच में थे, तब वह ऐसे ही आरोप लगने पर तत्कालीन मंत्रियों का इस्तीफा मांगते थे और नैतिकता की बात करते थे। आज जब वह खुद मानव तस्करी जैसे गंभीर आरोप में घिरे हैं, तो उन्हें तत्काल नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। उधर सड़कों पर राजतंत्र की वापसी के लिए प्रदर्शन कर रही राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने भी गृहमंत्री के इस्तीफा की मांग पर विपक्षी दलों के निर्णय पर सहमति जताई है। आरपीपी के प्रमुख सचेतक ज्ञानेंद्र शाही ने कहा कि गृहमंत्री को तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए और यदि वह ऐसा नहीं करते हैं तो प्रधानमंत्री को यह चाहिए कि उन्हें पद से बर्खास्त करें। जब तक गृहमंत्री की बर्खास्तगी नहीं हो जाती, तब तक सदन नहीं चलने दिया जाएगा और बजट पर भी कोई चर्चा नहीं होगी। नेपाल के गृहमंत्री रमेश लेखक के निजी सचिवालय में कार्यरत चार निजी सहायक और काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के इमिग्रेशन विभाग के प्रमुख सहित 9 कर्मचारियों के खिलाफ लाखों रुपये की वसूली कर मानव तस्करी का संजाल चलाने के आरोप में जांच हो रही है। एंटी करप्शन ब्यूरो और केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो की जांच में यह बात सामने आया है कि गृहमंत्री के निजी सचिवालय से लेकर इमिग्रेशन की सेटिंग में हवाईअड्डे से मानव तस्करी के बदले रोज कम से कम 50 लाख रुपये की वसूली की जाती थी। इसके लिए बाकायदा कोड फिक्स किया गया और इमिग्रेशन के कर्मचारियों का नंबर हर हफ्ते बदल दिया जाता था।

आतंक पर पीएम मोदी का करारा हमला, दुश्मन कहीं भी हो हौंक दिया जाएगा

कानपुर/लखनऊ, 30 मई।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कानपुर में हजारों करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए एक बार फिर आतंक और पाकिस्तान पर करारा हमला किया। उन्होंने कहा कि भारत में आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई में तीन सूत्र स्पष्ट रूप से तय कर दिए हैं। पहला, भारत हर आतंकी हमले का करारा जवाब देगा। उसका समय, जवाब देने का तरीका और जवाब देने की शर्तें हमारी सेनाएं खुद तय करेंगी। दूसरा, भारत अब एटम बम की गीदड़ भभकी से नहीं डरेगा और ना ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा। तीसरा, आतंक के आका और आतंक परस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखेगा। पाकिस्तान का स्टेट और नॉन स्टेट एक्टर का खेल अब नहीं चलने वाला है। अगर मैं सीधे-सीधे कनपुरिया भाषा में कहूं तो दुश्मन कहीं भी हो, हौंक दिया जाएगा। इस दौरान, पीएम मोदी ने बटन दबाकर 47,600 करोड़ रुपए की 15 विकास परियोजनाओं का उपहार दिया। पीएम ने चुन्नीगंज मेट्रो स्टेशन पर सजकर खड़ी मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ट्रेन में वंचित वर्ग के बच्चों ने सफर तय किया। इस दौरान पीएम ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक भी वितरण किया। पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने भारत के स्वदेशी हथियारों और मेक इन इंडिया की ताकत भी देखी है। हमारे भारतीय हथियारों ने, ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मन के घर में घुसकर तबाही मचाई है। जहां टारगेट तय किया, वहां धमाके किए। यह ताकत हमें आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से मिली है। एक समय था जब भारत अपनी सैन्य जरूरतों के लिए, अपनी रक्षा के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था। हमने उन

हालातों को बदलने की शुरुआत की। यह पूरे यूपी के लिए गर्व की बात है की डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता में वह बड़ी भूमिका निभा रहा है। जैसे कानपुर में पुरानी ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियां हैं, वैसी ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों को हमने बड़ी आधुनिक कंपनियों में बदल दिया है। आज यूपी में देश का बड़ा डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है। इस कॉरिडोर का कानपुर नोड रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत का बड़ा केंद्र है। एक समय यहां से पारंपरिक उद्योग पलायन कर रहे थे, वहां अब डिफेंस सेक्टर की बड़ी कंपनियां आ रही हैं। यहां पास में ही अमेठी में एके 20 राइफल का निर्माण शुरू हो चुका है। ऑपरेशन सिंदूर में जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मनों को सोने नहीं दिया उस ब्रह्मोस मिसाइल का नया पता है उत्तर प्रदेश। भविष्य में कानपुर और यूपी, भारत को डिफेंस का नया एक्सपोर्टर बनाने में सबसे आगे रहेंगे। यहां नई फैक्ट्रियां लगेंगी, बड़े पैमाने पर निवेश आएगा। यहां के हजारों युवाओं को रोजगार के अच्छे अवसर मिलेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि यूपी और कानपुर को नई ऊंचाई पर लेकर जाना डबल इंजन सरकार की पहली प्राथमिकता है। यह तभी होगा जब यहां पर उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, जब कानपुर का पुराना गौरव फिर से लौटेगा। पिछली सरकारों ने आधुनिक उद्योगों की जरूरतों को नजर अंदाज करके रखा था। कानपुर से उद्योगों का पलायन होता गया, परिवारवादी सरकारें आंख बंद करके बैठी रहीं। नतीजा, केवल कानपुर ही नहीं पूरा यूपी पीछे हो गया। राज्य की औद्योगिक प्रगति के लिए दो सबसे जरूरी शर्तें हैं, पहली ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और दूसरी इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी। आज यहां कई पावर प्लांट्स का लोकार्पण हुआ है जो यूपी की ऊर्जा जरूरत को पूरा करने के लिए बहुत बड़ा कदम है। इन पावर प्लांट्स के बाद यूपी में बिजली की उपलब्धता और बढ़ेगी। इससे यहां के उद्योगों को भी गति मिलेगी। आज 47,000 करोड रुपए से अधिक की लागत के कई और विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। यहां बुजुर्गों को मुफ्त इलाज के लिए आयुष्मान वय वंदना कार्ड भी दिए गए हैं। अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को भी आर्थिक मदद प्रदान की गई है। यह योजनाएं, यह विकास कार्य, कानपुर और यूपी की प्रगति के लिए हमारे कमिटमेंट को दिखाते हैं। आज केंद्र और प्रदेश की सरकार आधुनिक और विकसित यूपी के निर्माण के लिए काम कर रहे हैं। इसी का परिणाम है जो इंफ्रास्ट्रक्चर, जो सुविधा, जो संसाधन, बड़ी-बड़ी मेट्रो सिटीज में होते हैं वह सब आप अपने कानपुर में भी देखने लगे हैं। कुछ साल पहले हमारी सरकार ने कानपुर को पहली मेट्रो की सौगात दी थी। आज कानपुर मेट्रो की ऑरेंज लाइन कानपुर सेंट्रल तक पहुंच गई है। पहले एलिवेटेड और अब अंडरग्राउंड, इस तरह का मेट्रो नेटवर्क कानपुर के महत्वपूर्ण इलाकों को जोड़ रहा है। कानपुर मेट्रो का यह विस्तार कोई साधारण प्रोजेक्ट नहीं है। कानपुर मेट्रो इस बात का सबूत है कि अगर सही इरादों, मजबूत इच्छा शक्ति और नेक नीयत वाली सरकार हो तो देश के विकास के लिए, प्रदेश के विकास के लिए कैसे ईमानदारी से प्रयास होते हैं।

राहुल गांधी की पीएम मोदी को चिट्ठी, पाकिस्तानी गोलाबारी के पीड़ितों के लिए राहत पैकेज की मांग

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी। उन्होंने केंद्र सरकार से पाकिस्तानी गोलाबारी के पीड़ितों के लिए राहत पैकेज देने की मांग की। उन्होंने अपने पुंछ दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तानी गोलाबारी में 4 बच्चों सहित 14 लोगों की दुखद मृत्यु हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। इस अचानक और अंधाधुंध हमले ने आम इलाकों में भारी तबाही मचाई है। आज संकट के समय में हमारा कर्तव्य है कि हम उनके दुख को समझें और उनके जीवन को फिर से संवारने के लिए हरसंभव मदद करें। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चिट्ठी में लिखा, 'मैंने हाल ही में पुंछ का दौरा किया, जहां पाकिस्तानी गोलाबारी में 4 बच्चों सहित 14 लोगों की दुखद मृत्यु हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। इस अचानक और अंधाधुंध हमले ने आम इलाकों में भारी तबाही मचाई है। सैकड़ों घर, दुकानें, स्कूल और धार्मिक स्थल बुरी तरह तबाह हो गए हैं। कई पीड़ितों ने बताया कि उनकी वर्षों की मेहनत एक झटके में बर्बाद हो गई।'

शशि थरूर को लेकर बोले सिसोदिया, कांग्रेस को उनके बयान से आपत्ति है तो यह उनकी पार्टी का अपना निर्णय है

जालंधर। पाकिस्तान में आतंकियों के खिलाफ चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद जिस तरह से पाकिस्तानी सेना बौखला गई और आतंकियों के समर्थन में भारत के खिलाफ हमले की कोशिश में लग गई, उसके बाद भारतीय सेना के मुंहतोड़ जवाब ने पाकिस्तान की सेना को घुटने पर ला दिया। अब पाकिस्तान का आतंकी चेहरा दुनिया के सामने बेनकाब करने के लिए भारत की तरफ से विदेशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को भेजा गया है। उसमें से एक प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के नेता और सांसद शशि थरूर भी शामिल हैं। वह दुनिया के लगातार कई देशों में जाकर पाकिस्तान का चेहरा बेनकाब कर रहे हैं। लेकिन, भारत में उनको लेकर सियासी पार्टियों के बीच खूब बयानबाजी हो रही है। शशि थरूर की पार्टी कांग्रेस के नेता ही उनके इस व्यवहार से खुश नजर नहीं आ रहे हैं, जिसकी वजह से कांग्रेस को तमाम आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है। ऐसे में पंजाब के जालंधर पहुंचे आप के पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा से जब शशि थरूर को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने जो कहा वह कांग्रेस के लिए भी परेशानी खड़ी करने वाला है।

छत्तीसगढ़ कोयला लेवी घोटालाः सुप्रीम कोर्ट ने रानू साहू सहित 20 आरोपियों को दी अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ खनन लेवी घोटाला मामले में आरोपी छत्तीसगढ़ काडर की आईएएस अधिकारी रानू साहू और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सचिव सौम्या चौरसिया समेत करीब एक दर्जन आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट ने सशर्त अंतरिम जमानत दे दी है। आईएएस अधिकारी रानू साहू खनन घोटाले के मामले में अक्टूबर 2024 में गिरफ्तारी के बाद से न्यायिक हिरासत में हैं। जबकि, बाकी आरोपी लंबे समय से जेल में बंद हैं। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और दीपांकर दत्ता की बेंच ने इस आधार पर आरोपियों को सशर्त अंतरिम जमानत दी कि मुकदमे में लंबा समय लगने की संभावना है। इस मामले में आरोपियों को अंतरिम जमानत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि आरोपी अगले आदेश तक छत्तीसगढ़ में नहीं रहेंगे। जब भी आवश्यकता होगी, तब बुलाने पर सभी अदालत के समक्ष उपस्थित होंगे। उन्हें अपने रहने के स्थान की जानकारी संबंधित पुलिस स्टेशन को भी देनी होगी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि आरोपी गवाहों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित करते पाए जाते हैं तो इसे अंतरिम जमानत का दुरुपयोग माना जाएगा। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वे अंतरिम जमानत पर रिहा होने पर अपना पासपोर्ट तुरंत निचली अदालत में जमा कराएं। इसके साथ ही यह भी कहा कि आरोपियों को जांच में पूरा सहयोग करना होगा।

दिल्ली के महापौर ने मालवीय नगर में तिरंगा यात्रा के साथ चलाया स्वच्छता अभियान

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने स्वच्छता को बढ़ावा देने और देशभक्ति की भावना जगाने के लिए मालवीय नगर में तिरंगा यात्रा के साथ स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान युसुफ सराय से सुदर्शन रोड तक चला। इस सफाई अभियान में विधायक सतीश उपाध्याय और निगम पार्षद कमल भारद्वाज शामिल हुए। इस अवसर पर स्वच्छता को एक सतत जन आंदोलन बताते हुए महापौर राजा इकबाल सिंह ने स्वच्छता अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य न केवल शहर की सुंदरता में सुधार करना है। बल्कि निवासियों के जीवन की समग्र गुणवत्ता को भी बढ़ाना है। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य बहुत महत्वपूर्ण है। स्वच्छता एक सतत प्रक्रिया है। पिछले 20 दिनों से इस पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में जन भागीदारी के साथ और नगर निगम और दिल्ली सरकार के सहयोग से मालवीय नगर क्षेत्र में क्षेत्र को साफ करने के लिए एकजुट हुए। जनता भी स्वच्छता का समर्थन कर रही है।

कोंडली नहर में डूब कर दो भाइयों की मौत

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में कोंडली नहर में डूबने से दो नाबालिग भाइयों की मौत हो गई। घटना के वक्त दोनों नाबालिग कोंडली नहर में नहाने के लिए उतरे थे। इसी दौरान ही दोनों डूब गए। दिल्ली बोर्ड क्लब के इंचार्ज हरीश कुमार ने बताया कि आठ बजे के करीब कोंडली नहर में दो बच्चों के डूबने की सूचना मिली। बोट क्लब की टीम गोताखोर के साथ मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद दोनों नाबालिग को बाहर निकला गया। तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। हरीश कुमार ने बताया कि दोनों किशोर कोंडली नहर में नहाने के लिए आए थे। पानी की गहराई ज्यादा होने की वजह से वह डूब गए। मृतक बच्चों की पहचान रवि (15) और भीम (13) के रूप में हुई है। दोनों दल्लूपुरा के रहने वाले थे। हादसे के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं इस हादसे को लेकर क्षेत्र के लोगों में काफी रोष है।

राघव चड्ढा को लंदन में 'आइडियाज फॉर इंडिया' कॉन्फ्रेंस का मिला न्योता

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा को प्रतिष्ठित 'आइडियाज फॉर इंडिया' कॉन्फ्रेंस में आमंत्रित किया गया है। यह यूके के प्रसिद्ध थिंक टैंक 'ब्रिज इंडिया' द्वारा 30 मई को रॉयल लैंकेस्टर, लंदन में आयोजित की जाएगी। यह कॉन्फ्रेंस इंडिया वीक का प्रमुख हिस्सा है। इस कॉन्फ्रेंस में सांसद राघव चड्ढा बतौर स्पीकर शामिल होंगे। इस अहम कॉन्फ्रेंस में भारत के आर्थिक विकास और दुनिया में उसकी भूमिका पर गहरी चर्चा होगी। इसमें कई पॉलिसी मेकर्स और भारत के प्रतिष्ठित बिजनेसमैन शामिल होंगे। आप सांसद राघव चड्ढा लंदन में हो रही इस कॉन्फ्रेंस में एक खास चर्चा में हिस्सा लेंगे, जिसका नाम है, 'भारत एक बहुध्रुवीय दुनिया में'। इस चर्चा में वे भारत की रणनीतिक आजादी, दुनिया में बढ़ते प्रभाव और भारत की ग्लोबल नॉर्थ और साउथ के बीच एक पुल यानी ब्रिज की भूमिका पर अपने विचार साझा करेंगे। साथ ही, वे भारत की

हाल की उपलब्धियों, जिसमें 'ऑपरेशन सिंदूर' की कामयाबी के अलावा डिफेंस और डिप्लोमेसी में मिली सफलताओं के अलावा तकनीक व युवा नेतृत्व के योगदान पर भी बात करेंगे। 'आइडियाज फॉर इंडिया' कॉन्फ्रेंस के आमंत्रण पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद राघव चड्ढा ने कहा, मैं ब्रिज इंडिया और इंडिया वीक 2025 का हिस्सा बनकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। आइडियाज फॉर इंडिया कॉन्फ्रेंस भारत के भविष्य को आकार देने का एक शानदार मंच है। मुझे खुशी होगी कि मैं इस आयोजन में अपने विचार साझा कर सकूं और भारत के विकास और उसकी वैश्विक भूमिका पर अपने विचार साझा करने के लिए उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, दुनिया की अर्थव्यवस्था और राजनीतिक हालात बदल रहे हैं, और भारत विकास के एक बड़े केंद्र के रूप में उभर रहा है। जब बाकी देश व्यापार और सप्लाई चेन को मजबूत करने के बारे में सोच रहे हैं, तब भारत और ब्रिटेन के पास अपने रिश्तों को और बेहतर करने का यह शानदार मौका है। खासकर यूके-भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत का यह सही समय है। मैं आइडियाज फॉर इंडिया 2025 में अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ मिलकर यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि हम भारत के विकास के अगले कदम को कैसे बेहतर बना सकते हैं।

स्थायी मानवीय मूल्य की स्थापना ही कालजयी साहित्य की पहचानः द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि देश के 140 करोड़ देशवासियों के परिवार में अनेक भाषाएं और अनगिनत बोलियां हैं। साहित्यिक परंपराओं की असीम विविधता है, लेकिन इस विविधता में भारतीयता का स्पंदन महसूस होता है। भारतीयता का यही भाव हमारे देश की सामूहिक चेतना में रचा-बसा है। मैं मानती हूं कि सभी भाषाओं में लिखित साहित्य मेरा ही साहित्य है। राष्ट्रपति मुर्मु दो दिवसीय साहित्यिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। इसका आयोजन साहित्य अकादमी और राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। दो दिवसीय 'कितना बदल चुका है साहित्य? विषयक साहित्यिक सम्मेलन में कई प्रतिष्ठित साहित्यकार, लेखक भाग ले रहे हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने गोपबंधु दास, रवींद्रनाथ ठाकुर, फकीरमोहन सेनापति, गंगाधर मेहर, प्रतिभा राय आदि को संदर्भित करते हुए कहा कि आज का साहित्य

उपदेशात्मक नहीं हो सकता। साहित्य से प्रेरणा लेकर मनुष्य सपने देखता है और उन्हें साकार करता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे समाज और सामाजिक संस्थान बदले हैं, चुनौतियां और प्राथमिकताएं भी बदली हैं। ऐसे ही साहित्य में भी बदलाव देखे गए हैं, लेकिन स्थायी मानवीय मूल्य की स्थापना कालजयी साहित्य की पहचान होती है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज के, समाज की भावनाओं के और समाज की स्थितियों के दर्पण स्वरूप हैं।

दर्पण होने के साथ-साथ यह समाज के मार्गदर्शन का काम भी करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश सांस्कृतिक पुनरुद्धार के दौर से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में साहित्य सृजकों की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है।

तकरीबन 15 प्रतिशत बच्चे लॉन्ग-कोविड से पीड़ित : अध्ययन

एजेंसी

नई दिल्ली। कोविड-19 के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। इस बीच, एक नए अध्ययन से पता चला है कि लगभग 15 प्रतिशत बच्चे लॉन्ग कोविड से पीड़ित हैं। उम्र के हिसाब से उनके लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं। बच्चों में लॉन्ग कोविड को लंबे समय तक रहने वाले लक्षणों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो सार्स-कोव-2 संक्रमण के बाद कम से कम तीन महीने तक रहते हैं। शोध पत्रिका जामा पीडियाट्रिक्स में प्रकाशित अध्ययन में 472 शिशुओं और मार्च 2022 से जुलाई 2024 तक नामांकित 539 प्रीस्कूल-आयु वर्ग के बच्चों को शामिल किया गया है। इसमें पाया गया कि लगभग 15 प्रतिशत बच्चों में लॉन्ग कोविड था। दो साल और उससे कम आयु के 278 बच्चों में से लगभग 40 (14 प्रतिशत) में लक्षण थे, जबकि तीन से पांच वर्ष की आयु के 399 बच्चों में से 61 (15 प्रतिशत) में लक्षण थे। इसके अलावा, अध्ययन से पता चला है कि शिशुओं और बच्चों में तीन से

पांच साल की उम्र के प्रीस्कूलर की तुलना में अलग-अलग लॉन्ग-कोविड लक्षण दिखाई देते हैं। शिशुओं और बच्चों (दो साल से कम उम्र के) में सोने में परेशानी, चिड़चिड़ापन, भूख न लगना, नाक बंद होना और खांसी होने की संभावना अधिक होती है। तीन से पांच साल की उम्र में सूखी खांसी और दिन में थकान/कम ऊर्जा होने की संभावना अधिक होती है। कुल मिलाकर, संभावित लॉन्ग कोविड वाले 74 प्रतिशत प्रीस्कूलर ने सूखी खांसी की सूचना दी। ये लक्षण आमतौर पर बड़े बच्चों और किशोरों में देखे जाने वाले लक्षणों से बहुत अलग हैं, जिन्हें लॉन्ग कोविड है। अध्ययन में पाया गया कि स्कूल जाने वाले बच्चों में न्यूरोलॉजिकल लक्षण होने की संभावना अधिक होती है, जैसे ध्यान केंद्रित करने में परेशानी, सोने में परेशानी या चक्कर आना। उन्हें पीठ या गर्दन में दर्द, सिरदर्द, पेट में दर्द या उल्टी भी हो सकती है। कभी-कभी, उनके व्यवहार में बदलाव होते हैं। मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल (एमजीएच) में बायोस्टैटिस्टिक्स रिसर्च एंड एंगेजमेंट के एसोसिएट डायरेक्टर तनयोट (टोनी) थावेथाई ने कहा, ÷यह अध्ययन महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दर्शाता है कि छोटे बच्चों में लंबे समय तक कोविड के लक्षण बड़े बच्चों और वयस्कों से अलग होते हैं। इसके अलावा, टीम ने नोट किया कि कई लक्षणों को इस तथ्य से समझाया जा सकता है कि छोटे बच्चों में लक्षण इस आधार पर बताए जाते हैं कि देखभाल करने वाले क्या देख सकते हैं, न कि बच्चे खुद क्या महसूस कर रहे हैं और क्या वर्णन कर रहे हैं। थावेथाई ने कहा, इन लक्षणों वाले बच्चों का स्वास्थ्य अक्सर खराब होता है, जीवन की गुणवत्ता कम होती है और विकास में देरी होती है। उन्होंने छोटे बच्चों पर कोविड के प्रभाव पर और अधिक शोध करने का आह्वान किया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रदीप पुत्र सुक्कन निवासी म. नं. 581, सत्ते पंडित का मकान, 25 फुट रोड, टीका राम कालोनी, लोनी, गाजियाबाद, उ.प्र.** ने केस **एफआईआर नं. 1049/2015 अन्तर्गत धारा 411/34 आईपीसी, थाना खजूरी खास, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **प्रदीप** मिल नही रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **प्रदीप** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 1049/2015 अन्तर्गत धारा 411/34 आईपीसी, थाना खजूरी खास, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **प्रदीप** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **19.07.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
कनिका अग्रवाल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
कमरा नं. 22, प्रथम तल
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/6865/NE/2025
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मो. शमशाद पुत्र मो. मुराद अली, निवासी मकान नं. 118, जलाल पुर, रघुनाथपुर, मुराद नगर, तहसील मोदी नगर, जिला गाजियाबाद, यूपी–201206** ने **CT No. 1117/2016 U/S 138 NI Act, अन्तर्गत थाना खजूरी खास, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मो. शमशाद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मो. शमशाद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **CT No. 1117/2016 U/S 138 NI Act, अन्तर्गत थाना खजूरी खास, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मो. शमशाद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री कनिका अग्रवाल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
कमरा नं. 22, प्रथम तल, उत्तर पूर्व जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/6866/NE/2025(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आमिर, पुत्रः श्री नासिर, पताः 475, शहीद नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 55/2019, U/s 379/411/34 IPC, पुलिस थाना पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **आमिर** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है की **आमिर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली** के अभियुक्त **आमिर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.10.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री पी. भार्गव राव
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05
पूर्वी जिला, कमरा नं. 03
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/6774/ED/2025

NAME CHANGE

I, Sambhavi Uniyal D/O Arun Uniyal R/O House NO 7204, Sector -D, Pocket 7, Vasant Kunj, South West Delhi 110070 have changed my name to Shambhavi Uniyal for all the future purposes.

NAME CHANGE

I, ALI HASAN S/O MOHAMMAD SAPHI residing at E-4/230 GALI NO 7,4 ½ PUSTA SONIA VIHAR KARAWAL NAGAR DELHI-110094 have changed my name to ALI HASAN KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, RANJITA Wife of No. 6942708H Rank-HAV Name-SHIV SHANKAR ROY Presently residing at VPO-MAHAMADPUR SAKRA, TEH-RUSERA, DIST-SAMASTIPUR, BIHAR-848160, have changed my name from RANJITA to RANJEETA ROY for all future purposes vide Affidavit dated 30/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as Kalicharan Nayal alias Kali Charan Nayal S/O Ashok Kumar Nayal Presently residing at B-6, Gali No.-8, Milan Garden, Sabhapur Extension, Delhi-110094 and Permanently residing at Nayal Khola, Almora, Almora, Almora, Uttarakhand-263601 have changed my name and shall hereafter be known as Kalicharan Nayal.

NAME CHANGE

I, CHIRAG BHATIA S/O RUPESH BHATIA residing at HOUSE NO-121/15 KRIPAL NAGAR ROHTAK HARYANA-124001 have changed my name to CHIRAG for all future purpose.

NAME CHANGE

It is for general information that I, SAKSHAM SIROHI S/o PRADEEP KUMAR, R/o H NO-1/3994, GALI NO-6, RAM NAGAR EXTN, MANDOLI SABOLI, SHAHDARA, DELHI-110093, declare that name of my Father has been wrongly written as PRDEEP KUMAR in my Driving Licence DL-120240095791. The actual name of my Father is PRADEEP KUMAR, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

This is to inform/known to all that the Original Title/Ownership documents i.e. AGREEMENT TO SELL AND PURCHASE, WILL executed by 1. Sh. Virender Pal Thapar 2.Sh. Baljit Singh Saluja in favour of Sh. Ram Gulati pertaining to Flat No. C-5, Back RHS Flat, on Second Floor, area measuring 50 Sq. Yds., Built up on Property Bearing No. 1065-B, Out of Khasra No. 1151/3 Min, Kaki Apartment, Situated at WardNo. 7, Mehrauli, New Delhi - 110030. (hereinafter referred to as 'said property') Which is owned and Possessed by Seller i.e. Sh. Dashrath Prasad who has agreed to Sell the 'said property' to Smt. Anita Bali and same shall be funded/ Mortgaged by My Client "AADHAR HOUSING FINANCE Ltd., NSP BRANCH" has been lost / Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, If any person misuses the same for any purpose whatsoever, She / he shall be liable for the appropriate legal action against him/her at his/her own risk, cost and consequences.

Dated : 30-05-2025
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

NAME CHANGE

I, NALINIKUMARI Mother of No-15752798A, Rank-SIGMN, Name-JINU RAJ residing at VPO-KODENCHERY, TEHSIL-THAMARASSERY, DIST-KOZHIKODE, KERALA-673580, have changed my name from NALINIKUMARI to NALINIKUMARI K T for all future purposes vide Affidavit dated 29/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, INDRA Wife of No-16018892F Rank-HAV Name- RAJENDRA KUMAR R/o VILL-KHICHARO KI DHANI, PO-BOUNRA, TEHSIL-DANTA RAMGARH, SIKAR, RAJASTHAN-332702, have changed my name from INDRA to INDRA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 30/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Mena Kumari, Mother of Baldat Kumar Army No. JC-563337A, Rank - NB/SUB Posted at Unit Bihar REGT Center, C/o - 56 APO, Pin - 900441 & Permanently Residing at Village+Post - Matasi, P. S. - Halsi, Dist. - Lakhisarai, State - Bihar, Pin - 811315 have changed my name from Mina Devi to Mena Kumari & Date of Birth from 12/11/1962 to 08/04/1965 for all future purposes. Vide Affidavit Dated 30 May 2025 before The Notary Public at Delhi (India) in presence of Advocate Madan Lal Gupta.

NAME CHANGE

I, Sudha Devi Spouse of Army No. JC-562360F, Rank - SUB Name - Pankaj Dubey Posted at Unit Bihar REGT Center, C/o - 56 APO, Pin - 900441 & Presently Residing at Q. No. 507, A-Block, Surya Shyam Vihar Apt., PGS More, Saguna, Danapur, Pin-801105 have changed my name from Sudha Devi to Sudha Kumari & Correct Date of Birth 02/07/1982 for all future purposes. Vide Affidavit Dated 30 May 2025 before The Notary Public at Delhi (India) in presence of Advocate Madan Lal Gupta.

Name Correction

I, PALA W/o SH. SURAJ AND D/O SH. KAMAN R/o C-69, Sanjay Colony. Bhatti Mines, Fatehpur Beri, New Delhi-110074, Declare That my real and actual name is PALA but in my Indian Bank Documents my name has been written as PALA BAI AND PALA RANI. That I declare and undertake that "PALA" PALA BAI and "PALA RANI" is the one person name and both are the same and my date of birth is 01-01-1995

NAME CHANGE

I, UCAHAB KANWAR Mother of No-13627208K Rank-HAV Name-DEVRAJ SINGH Presently residing at VILL-KHERA GOPALPURA, PO-MANDAVARIYA, DIST-AJMER RAJASTHAN-305402, have changed my name from UCAHAB KANWAR to UCHAB KANVAR for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 02/03/1969 instead of my correct date of birth as 01/01/1955 vide Affidavit dated 30/05/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public at large that the following Surviving Member Certificates are either lost/not available and currently untraceable, despite best efforts made to locate or obtain the same:Surviving Member Certificate issued by the concerned Sub-Divisional Magistrate (SDM) confirming that Mr. Ghanshyam Das, Mrs. Saroj Garg, and Mr. Sumer Chand Goyal are the only legal heirs of Late Mr. Sunder Singh. Surviving Member Certificate issued by the concerned Sub-Divisional Magistrate (SDM) confirming that Mrs. Manju Goyal, Mrs. Charu Aggarwal, Mr. Subham Goyal, and Mrs. Priyanka Goyal are the only legal heirs of Late Mr. Ghanshyam Das. The above certificates pertain to the property bearing: Property New No. 390-A, Old No. 47-A, First Floor Without Roof Rights, Khasra No. 619/21, situated at Lal Dora of Village Chhattarpur, New Delhi – 110074, National Capital Territory of Delhi. Brief Background of the Property: The property originally stood in the name of Mr. Sunder Singh, based on a Lal Dora Certificate issued by the Sub-Divisional Magistrate (SDM) Upon his demise, his legal heirs were identified as Mr. Ghanshyam Das, Mrs. Saroj Garg, and Mr. Sumer Chand Goyal. After the passing of Mr. Ghanshyam Das, his legal heirs were Mrs. Manju Goyal, Mrs. Charu Aggarwal, Mr. Subham Goyal, and Mrs. Priyanka Goyal. After the demise of Mr. Sumer Chand Goyal, his surviving legal heirs were Mrs. Archana, Ms. Riya Goyal, and Mr. Shikhar Goyal. Thereafter, Mrs. Saroj Garg, Mrs. Charu Aggarwal, Mr. Subham Goyal, Mrs. Priyanka Goyal, Ms. Riya Goyal, and Mr. Shikhar Goyal executed a Relinquishment Deed dated 22.05.2023 in favour of Mrs. Manju Goyal and Mrs. Archana, relinquishing all their respective rights in the said property. Any person(s), institution(s), or authority(ies) having any claim, objection, or interest in relation to the aforesaid Surviving Member Certificates or the said property, is hereby requested to make the same known in writing along with relevant documentary proof to the undersigned within 7 (seven) days from the date of publication of this notice. Failing which, it shall be presumed that there are no claims or objections, and the concerned parties shall proceed to take necessary legal steps, including obtaining certified copies or alternate documentation, in accordance with law.

Sd/-
Ms.
Rani Shilpee (Advocate).
Office Add: H. No. T/181, UGF, Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059

गुरुग्राम पुलिस ने नष्ट किए भारी मात्रा में गांजा व अन्य नशीले पदार्थ

गुरुग्राम। नशे के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए गुरुग्राम पुलिस द्वारा अलग-अलग मामलों में बरामद किए गए मादक पदार्थों को नष्ट किया गया। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा इन मादक पदार्थों को नष्ट किया गया। सेक्टर-37 इन्डस्ट्रीयल एरिया में बायोटिक वेस्ट लिमिटेड कम्पनी में इन्हें नष्ट किया गया। नष्ट किए गए मादक पदार्थों में 116.030 किलोग्राम गांजा, 69 ग्राम स्मैक, 10.619 किलोग्राम चरस, 342.368 ग्राम हेरोईन, 01.008 ग्राम एमडीएमए, 253.0358 किलोग्राम ब्राउन पाउडर, 08.089 ग्राम कोकीन, 02.348 किलोग्राम पॉपी हस्क शामिल थे। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा के मुताबिक गुरुग्राम पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के सेवन के दुष्परिणामों एवं अवैध मादक पदार्थों के व्यापार के प्रति लोगों को विभिन्न माध्यमों से जानकारी देकर भी जागरुक किया जाता है। इस दौरान डॉ. अर्पित जै पुलिस उपायुक्त मुख्यालय व सुशीला अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय मौजूद रहे।

योग को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करें अधिकारी - उपायुक्त

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि आगामी 21 जून को प्रातः 6 बजे से 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 'एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम के साथ पुलिस लाइन नूंह में मनाया जाएगा। जिला में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के भव्य आयोजन को लेकर जिला आयुष विभाग, जिला खेल विभाग, जिला शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों ने व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। उपायुक्त अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के जिला व खंड स्तरीय कार्यक्रमों को लेकर जिला के संबंधित अधिकारियों को बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री हरियाणा श्री नायब सिंह सैनी ने भी योग दिवस मनाने के संबंध में सभी जिला उपायुक्तों को वर्चुअल माध्यम से बैठक आयोजित कर जरूरी दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन योग को हर घर तक पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने संबंधित विभागों व अधिकारियों को योग को शहर व गांव में प्रत्येक घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि योग दिवस में भाग लेने के लिए खिलाडि़यों, महाविद्यालय व विद्यालयों के विद्यार्थियों, एनसीसी, रेडक्रॉस वालंटियर आदि सभी वर्गों को जागरूक किया जाए। उपायुक्त ने योग दिवस कार्यक्रम के अवसर पर सुरक्षा के दृष्टिगत एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड की गाड़ी की व्यवस्था करने के भी निर्देश संबंधित विभागों को दिए।

सोनीपत के साहित्यरत्न डॉ. संतराम देशवाल को पद्मश्री पर विधायक ने दी बधाई

सोनीपत। हरियाणा के लिए यह गर्व का क्षण है जब साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. संतराम देशवाल को भारत सरकार द्वारा पद्मश्री सम्मान प्रदान किया गया। राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित पद्म अलंकरण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। राई क्षेत्र के विधायक कृष्णा गहलावत ने डॉ. संतराम देशवाल को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के आंचल से जन्मे एक उच्च कोटि के साहित्यकार ने पूरे राष्ट्र में राज्य का नाम रोशन किया है। डॉ. संतराम देशवाल ने अब तक 30 से अधिक पुस्तकें लिखी हैं जिनमें ललित निबंध, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, जीवनी और कविताएं शामिल हैं। वे हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा महाकवि सूरदास आजीवन साहित्य साधना पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुके हैं। विधायक गहलावत के अनुसार, डॉ. देशवाल की पहचान हरियाणा की लोक भाषा, लोक संस्कृति और लोक साहित्य के एक सच्चे संरक्षक के रूप में स्थापित है। उनके कार्यक्षेत्र में हिंदी साहित्य, शिक्षा, पत्रकारिता, संपादन, शोध, शोध निर्देशन और समाज सेवा प्रमुख रूप से शामिल हैं। उनकी साहित्यिक साधना और समाज के प्रति समर्पण को यह पुरस्कार एक राष्ट्रीय मान्यता के रूप में देखा जा रहा है। विधायक ने अंत में कहा कि संतराम देशवाल की यह सफलता सोनीपत ही नहीं, पूरे हरियाणा के लिए प्रेरणा का स्रोत है, और यह उनके अथक परिश्रम का परिणाम है।

रोहतक में परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम की तैयारियां पूरी, 15 एकड़ जगह कार्यक्रम के लिए कवर

रोहतक। सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा ने कहा प्रदेश सरकार द्वारा 30 मई को पहरावर में राज्य स्तरीय भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सन्त-महापुरूष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के तहत हो रहे इस आयोजन की विशिष्टता सर्व समाज की भागीदारी, सैनिकों व शहीदों के सम्मान को समर्पित होना रहेगा, जिससे समारोह भव्य और ऐतिहासिक होगा। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के तीसरे कैम्पस पहरावर पहुंचकर राज्य स्तरीय भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि 15 एकड से अधिक जगह को कार्यक्रम के लिए तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, केंद्र, प्रदेश स्तर के वरिष्ठ नेतागण, प्रदेश के सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक एवं विभिन्न संस्थाओं के जनप्रतिनिधि बढ़चढ़ कर इस आयोजन में भागीदारी करेंगे। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि राज्य स्तरीय समारोह में भारी जनसमूह उमड़ेगा और इसके लिए पूरी व्यवस्था की गई है।

करनाल के सालवन गांव में मनाई वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती

मुख्यमंत्री ने की करोड़ों की घोषणाएं

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में आज वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती को बड़े धूमधाम से मनाया गया, जिसमें सर्व समाज की भागीदारी रही। जिला करनाल के गांव सालवन में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने महाराणा प्रताप को नमन करते हुए कहा कि वे केवल योद्धा ही नहीं, बल्कि स्वाभिमान, शौर्य और बलिदान के जीवंत प्रतीक हैं। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सालवन गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का नाम मोहन सिंह के नाम पर करने की घोषणा की। असंध में महाराणा प्रताप धर्मशाला बनवाने के लिए 21 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत सालवन द्वारा जमीन

उपलब्ध करवाने पर खेल स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। असंध में एचएसवीपी का सेक्टर विकसित करने के संबंध में फिजिबिलिटी चैक करवाकर इसे विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने असंध विधानसभा क्षेत्र की 54 सड़कों, जिनकी लंबाई 186 किलोमीटर है, उनकी स्पेशल रिपेयर के लिए 88 करोड़ रुपये की घोषणा की। इसके अलावा, 16 अन्य सड़कों, जिनकी लंबाई 91.49किलोमीटर है, की भी स्पेशल रिपेयर करवाई जाएगी। साथ ही, 123 किलोमीटर लंबाई की 41 अन्य सड़कों को भी ठीक करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव सालवन से निकल रही ड्रेन को भी पक्का किया जाएगा। नायब सिंह सैनी ने असंध बाइपास के सुदृढ़ीकरण के लिए 9 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। कोहंड से असंध रोड की स्पेशल रिपेयर के लिए 34 करोड़ 37 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि करनाल असंध रोड गांव जुंडला, जलमाणा में बाईपास के कार्य को भारत सरकार को भेज कर जल्द मंजूर करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने असंध विधानसभा क्षेत्र में सामुदायिक भवनों के निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की । इसके अलावा, असंध विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए अलग से 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो समाज एवं राष्ट्र अपने महापुरुषों, वीरों व शहीदों को याद करता है, उनका सम्मान करता है, वह सदा समृद्धि और प्रगति की ओर अग्रसर होता है।

पुलिस ने होटलों का रिकार्ड खंगाला व होटल मालिकों को दी हिदायतें

एजेंसी

झज्जर। जिला पुलिस ने विशेष अभियान चला कर होटलों का निरीक्षण किया। होटल के एंट्री रजिस्टर और आवश्यकता अनुसार कमरों की जांच की। होटल मालिकों को यात्रियों का आवश्यक रिकॉर्ड रखने सहित कई तरह के जरूरी दिशा निर्देश दिए। सहायक पुलिस उपायुक्त (एसीपी) धर्मवीर सिंह ने बताया कि लगातार इलाके में होटलों की जांच की जा रही है। इस जांच का मुख्य उद्देश्य संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करना है, क्योंकि दूसरे जिलों या राज्यों से अपराध करके भागे अपराधी शरण के लिए झज्जर जिला के छोटे गेस्ट हाउस में छिप सकते हैं। यदि यहां सतर्कता बरती जाए जो अपराधियों को पकड़ना आसान हो जाता है। इस दौरान एसीपी धर्मवीर सिंह ने सभी होटल संचालकों को अच्छी क्वालिटी के सीसीटीवी कैमरे लगवाने को कहा। उन्होंने कहा कि इन कैमरों का बैकअप कम से कम 30 दिन का जरूर होना चाहिए। साथ ही आगंतुकों की सही आईडी, मोबाइल नंबर, वाहन का नंबर, साथ आने वालों की सही जानकारी और उनकी आईडी सभी का रिकार्ड रखने के लिए कहा गया है।

मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाएगी भाजपा : बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी ने मोदी सरकार के 11 साल पूरा होने को संकल्प से सिद्धि तक मनाने का निर्णय लिया है। ''मोदी सरकार के 11 साल, संकल्प से सिद्धि तक'' कार्यक्रम के जरिए बीजेपी मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को कार्यक्रमों व अभियानों के जरिए घर-घर तक पहुंचाएगी। कार्यक्रमों की रूपरेखा के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने पांच सदस्यीय प्रदेश समिति का गठन कर संयोजक और सह संयोजकों की घोषणा कर दी है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश समिति की संयोजक सांसद रेखा शर्मा को नियुक्त किया है। वहीं पूर्व मंत्री कंवरपाल गुर्जर, पूर्व मंत्री बिशम्बर बाल्मिकी, पूर्व मंत्री जेपी दलाल, पूर्व मंत्री सीमा त्रिखा को प्रदेश समिति का सह संयोजक नियुक्त किया गया है। बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास की ऊंचाइयों को छू रहा है और एक सशक्त और मजबूत राष्ट्र के रूप में दुनिया में अपनी पहचान बनाई है।

बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। अब मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर प्रदेश भर में मोदी सरकार की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। बड़ौली ने कहा कि भाजपा ने संकल्प पत्र में जो भी संकल्प लिए हैं उन्हें भाजपा सरकार ने सिद्धि तक पहुंचाने का काम किया है। बड़ौली ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत इन 11 सालों में दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था वाला देश बना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व और हमारी सेना के शौर्य को पूरी दुनिया ने देखा है।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने दुश्मन के आतंकी ठिकानों को उसके घर में ही ध्वस्त करने का काम किया है। विश्व पटल पर भारत की विजय-पताका फहर रही है। बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की दुनिया के सामने मजबूत, शक्तिशाली राष्ट्र की शानदार छवि बन रही है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इन 11 सालों में ऐतिहासिक फैसले लेकर कांग्रेस सरकार द्वारा की गई गलतियों का भी खात्मा किया है।

अनिल विज का पाक आतंकियों पर निशाना, 'सभी का नंबर बारी-बारी से आएगा'

एजेंसी

अंबाला । पाकिस्तान से सटे इलाकों में 31 मई को एक बार फिर मॉक ड्रिल होने को लेकर हरियाणा के कैबिनेट मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने अपनी प्रतिक्रिया दी। वहीं, पाकिस्तानी आतंकी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि सभी का नंबर बारी-बारी से आएगा।हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'दोनों देशों के बीच सीजफायर है। प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार कहा है कि अगर कोई आतंकवादी घटना होगी, तो हम उसे युद्ध मानेंगे। सिविल डिफेंस भी एक तरह से ऑर्गनाइजेशन की तरह काम करता है, सरकार इसके लिए बाकायदा अधिकारी तैयार रखती है, जिनका काम होता है कि लोगों के बीच जाएं और उन्हें सारी ताजा हालात के बारे में बताएं।' अनिल विज ने पाकिस्तान के आतंकी सैफुल्लाह के बयान पर पलटवार किया, जिसमें उसने कहा था कि पीएम मोदी समझते हैं कि हम गोलियों से डरने वाले हैं, यह उनकी भूल है। विज ने

कहा, ÷सैफुल्लाह ने भारतीय सेना का पहला सीन देख लिया है कि आतंकी कैसे भाग रहे हैं और कैसे रो रहे हैं? कल तक खुद बयान दे रहे थे कि हम लाशें उठा-उठाकर थक गए हैं। उसे चिंता नहीं करनी चाहिए, सभी का नंबर बारी-बारी से आएगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो ममता बनर्जी के 'ऑपरेशन बंगाल' वाले बयान पर अनिल विज ने कहा, 'बंगाल के बारे में कोई ऐसी बात नहीं है, जिसे प्रचार करने की जरूरत है। वहां पर हर चौराहे पर देश के कानूनों की धज्जियां उड़ रही हैं। कितने बाहरी शरणार्थियों को बंगाल में ला-लाकर वोट बनवाया जा रहा है। अगर इसे भी ममता बनर्जी ठीक मानती हैं, तो फिर उन्हें किसी और देश में जाने की तैयारी करनी चाहिए।'

सीएम नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र से कृषि में क्रांति का बिगुल फूंका, बोले- किसान ही 'विकसित भारत' की असली ताकत

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। राष्ट्रव्यापी विकसित कृषि संकल्प अभियान की कड़ी में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र से विकसित कृषि संकल्प अभियान का आगाज किया। इस अभियान का उद्देश्य किसानों को नई तकनीक, योजना और नवाचार से जोड़कर कृषि क्षेत्र में सुधार लाना है। किसानों को खरीफ फसलों की वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी देना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व को समझाना और सरकारी योजनाओं व नीतियों का लाभ पहुंचाना है। इस अभियान के तहत किसानों से सीधा संवाद करके फीडबैक लेकर कृषि अनुसंधान को एक नई दिशा मिलेगी। आज से आगामी 12 जून तक प्रदेशभर में चलाया जा रहा यह अभियान,

किसानों को सशक्त करने की प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय परिसर में हरियाणा के कृषि, बागवानी, मत्स्य और पशुपालन विभागों तथा आईसीएआर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए किसानों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों की मेहनत, धैर्य और समर्पण से ही आज भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से हर किसान को नीति का सहभागी और नवाचार का भागीदार बनाएंगे। यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन है, जो किसानों को ज्ञान, नवाचार और तकनीक से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। यह अभियान एक ऐसी त्रिवेणी है, जिसमें कृषि वैज्ञानिक, कृषि से जुड़े विभागों के अधिकारी और किसान एक-दूसरे से सीधा संवाद करेंगे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत का जो संकल्प लिया है, उसमें हमारे अन्नदाता को एक प्रमुख स्तंभ माना है। एक विकसित, मजबूत और समृद्ध भारत तभी संभव होगा, जब हमारा किसान खुशहाल और आत्मनिर्भर बनेगा।

आत्मविश्वास और मेहनत से हर बाधा हो सकती है पार : बंडारू दत्तात्रेय

गुरुग्राम। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि दिव्यांगजनों में अपार प्रतिभा होती है। यदि उन्हें उचित अवसर और मार्गदर्शन मिले तो वे समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारे समाज की जिम्मेदारी है कि हम मूक-बधिर युवाओं जैसे विशेष वर्ग के लिए रोजगार के बेहतर अवसर सुनिश्चित करें ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। यह बात उन्होंने सेक्टर-15 पार्ट-2 स्थित हरियाणा वेलफेयर सोसाइटी फॉर पर्सन्स विद स्पीच एंड हियरिंग इंपेयरमेंट में आयोजित समारोह में कही। इस अवसर पर राज्यपाल ने संस्था द्वारा हाल ही में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव के तहत चयनित मूक-बधिर युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस ड्राइव के माध्यम से कुल 22 विद्यार्थियों का चयन विभिन्न प्रतिष्ठित निजी कंपनियों में हुआ, जिनमें 14 युवक और आठ युवतियां शामिल हैं। राज्यपाल ने कहा कि यह दिन न केवल गर्व का है। यह उन युवाओं की मेहनत, संकल्प और आत्मविश्वास का उत्सव है जिन्होंने यह सिद्ध कर दिया है कि अक्षमता कोई सीमा नहीं, बल्कि एक अवसर है। उन्होंने चयनित युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह नियुक्ति पत्र केवल एक कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की पहली सीढ़ी है। राज्यपाल ने बताया कि परफेटी, मेल वैन इंडिया लिमिटेड, भारत सीड्स और फ्रंटियर ग्रुप जैसी नामी कंपनियों ने संस्था में आकर साक्षात्कार लिए और योग्य विद्यार्थियों का चयन किया। उन्होंने संस्था की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल शिक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं है।

हरियाणा पुलिस महानिदेशक ने कैथल पुलिस लाइन में किया सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय' का उद्घाटन

एजेंसी

कैथल। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कैथल पुलिस लाईन में 18वें सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय का उद्घाटन किया। 19वां सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय जीन्द बनकर उद्घाटन के लिए तैयार है। नूंह, झज्जर, हिसार, रेवाड़ी व पलवल में पुस्तकालय निर्माणाधीन है। कैथल पुलिस लाईन में सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय के उद्घाटन समारोह में पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा कि किताबें बच्चों में गलत को गलत कहने की साहस का संस्कार पैदा करती हैं। उन्होंने हरियाणा राज्य के सभी जिलों की पुलिस लाईनों में संचालित डी.ए.वी. पुलिस पब्लिक स्कूलों के मध्य इंटर स्कूल प्रतियोगिताएं करवाने का प्रस्ताव रखा।इससे इंटर स्कूल प्रतियोगिताएं करवाने से बच्चों का रुझान खेलों की तरफ भी बढेगा। उन्होने कहा कि सभी सरकारी और निजी स्कूलों में चक्रव्यूह की स्थापना की जाए। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय एक विचार है और यह पुलिस परिवारों के कल्याणकारी जीवन का आधार है। कार्यक्रम के उपरांत पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ उन्होंने पुलिस परिसर में पौधारोपण भी किया। इस दौरान एडीजीपी डॉ. एम. रवि किरण,

आईजी एनफोर्समेंट कुलदीप यादव, एसपी आस्था मोदी, सभी डीएसपी व अन्य पुलिस अधिकारी-कर्मचारी तथा बच्चे व अन्य आमजन मौजूद रहे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक करनाल रेंज करनाल डॉ. एम. रवि किरण ने कहा कि किताबें हर आयु वर्ग के लोगों को सशक्त माध्यम से जीवन जीने की प्रेरणा देती है। उन्होने कहा कि यह पुस्तकालय आधुनिक ज्ञान, आस्था और संस्कृति का संगम है। उन्होने कहा कि पुस्तकालय में विविध विषयों की ऑनलाइन सैंकडों किताबें विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए उपलब्ध हैं। यह पुस्तकालय नागरिक और पुलिस समाज की नई पीढ़ी के लिए अध्ययन केन्द्र बनेगा। किताबों की यह दुनिया पुलिस नागरिक समाज के मध्य संवाद का मंच बन रहा है।

अधिकारी अपने आप को जनता का सेवक समझ कर करें लोगों की समस्याओं का समाधान : महीपाल ढ़ांडा

शिक्षा मंत्री ने बैठक में रखे गए कुल 15 परिवादों में से 9 का मौके पर ही समाधान किया तथा शेष के लिए संबंधित विभागों को गहनता से जांच के आदेश दिए।

(ज्योति दर्पण)

चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढ़ांडा ने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी जनता के सेवक हैं, वे अपने आप को जनता का सेवक समझकर ही उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान करें। यदि किसी आमजन के साथ कोई धोखाधड़ी या ज्यादती होती है तो पुलिस विभाग ठोस कार्रवाई करे, ताकि दोषी को सजा मिल सके।

उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी मामले में पीड़ित व्यक्ति के साथ न्याय न करने वाले और उसे परेशान करने वाले संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। शिक्षा मंत्री ढ़ांडा भिवानी के पंचायत भवन में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में परिवादों का निपटारा करने के दौरान अपना संदेश दे रहे थे। शिक्षा मंत्री ने बैठक में रखे गए कुल 15 परिवादों में से 9 का मौके पर ही समाधान

किया तथा शेष के लिए संबंधित विभागों को गहनता से जांच के आदेश दिए। शिक्षा मंत्री ने कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर प्रदेश में स्कूलों के आधारभूत ढ़ांचों में तेज गति से सुधार किया जा रहा है। जून के महीने में होने वाली छुट्टियों के दौरान शिक्षा विभाग और पंचायत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सभी सरकारी स्कूलों की छतों की सफाई व मरम्मत करवाएं ताकि स्कूलों की छत सही हो। उन्होंने कहा कि यह बड़ी खुशी की बात है कि प्रदेश में सरकारी स्कूलों का परिणाम प्राईवेट स्कूलों से बेहतर आया है। शिक्षा विभाग 9वीं से 12वीं तक की कक्षा के लिए एक ऐसा कौशल पूर्ण विषय तैयार करने पर जुटा हुआ है, जिससे 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद बच्चों को नौकरी की तरफ न भागना पड़े और वे स्वयं का कोई कार्य कर सकें। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश का पहला ऐसा प्रदेश है जिसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू को सबसे पहले लागू किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा जिलों के आला प्रशासनिक अधिकारियों को स्कूलों का निरीक्षण करने, बच्चों व शिक्षकों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानने के निर्देश दिए गए हैं।इ स अवसर पर भिवानी विधायक घनश्याम सर्राफ, बवानी खेड़ा से विधायक कपूर वाल्मीकी, डीसी महावीर कौशिक, पुलिस अधीक्षक मनबीर सिंह सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने गो-तस्कर पकड़ा, पुलिस को सौंपा

पलवल। पलवल में चांदहट थाना क्षेत्र के मुनीर गढ़ी गांव में ग्रामीणों ने एक गोतस्कर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी गोवंश को आई-10 कार में ले जा रहा था। पुलिस को सूचना मिलने पर हवलदार शमसुद्दीन अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां भीड़ ने एक व्यक्ति को पकड़ रखा था। कार में एक गाय मिली, जिसके पैर रस्सियों से बंधे हुए थे। मिली जानकारी के अनुसार पकड़े गए व्यक्ति की पहचान मोहरू का नंगला गांव के हम्मन पुत्र सुमेरा के रूप में हुई। आरोपी के शरीर पर चोटें लगी हुई थी। पूछताछ में वह गोवंश को ले जाने का कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। जांच में पता चला कि आरोपी गोवंश को उत्तर प्रदेश से हरियाणा ला रहा था। चांदहट थाना प्रभारी ने गुरूवार को जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर कार और गोवंश को अपने कब्जे में ले लिया। गोवंश को गोशाला भिजवा दिया गया है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पूर्व सीएम हुड्डा ने प्रदेश का नुकसान कर भाजपा की सरकार बनाने में दिया साथ : सुनेना चौटाला

एजेंसी

रोहतक। इंडियन नेशनल लोकदल के प्रदेश महिला प्रभारी सुनेना चौटाला ने कहा कि जजपा व कांग्रेस का प्रदेश में कोई जनाधार नहीं बचा है और ईडी के छापे के डर के मारे पूर्व सीएम भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने प्रदेश की जनता का नुकसान कर भाजपा की सरकार बनाने में साथ दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार से हर वर्ग पूरी तरह से परेशान है और प्रत्येक व्यक्ति की जुबान पर यही बात है कि पूर्व सीएम हुड्डा ने ईडी के छापे की डर के कारण ही भाजपा की सरकार बनवाई है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि अपराधियों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है और इसी के चलते प्रदेश में कानून व्यवस्था का पूरी तरह से जनाजा निकल चुका है। अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे है और प्रदेश की जनता भय के साय में जीने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष रहे नफे सिंह राठी की सरेआम गोलियां मारकर हत्या की गई, लेकिन मुख्य आरोपी आज भी खुलेआम घूम रहे है। इनेलो प्रदेश महिला प्रभारी सुनेना चौटाला पार्टी कार्यालय में कार्यकर्त्ताओं की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने कहा कि इनेलो ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जो लोगों की आवाज उठाती है और कार्यकर्त्ताओं को पूरा मान सम्मान दिया जा रहा है। हाल में कांग्रेस के विधायक अशोक अरोडा के साथ भाजपा पार्षद प्रतिनिधियों के द्वारा मारपीट करने के सवाल पर प्रतिक्रिया देते हुए सुनेना चौटाला ने कहा कि यह घटना निंदनीय है। कांग्रेस विधायक के साथ हुई घटना में कांग्रेस के सीनियर नेताओं ने कोई स्टैंड नहीं लिया, अगर वह इनेलो में होते तो पार्टी जनआंदोलन खड़ा कर देती। साथ ही इनेलो प्रदेश प्रभारी सुनेना चौटाला ने कहा कि भाजपा का एक ही लक्ष्य है कि क्षेत्रीय दलों को खत्म कर सिर्फ अपनी मनमानी कर सके और आज इसी के तहत भाजपा जातिवाद व धर्म के नाम पर लोगों को बांटने में लगी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है और केन्द्र के दबाव में मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी कठपुतली की तरह काम कर रहे है, जबकि आज जनता सरकार से पूरी तरह से परेशान है। इस अवसर पर इनेलो महिला प्रदेश अध्यक्ष तनुजा कश्यप ने कहा पंजाब द्वारा हरियाणा के हिस्से का जब पानी रोका गया तो भाजपा व कांग्रेस ने कोई प्रयास नहीं किया।

भारत अगले 30 वर्ष तक सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत अगले 30 वर्षों तक दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। राजधानी में उद्योग मंडल सीआईआई के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2025 में भारत की आर्थिक प्रगति पर चर्चा करते हुए श्री गोयल ने कहा कि देश ने छह-सात प्रतिशत की निरंतर वृद्धि को बनाए रखा है और स्थिर मूल्यों पर इसे आठ प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय उथल-पुथल के बीच भी, हम बेहतर प्रदर्शन करने वाले उभरते बाजारों में से हैं। आज, भारत के पास दुनिया का चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है, जो लगभग 690 अरब डॉलर है। पिछले तीन महीनों से हमारी मुद्रास्फीति चार प्रतिशत से नीचे बनी हुई है। रिजर्व बैंक ने तरलता और मुद्रा प्रबंधन के बीच संतुलन बनाने का सराहनीय काम किया है। श्री गोयल ने भारत को निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बताते हुए कहा पिछले 20-25 वर्षों में, भारतीय कंपनियों ने साल दर साल लगभग 20 प्रतिशत का प्रतिफल दिया है, जिससे भारत एक आकर्षक निवेश गंतव्य बन गया है। एफडीआई प्रवाह लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहा है। उन्होंने कहा,हम अंतरराष्ट्रीय व्यापार संबंधों के माध्यम से विकास पथ पर वापस आ गए हैं।उन्होंने विभिन्न मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर प्रगति का हवाला दिया, जिसमें यूएई, ऑस्ट्रेलिया, यूके, चार ईएफटीए देश (आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विटजरलैंड) और अमेरिका के साथ चल रहे द्विपक्षीय व्यापार समझौते की वार्ता शामिल हैं।

मध्य आय के जाल से बचने के लिए विश्वास, विनियमन और पारस्परिकता महत्वपूर्ण हैं :नागेश्वरन

नयी दिल्ली। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने आज कहा कि विश्वास, विनियमन और पारस्परिकता मध्य आय के जाल से बचने और दीर्घकालिक आर्थिक समृद्धि प्राप्त करने की नींव हैं। श्री नागेश्वरन ने यहां आयोजित सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में प्रतिस्पर्धी होनाः भारत के लिए नीतिगत अनिवार्यताएँ विषय पर सत्र को संबोधित करते हुए भारत की आर्थिक वृद्धि को प्रभावित करने वाली कई अनूठी चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्रम-समृद्ध अर्थव्यवस्था वैश्विक पूंजी-गहन विकास मॉडल के विपरीत है, जो विनिर्माण और औद्योगीकरण को जटिल बनाती है। ऊर्जा परिवर्तन के लिए पर्याप्त निवेश की आवश्यकता होती है, जो पूंजी-आधारित विकास के लिए बाधाएँ खड़ी करता है। घरेलू आय और बचत में स्थिर वृद्धि महत्वपूर्ण है, लेकिन एआई और रोबोटिक्स नौकरी की स्थिरता को खतरे में डालते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की रिश्तेदारी आधारित सामाजिक संरचना व्यवसाय के विस्तार और अनुबंध प्रवर्तन में बाधा डालती है, जिससे आर्थिक प्रगति जटिल हो जाती है। सीईए ने सतत विकास और आर्थिक वृद्धि के लिए भारत की शीर्ष नीति प्राथमिकताओं पर जोर दिया जिसमें प्रमुख क्षेत्रों में ऊर्जा क्षेत्र सुधारों के माध्यम से ऊर्जा संक्रमण के साथ ऊर्जा सामर्थ्य और सुरक्षा को संतुलित करना।

जियो ने अप्रैल में जोड़े रिकॉर्ड 26.4 लाख नए मोबाइल ग्राहक, फिक्स्ड ब्रॉडबैंड में भी बना दबदबा

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी रिलायंस जियो ने एक बार फिर दूरसंचार क्षेत्र में अपना दबदबा कायम रखते हुए इस वर्ष अप्रैल में 26 लाख 44 हजार से अधिक नए मोबाइल ग्राहक जोड़े, जिससे उसके कुल ग्राहकों की संख्या 47.24 करोड़ तक पहुंच गई। दूरसंचार नियामक ट्राई की जारी अप्रैल 2025 के आंकड़ों के अनुसार, जियो ने इस माह 26 लाख 44 हजार से अधिक नए मोबाइल ग्राहक जोड़े, जिससे उसके कुल ग्राहकों की संख्या 47.24 करोड़ तक पहुंच गई। जियो भारत की सबसे बड़ी मोबाइल सेवा प्रदाता बनी हुई है, जिसके पास कुल 40.76 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। वहीं दूसरी ओर, एयरटेल ने अप्रैल में केवल 1.7 लाख ग्राहक जोड़े और अब उसके कुल ग्राहक 39 करोड़ हैं। इसी अवधि वोडाफोन-आइडिया को सबसे बड़ा झटका लगा है, जिसने 6.5 लाख से अधिक ग्राहक गंवाए हैं, जिससे उसका ग्राहक आधार 20.47 करोड़ रह गया है। देशभर में कुल मोबाइल कनेक्शनों की संख्या अब 115.89 करोड़ हो गई है।

पंप एंड डंप मामले में फंसे अरशद वारसी, सेबी ने स्टॉक मार्केट में एंट्री पर 1 साल के लिए लगाया बैन

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी, उनकी पत्नी मारिया गोरेट और उनके भाई पर पंप एंड डंप मामले में कार्रवाई करते हुए उनपर 1 साल के लिए सिक्योरिटी मार्केट में कारोबार करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। मार्केट रेगुलेटर ने इन लोगों पर पांच-पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इसके साथ ही कुल मिलाकर इनसे 1.05 करोड़ रुपये की गलत तरीके से की गई काली कमाई को जब्त करने का भी आदेश दिया है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने ये कार्रवाई साधना ब्रॉडकास्ट लिमिटेड (एसबीएल) के शेयरों के भाव को गलत तरीके अपना कर बढ़ाने और फिर उन्हें ऊंचे दाम पर बेचने के मामले (पंप एंड डंप) में की है।

एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष से मिलीं वित्त मंत्री, ग्रामीण समृद्धि पर समर्थन मांगा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसातो कांडा से मुलाकात की। उन्होंने इस मुलाकात के दौरान रोजगार सृजन सहित एकीकृत ग्रामीण समृद्धि पहल के लिए अधिक समर्थन मांगा। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट में बताया है कि वित्त मंत्री ने एडीबी अध्यक्ष मसातो कांडा से मुलाकात की। इस दौरान हुई चर्चा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत विजन के अनुरूप भारत-एडीबी साझेदारी को आकार देने पर केंद्रित थी। चर्चा के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत के 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' दृष्टिकोण के साथ प्रणालीगत परिवर्तन लाने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 'बजट प्लस' और 'वित्त प्लस'

दृष्टिकोण पर जोर दिया। केंद्रीय वित्त मंत्री ने चर्चा के दौरान कहा कि 'अंत्योदय' सिद्धांत का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है। उन्होंने एडीबी से एकीकृत ग्रामीण समृद्धि उपायों का समर्थन करने को कहा। सीतारमण ने विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप प्रणालीगत शहरी शासन सुधार, पारगमन उन्मुख विकास, नगर निगम वित्त सुदृढ़ीकरण को प्राप्त करने के लिए बुनियादी ढांचे से आगे बढ़ने पर भी जोर दिया। एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष मसातो कांडा ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के भारत के दृष्टिकोण को समर्थन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने भारत के विकास एजेंडे के लिए एडीबी के निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया, जिसमें बैंक के अंतरराष्?ट्रीय अनुभव का लाभ उठाना और सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना शामिल है। इसके अलावा उन्होंने कौशल विकास, बुनियादी ढांचे, खाद्य प्रणालियों के परिवर्तन और निजी पूंजी का लाभ उठाने सहित भारत के लिए निरंतर समर्थन की प्रतिबद्धता जताई।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और नेशनल सेमीकंडक्टर मिशन सही दिशा में उठाए गए कदम : सुनील मित्तल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने उद्योग जगत से बड़े लक्ष्यों की आकांक्षा रखने का आग्रह किया। साथ ही, उन्होंने देश के विकास में सभी हितधारकों के साथ विश्वास स्थापित करने की बात कही। राष्ट्रीय राजधानी में सीआईआई 'एनुअल बिजनेस समिट' में उन्होंने देश की क्षमता का निर्माण करने के लिए चार प्रमुख स्तंभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने 5जी डिप्लॉयमेंट में भारत की सफलता का उदाहरण भी दिया। मित्तल ने कहा कि राष्ट्र को जनसांख्यिकीय लाभांश को पहचानना चाहिए। उन्होंने कहा, 'भारत का युवा और ऊर्जावान वर्कफोर्स विकसित दुनिया के लिए एक परिसंपत्ति हो सकता है, लेकिन उद्योग और सरकार को इस टैलेंट पूल को भविष्य में नौकरी के लिए तैयार करने की दिशा में काम करना चाहिए। सुनील मित्तल ने कहा, भारत में वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) का तेजी से विकास इसका एक स्पष्ट संकेत है। रिसर्च और डेवलपमेंट फ्रंट पर देश को इनोवेशन के साथ-साथ डीप साइंटिफिक रिसर्च में अपने निवेश को बढ़ाने की आवश्यकता है तथा उद्योग को इसमें अग्रणी भूमिका निभाने की जरूरत है। मित्तल ने कहा कि आरएंडडी में सार्वजनिक-निजी भागीदारी भारत में मल्टीप्लायर इफेक्ट पैदा कर रही है। उन्होंने कहा, हमें उद्देश्य-संचालित उत्पाद और सेवाएं बनाने तथा अधिक वैल्यू एडिशन के साथ निर्यात पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। अगले 10 वर्षों में, सही निवेश के साथ, हम एक बड़ा परिवर्तन देख सकते हैं, विशेष रूप से सेमीकंडक्टर में, जो रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं।

केंद्र ने सीएसएस और सीएस के मूल्यांकन और अनुमोदन की 5 वर्षीय प्रक्रिया शुरू की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) और केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं (सीएस) के मूल्यांकन और अनुमोदन की पांच साल की प्रक्रिया शुरू की है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के सचिवों के साथ एक आधे दिन की कार्यशाला आयोजित की और अगले पांच वर्षों में जारी रखने के लिए 'केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) और केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं (सीएस) के मूल्यांकन और अनुमोदन' के लिए एक विस्तृत अभ्यास शुरू किया। नया 5 वर्षीय चक्र 1 अप्रैल, 2026 से शुरू होगा और 16वें वित्त आयोग (एफसी) चक्र के साथ संरेखित है। मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यशाला की अध्यक्षता कैबिनेट सचिव डॉ. टी.वी. सोमनाथन ने की। कार्यशाला में वित्त सचिव और आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ, व्यय विभाग के सचिव वुमलुनमंग वुलनाम और भारत सरकार के

विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के सचिव शामिल हुए। विभिन्न मंत्रालयों के वित्तीय सलाहकार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यशाला में मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि सरकार की घोषित नीति के अनुसार नीति आयोग में विकास निगरानी मूल्यांकन संगठन (डीएमईओ) सीएसएस का मूल्यांकन कर रहा है, जबकि सीएस का मूल्यांकन संबंधित मंत्रालयों द्वारा चयनित तीसरे पक्ष की एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है।

रक्षा क्षेत्र के तीन डीपीएसयू को मिलेगा मिनी रत्न का दर्जा, रक्षा मंत्री ने दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआईएल), आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (एवीएनएल) और इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड (आईओएल) को 'मिनी रत्न' का दर्जा दिया जाएगा। तीन साल की अवधि में सरकारी संगठन से लाभ कमाने वाली कॉर्पोरेट इकाई में तब्दील होने के लिए इन डीपीएसयू को रक्षा मंत्री ने श्रेणी-ढ्ढ का दर्जा देने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने टर्नओवर बढ़ाने, स्वदेशीकरण में सहयोग करने और अन्य मापदंडों को पूरा करने के लिए तीनों कंपनियों के प्रबंधन की भूमिका को सराहा। रक्षा मंत्रालय के अनुसार म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड ने अपनी स्थापना के बाद से ही कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं, जिसमें 2021-22 में 3314 करोड़ रुपये से लेकर वित्त वर्ष 2024-25 में 8214 करोड़ रुपये (अनंतिम) तक की बिक्री में 200 फीसदी से अधिक की शानदार वृद्धि शामिल है। निर्यात के मोर्चे पर एमआईएल ने वित्त वर्ष 2021-22 में 22.55

करोड़ रुपये से लेकर वित्त वर्ष 2024-25 में 3081 करोड़ रुपये तक की वृद्धि हासिल की है। एमआईएल के प्रमुख उत्पादों में छोटे, मध्यम और उच्च कैलिबर के गोला-बारूद, मोर्टार, रॉकेट, हैंड ग्रेनेड आदि शामिल हैं। बख्तरबंद वाहन निगम लिमिटेड ने 2021-22 में 2569.26 करोड़ रुपये से लेकर वित्त वर्ष 2024-25 में 4946 करोड़ रुपये (अनंतिम) तक की बिक्री में लगभग 190 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। एवीएनएल ने सभी 3 प्लेटफार्मों यानी टी-72, टी-90 और बीएमपी-ढ्ढ के लिए इंजनों का 100 फीसदी स्वदेशीकरण भी हासिल किया है। इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड ने पिछले तीन वर्षों में अपनी बिक्री को 2021-22 में 562.12 करोड़ रुपये से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2024-25 में 1541.38 करोड़ रुपये (अनंतिम) कर दिया है, जो 250 फीसदी से अधिक की वृद्धि है। मंत्रालय के अनुसार मिनी रत्न का दर्जा दिए जाने से ये कंपनियां रक्षा उत्पादन और निर्यात में तेजी से विकास और नई ऊंचाइयों को हासिल करने में सक्षम होंगी।

आरबीआई के पास मौजूद सोने का मूल्य 57.12 फीसदी बढ़कर 4.32 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की परिसंपत्ति के रूप में रखे गए सोने (स्वर्ण जमा सहित) का मूल्य 31 मार्च, 2025 तक 57.12 फीसदी बढ़कर 4,31,624.8 करोड़ रुपये हो गया है। इसकी वजह सोने की मात्रा में 54.13 टन की वृद्धि और इसकी कीमतों में बढ़ोतरी रही है। बैंकिंग विभाग की परिसंपत्ति के रूप में रखे गए सोने का मूल्य 31 मार्च, 2024 तक 2,74,714.27 करोड़ रुपये था। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट में बताया कि 31 मार्च, 2025 तक केंद्रीय बैंक के पास कुल सोना 879.58 टन था, जबकि 31 मार्च, 2024 तक यह 822.10

टन था। यह इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में सोने की मात्रा में 57.48 टन की वृद्धि को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 31 मार्च, 2025 तक 879.58 टन में से 311.38 टन सोना निर्गम विभाग की परिसंपत्ति के रूप में रखा गया, जबकि 31 मार्च, 2024 तक निर्गम विभाग के पास 308.03 टन सोना रखा गया था। रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग विभाग की परिसंपत्ति के रूप में 31 मार्च, 2025 तक शेष 568.20 टन सोना रखा गया, जबकि 31 मार्च, 2024 तक यह 514.07 टन था। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट कहती है कि बैंकिंग विभाग की परिसंपत्ति के रूप में रखे गए सोने (स्वर्ण जमा सहित) का मूल्य 57.12 फीसदी बढ़कर 31 मार्च, 2025 तक 4,31,624.80 करोड़ रुपये हो गया। यह 31 मार्च, 2024 तक 2,74,714.27 करोड़ रुपये था। रिपोर्ट में कहा गया कि सोने की मात्रा में 54.13 टन की वृद्धिज्सोने की कीमत में तेजी और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के मूल्यह्रास की वजह से हुई है। इसके अलावा केंद्रीय बैंक ने जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि वित्त वर्ष 2024-25 में बैंक नोटों की छपाई के खर्च में एक-चौथाई वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में बैंक नोट की छपाई पर होने वाला खर्च सालाना आधार पर करीब 25 फीसदी बढ़कर 6,372.8 करोड़ रुपये हो गया है।

विकसित भारत के लिए देश में बढ़ानी होगी श्रम उत्पादकता : सुमन बेरी

एजेंसी

नई दिल्ली।नीति आयोग के वाइस चेयरमैन सुमन बेरी ने कहा कि श्रम उत्पादकता में निरंतर वृद्धि विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए जरूरी है। राष्ट्रीय राजधानी में सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट में अपने संबोधन में बेरी ने कहा कि श्रम उत्पादकता बढ़ने से अप्रयुक्त क्षमता का लाभ उठाकर और श्रम गतिविधि को बढ़ाकर उच्च मूल्य संवर्धन होगा। इससे आय बढ़ाने, देश के जीवन स्तर को ऊपर उठाने और बेजोड़ जनसांख्यिकी की क्षमता का फायदा उठाने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि भारत में श्रम उत्पादकता में अपेक्षित गति से सुधार नहीं हो रहा है। क्रय शक्ति समता में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार अमेरिका के आकार का आधा है, जबकि श्रम शक्ति का आकार अमेरिका के आकार का तीन गुना है।हमारा उद्देश्य अर्थव्यवस्था के विकास को उच्च स्तर पर ले जाने के लिए श्रम शक्ति का लाभ उठाना और बेहतर रोजगार पैदा करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्पादकता में ठहराव की समस्या का सामना यूके और कनाडा जैसे देशों को करना पड़ रहा है, जबकि भारत में उत्पादकता बढ़ रही है, हालांकि, यह चीन और आसियान की तुलना में कम है। बेरी ने कहा, भारत को प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए आत्मनिर्भरता और वैश्विक जुड़ाव का मिश्रण अपनाना चाहिए। हमें जर्मनी जैसे देशों की तरह भारत के लघु और मध्यम उद्योगों पर अधिक ध्यान देना चाहिए। भारतीय उद्योगों ने 1991 के सुधारों को सफलतापूर्वक पार कर लिया है और दुनिया में सर्वश्रेष्ठ उद्योगों के साथ प्रभावी रूप से प्रतिस्पर्धा करने का आत्मविश्वास हासिल कर लिया है।

अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में दीव एक राष्ट्रीय उदाहरण : प्रल्हाद जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि दीव अक्षय ऊर्जा अपनाने में एक राष्ट्रीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यहां दिन के समय बिजली की पूरी मांग सौर ऊर्जा से पूरी की जाती है। केंद्रीय मंत्री ने दीव में सौर ऊर्जा प्रगति की समीक्षा की और पीएम-सूर्य घर योजना के तेजी से कार्यान्वयन का आह्वान किया। प्रल्हाद जोशी ने दीव का दौरा किया और सौर ऊर्जा को अपनाने में इसकी महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने 'एम-सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना' के कार्यान्वयन का आकलन किया। केंद्रीय मंत्री ने दीव की इस असाधारण उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह भारत का पहला जिला है, जिसने बिजली की अपनी पूरी मांग सौर ऊर्जा से पूरी की और इसने 11.88 मेगावाट (9 मेगावाट जमीन पर स्थापित +2.88 मेगावाट छत पर) क्षमता हासिल की है।

केंद्रीय मंत्री ने दीव में प्रमुख सौर ऊर्जा सुविधाओं का दौरा किया, जिसमें फुदम स्थित 9 मेगावाट का सौर पार्क भी शामिल है। सौर पार्क दीव के सतत परिवर्तन का प्रतीक है और क्षेत्र की स्वच्छ ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जोशी ने कहा कि फुदम सौर पार्क ने पारेषण और वितरण (टीएंडडी) घाटे को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और बिजली दरों में संशोधन को सक्षम बनाया है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए उन्हें अधिक किफायती बनाया जा सके। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके सकारात?मक दृष्टिकोण और दूरदर्शिता ने इस स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अक्षय ऊर्जा के दीर्घकालिक प्रभाव के बारे में चर्चा करते हुए प्रल्हाद जोशी ने कहा कि पिछले दशक में दीव में अक्षय ऊर्जा के बुनियादी ढांचे में किए गए पूंजी निवेश की भरपाई सौर ऊर्जा की आपूर्ति और बिक्री के जरिए पहले ही हो चुकी है। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश के निवासियों के लिए इसके लाभों को अधिकतम करने और कुल घरेलू संपूर्णता को प्राप्त करने के लिए पीएम-सूर्य घर योजना को और भी तेज एवं अधिक प्रभावी कार्यान्वयन का आह्वान किया। जोशी ने कहा कि इस यात्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के प्रत्येक भाग में स्वच्छ ऊर्जा के इस्तेमाल में तेजी लाने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

केंद्र ने तय की गेहूं की स्टॉक सीमा, व्यापारियों को 15 दिन में घटाना होगा स्टॉक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जमाखोरी रोकने और बाजार में कीमत को स्थिर रखने के लिए थोक व्यापारियों और खुदरा विक्रेताओं के लिए गेहूं की स्टॉक सीमा लागू कर दी है। थोक व्यापारी, खुदरा विक्रेताओं, व्यापारियों, स्टॉकिस्टों और प्रोसेसरों पर गेहूं की स्टॉक सीमा 31 मार्च, 2026 तक लागू रहेगी। खाद्य मंत्रालय की ओर से जारी निर्दिष्ट खाद्य पदार्थों पर लाइसेंसिंग आवश्यकताओं, स्टॉक सीमाओं और आवागमन प्रतिबंधों को हटाने (संशोधन) आदेश 27 मई को जारी किया गया है, जो सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 31 मार्च 2026 तक लागू रहेगा। इस आदेश के तहत प्रत्येक श्रेणी के लिए विशिष्ट मात्रा निर्धारित की गई है, जबकि उन्हें अगले 15 दिनों के भीतर निर्धारित सीमा से अधिक मात्रा में गेहूं का निपटान करने के लिए कहा गया है। आदेश के मुताबिक अब थोक

व्यापारी 3 हजार मीट्रिक टन गेहूं रख सकते हैं, जबकि खुदरा विक्रेता के लिए स्टॉक की सीमा 10 मीट्रिक टन रखी गई है। मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक स्टॉक की जानकारी सभी गेहूं भंडारण संस्थाओं को प्रत्येक शुक्रवार को गेहूं स्टॉक पोर्टल https://evegoils.nic.in/wsp/log in पर देना है, जिसे समय के साथ https://foodstock.dfpd.gov.in पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। गेहूं की स्टॉक की स्थिति घोषित करना आवश्यक है। यदि कोई भी संस्था पोर्टल पर पंजीकृत नहीं पाई गई या स्टॉक सीमा का उल्लंघन करती पाई गई, तो उसके विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 6 और 7 के तहत उचित दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

भारतीयों की छुट्टियों का ट्रेंड बदलाः अनुभवात्मक यात्रा और ज्यादा खर्च की ओर रुझान

एजेंसी

नई दिल्ली। व्यक्तिगत विकास, पारिवारिक जुड़ाव और सांस्कृतिक अनुभव का साधन बन चुकी भारतीयों की यात्रा का ट्रेंड लगातार बदल रहा है और पर्यटक अब गहराई से अनुभव करने के इरादे से यात्रा कर रहे हैं। थॉमस कुक (इंडिया) लिमटेड और उसकी ग्रुप कंपनी एसओटीसी ट्रैवल की जारी इंडिया हॉलिडे रिपोर्ट 2025 से स्पष्ट होता है कि भारतीय यात्री अब सिर्फ़ घूमने नहीं, बल्कि गहराई से अनुभव करने के इरादे से यात्रा कर रहे हैं। 2500 से अधिक उत्तरदाताओं पर आधारित इस सर्वे में भारतीयों की बदलती यात्रा आदतों, प्राथमिकताओं और खर्च की प्रवृत्तियों की गहन झलक मिलती है। रिपोर्ट इस ओर इशारा करती है कि अब यात्रा भारतीय जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले 85 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि वे वर्ष 2025 में अपनी छुट्टियों की आवृत्ति बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। वहीं, 84 प्रतिशत लोग अपने यात्रा बजट को 20 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक बढ़ाने का इरादा रखते हैं। दिलचस्प बात यह है कि अब छोटी छुट्टियों के साथ-साथ लंबी छुट्टियों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। 54 प्रतिशत उत्तरदाता 5-10 दिनों की लंबी छुट्टियों की योजना बना रहे हैं।

वित्त वर्ष 2026 में भारत के लिए रियल जीडीपी वृद्धि 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान : आरबीआई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के लिए रियल जीडीपी वृद्धि 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें जोखिम समान रूप से संतुलित हैं। आरबीआई ने अपनी '2024-2025 वार्षिक रिपोर्ट' में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपने मजबूत आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों, वित्तीय क्षेत्र और सस्टेनेबल विकास के प्रति प्रतिबद्धता के साथ वित्त वर्ष 2026 में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। वैश्विक वित्तीय बाजार में अस्थिरता, भू-राजनीतिक और व्यापार तनाव, सप्लाई चेन व्यवधान, जलवायु से जुड़ी अनिश्चितताओं के बावजूद यह वृद्धि बनी रहेगी। सभी कारक 'ग्रोथ आउटलुक' के लिए डाउनसाइड और 'मुद्रास्फीति आउटलुक' के लिए ऊपर की ओर जोखिम पैदा करते हैं।

भारत का आउटलुक 2025-2026 के लिए आशाजनक बना हुआ है। इस आउटलुक को उपभोक्ता मांग में सुधार, बैंकों और कॉरपोरेट्स की हेल्दी बैलेंस शीट, आसान वित्तीय स्थिति, सेवा क्षेत्र की निरंतर मजबूती और उपभोक्ता-व्यावसायिक आशावाद से मजबूती मिलेगी। साथ ही राजकोषीय कंसोलिडेशन के मार्ग पर चलते हुए पूंजीगत व्यय पर सरकार का निरंतर जोर भी इस मजबूत आउटलुक को समर्थन देगा। आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है,'सामान्य से बेहतर दक्षिण-पश्चिम मानसून और

उत्पादकता बढ़ाने वाली कई सरकारी नीतियों की वजह से 2025-26 में कृषि क्षेत्र के लिए संभावनाएं अनुकूल दिख रही हैं। साथ ही केंद्रीय बजट 2025-26 में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई नई पहलों की घोषणा की गई है।' इसके अलावा, घरेलू मांग में सुधार, उपयोग की उच्च क्षमता, कॉरपोरेट-बैंकों की हेल्दी बैलेंस शीट और उपभोक्ता-व्यावसायिक आशावाद से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को 2025-26 में और गति मिलने की उम्मीद है। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार का ध्यान पीएलआई योजना और नेशनल मैन्युफैक्चरिंग मिशन घोषणा के साथ मैन्युफैक्चरिंग के बेस को बढ़ाने पर है, जिसे 'मेक इन इंडिया' पहल से और अधिक बढ़ावा मिलेगा। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर को लेकर आशावाद, आरबीआई के फॉरवर्ड लुकिंग सर्वे में भी दिखाई देता है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने भू-राजनीतिक तनावों के बीच वित्त वर्ष 2025 में मजबूत बुनियादों और सक्रिय नीति उपायों के साथ बेहतर प्रदर्शन किया था। आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है, 'कई वैश्विक चुनौतियों के बीच भारतीय वित्तीय बाजारों ने मजबूत और व्यवस्थित चाल दर्ज की है।

केंद्र सरकार ने अपने राजकोषीय कंसोलिडेशन प्रयासों को बनाए रखा, जिसे कर राजस्व में उछाल और विवेकपूर्ण व्यय प्रबंधन से सपोर्ट मिला। वहीं, एक्सटर्नल फ्रंट पर, मजबूत सेवा निर्यात और स्थिर प्रेषण प्रवाह ने ट्रेड डेफिसिट की भरपाई की, जिससे करंट अकाउंट डेफिसिट एक स्थायी स्तर पर रहा।'

बच्चे को लेकर ये 7 तरह के डर पेरेंट्स को करते हैं हमेशा परेशान, आप भी ऐसा मानते हैं?

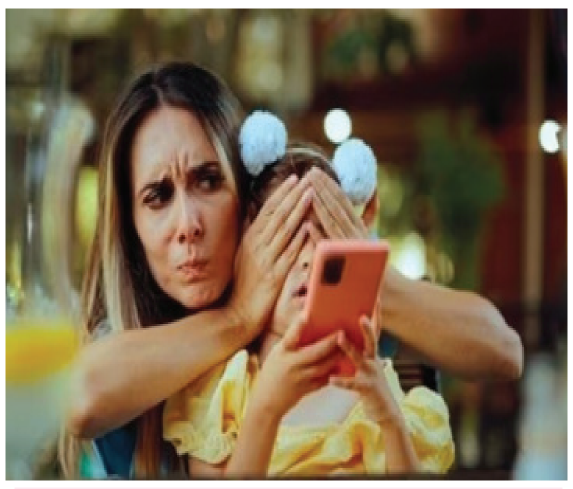

अपने बच्चे के भविष्य, सुरक्षा और सफल जीवन से जुड़ी कुछ चिंताएं माता-पिता को जीवन भर परेशान करती रहती हैं। हालांकि ये सभी चिंताएं बच्चों की उम्र, परिवेश, सामाजिक परिस्थितियों और समय के आधार पर समय-समय पर बदलती रहती हैं।

अपने बच्चे को आत्मविश्वास से भरपूर सफल जीवन देने का सपना सभी पेरेंट्स बच्चे के जन्म लेते ही देखने लगते हैं। हालांकि उनके इस सपने के साथ कुछ आशंकाएं भी साथ में जन्म लेती हैं। बता दें, अपने बच्चे के भविष्य, सुरक्षा और सफल जीवन से जुड़ी कुछ चिंताएं माता-पिता को जीवन भर परेशान करती रहती हैं। हालांकि ये सभी चिंताएं बच्चों की उम्र, परिवेश, सामाजिक परिस्थितियों और समय के आधार पर समय-समय पर बदलती रहती हैं। बावजूद इसके, अपने बच्चों को लेकर माता-पिता के मन में 7 कॉमन डर हमेशा बने रहते हैं। आइए जानते हैं उनके बारे में।

माता-पिता को अपने बच्चों को लेकर मन में रहते हैं ये 7 तरह के डर

सुरक्षा की चिंता

बच्चों की शारीरिक सुरक्षा को लेकर माता-पिता अकसर चिंतित रहते हैं, जैसे सड़क दुर्घटना, अपहरण, या घर के बाहर होने वाली अनहोनी। उदाहरण के लिए क्या मेरा बच्चा स्कूल जाते समय सुरक्षित है? या क्या बच्चे अकेले खेलते समय सुरक्षित रहेंगे?

सेहत से जुड़ी चिंताएं

माता-पिता को अपने बच्चों की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की चिंता हमेशा बनी रहती है, जैसे उनके खान-पान की आदतें, मोटापा, डायबिटीज, या मानसिक तनाव। उदाहरण के लिए क्या मेरा बच्चा पर्याप्त पौष्टिक भोजन ले रहा है? या क्या वो कहीं किसी डिप्रेशन या चिंता से तो नहीं जूझ रहा है?

शिक्षा और भविष्य की चिंता

यह डर ज्यादातर सभी पेरेंट्स को बना रहता है कि उनका बच्चा कहीं पढ़ाई में पीछे ना रह जाए या भविष्य में अच्छी नौकरी कर पाएगा या नहीं। उदाहरण के लिए क्या वे प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होंगे? या क्या वो अपने करियर में स्थिरता पा सकेंगे?

सोशल मीडिया और तकनीक का प्रभाव

सोशल मीडिया और बढ़ते स्क्रीन टाइम की वजह से माता-पिता को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, साइबरबुलिंग, या अनुचित व्यक्ति के संपर्क में आने की चिंता भी लगातार बनी रहती है। उदाहरण के लिए %क्या मेरा बच्चा ऑनलाइन सुरक्षित है? या क्या वह सोशल मीडिया के दबाव को संभाल पाएगा?

बुरी संगत का डर

माता-पिता को यह डर भी हमेशा बना रहता है कि उनका बच्चा कहीं स्कूल, कॉलेज या ऑफिस में गलत दोस्तों की संगत में पड़कर नशे, धूम्रपान या गलत व्यवहार की तरफ ना बढ़ जाए। उदाहरण से समझे तो क्या उनके दोस्त उनके लिए सही हैं? या क्या वे गलत रास्ते पर जा सकते हैं?

मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक स्थिरता

बच्चों का तनाव, चिंता, या आत्मविश्वास की कमी माता-पिता के लिए चिंता का विषय होती है। उदाहरण के लिए क्या मेरा बच्चा अपनी भावनाओं को ठीक से व्यक्त कर पा रहा है? या क्या वह खुशी और आत्मविश्वास से भरा हुआ हैं?

बुलिंग का डर

स्कूल या सामाजिक परिवेश में बच्चों के साथ होने वाली बदमाशी या तंग करने की घटनाएं माता-पिता को परेशान करती हैं।

घर-घर के खेल में असुरक्षित घरवाले

पहले जब सेना के काम का श्रेय सरकारें नहीं लेती थीं, तो किसी सैन्य अभियान के बारे में जानकारी आधिकारिक सूत्रों के जरिए अखबारों, रेडियो, टेलीविजन आदि के जरिए जनता को मिलती थी और जनता को हमेशा से अपनी सेना पर गर्व रहा। याद नहीं पड़ता कि कभी किसी सैन्य अभियान पर जनता ने नकारात्मक प्रतिक्रिया दी हो। लेकिन अब जबकि सरकार से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने युद्धविराम का ऐलान कर दियाजब नेतृत्व स्वयं पथ विचलित, भटका हुआ, और निजी स्वार्थों के चंगुल में फंसा होता है, तब देश कितनी अनावश्यक उलझनों का शिकार होता है, मौजूदा दौर इसकी गवाही दे रहा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के असली दोषी कहां हैं, इसका कुछ पता नहीं है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर से देश में तो मीडिया ने यह सवाल नहीं किया, लेकिन विदेश में जब उनसे इस बारे में पूछा गया तो उनका जवाब था हमने उनकी पहचान कर ली है। अब इसके आगे क्या कार्रवाई सरकार की तरफ से हो रही है, यह गोपनीय ही है और देश फिलहाल यही जान पाया है कि आतंकियों की शिनाख्त कर ली गई है। ये आतंकी पहलगाम तक पहुंचे कैसे, हाथ में बंदूक लेकर जब वो पर्यटकों से भरी बैसरन घाटी में जा रहे थे, तो किसी सुरक्षा एजेंसी की निगाह में कैसे नहीं आए, ये अबूझ पहेली बनी हुई है। ठीक उसी तरह जैसे पुलवामा में विस्फोटकों से लदी कार सैन्य वाहन के पास कैसे पहुंची।वैसे तो जम्मू-कश्मीर में चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा और सैन्य व्यवस्था रहती है, लेकिन कम से कम इन दो बड़ी घटनाओं के वक्त यह व्यवस्था किस खोल में छिपी थी, इसके जवाब सरकार से लगातार मांगे जा रहे हैं और सरकार चुप है। अलबत्ता प्रधानमंत्री मोदी की रैलियों और सभाओं का सिलसिला जारी है, जहां वे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर तमाम दावे कर रहे हैं। अपने ऊपर पुष्पवर्षा तक करवा ली, मानो वही पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को खत्म करने सीमा पार कर गए थे। इधर भाजपा ने अब एक नया कार्यक्रम शुरु करने का फैसला लिया है, जिसमें घर-घर सिंदूर भाजपा पहुंचाएगी। घर-घर शब्द विन्यास शायद नरेन्द्र मोदी को काफी पसंद है। पहले हर-हर मोदी, घर-घर मोदी का शोर किया, फिर घर-घर नल-जल योजना बनाई, इसके बाद हर घर तिरंगा अभियान चला, अब घर-घर सिंदूर खेला शुरु हो गया है।इस घर-घर के चक्कर में असल में घर में, घरवालों पर क्या बीत रही है, इसका कोई अंदाज सरकार को नहीं है और शायद वह लगाना भी नहीं चाहती। उसकी मंशा किसी भी घटना से राजनैतिक लाभ लेने की बन चुकी है। सैन्य अभियान हो या आतंकी हमला, हर घटना आखिर में भाजपा के लिए वोट जुगाड़ करने का माध्यम बन जाए, बस इतना ही सरोकार नजर आता है। यही कारण है कि समाज में भयंकर अनिश्चितता पसर गई है और सोशल मीडिया के जरिए इसे और बढ़ाया जा रहा है।पहले जब सेना के काम का श्रेय सरकारें नहीं लेती थीं, तो किसी सैन्य अभियान के बारे में जानकारी आधिकारिक सूत्रों के जरिए अखबारों, रेडियो, टेलीविजन आदि के जरिए जनता को मिलती थी और जनता को हमेशा से अपनी सेना पर गर्व रहा। याद नहीं पड़ता कि कभी किसी सैन्य अभियान पर जनता ने नकारात्मक प्रतिक्रिया दी हो।लेकिन अब जबकि सरकार से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने युद्धविराम का ऐलान कर दिया, जब बार-बार सेना का पक्ष रखने के लिए विदेश मंत्रालय और सेना की तरफ से अधिकारियों को बयान देने सामने आना पड़ा, जब खुद प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर या युद्धविराम के बाद फौरन राष्ट्र को संबोधित न कर, अपनी सुविधा के मुताबिक देश को संबोधित किया, और उसके बाद लगातार अपने अन्य कार्यक्रमों में ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय लेना शुरु कर दिया। भाजपा और उसके समर्थकों के सोशल मीडिया हैंडल पर जब पिछली सरकारों की आलोचना शुरु हो गई, तो फिर देश में असमंजस और बढ़ गया। बेहतर होता कि तीनों सेनाओं की मुखिया होने के नाते राष्ट्रपति मुर्मू खुद राष्ट्र को एक बार संबोधित करती और फिर इस मसले पर बाकी किसी मंच से चर्चा न होती और देश की सुरक्षा में लगी एजेंसियों, सेनाओं को उनके काम करने दिया जाता तो फिलहाल जो उलझन भरा माहौल बना है, उससे बचा जा सकता था। लेकिन भाजपा ने ऐसा होने नहीं दिया। अब इसका खामियाजा वे लोग भुगत रहे हैं जिन्होंने सोशल मीडिया पर ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े किसी पहलू पर अपने विचार प्रकट किए। ऐसे कम से कम दो उदाहरण सामने आए हैं।पहला उदाहरण अशोका विश्वविद्यालय के प्रो. अली खान महमूदाबाद का है, जिनकी फेसबुक पोस्ट के आधार पर राज्य महिला आयोग ने शिकायत दर्ज की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि उनकी पोस्ट में गलत क्या था, यह अब तक साबित नहीं हुआ है। मगर स्वतंत्र विचार को रोकने की नीयत इसमें साफ नजर आई। इस मामले में प्रो.महमूदाबाद को 18 मई को गिरफ्तार किया गया था, 21 मई को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत दी। इस बीच राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी स्वत~ संज्ञान लेते हुए हरियाणा सरकार को नोटिस दिया और अब इस मामले में बनी विशेष जांच समिति को सुप्रीम कोर्ट ने साफ आदेश दिया है कि वह केवल प्रो.महमूदाबाद पर दायर दो एफआईआर तक ही अपनी जांच सीमित रखे। दरअसल प्रो, महमूदाबाद के वकील कपिल सिब्बल ने अदालत में उनकी डिजिटल डिवाइस तक अधिकारियों की पहुंच की मांग का मुद्दा भी उठाया। जिस पर अदालत ने सख्त टिप्पणी की कि दोनों एफआईआर रिकॉर्ड का विषय हैं। डिवाइस की क्या आवश्यकता है? दायरा बढ़ाने की कोशिश न करें। एसआईटी राय बनाने के लिए स्वतंत्र है। बाएं और दाएं मत जाओ।इधर महाराष्ट्र में भी ऐसा ही प्रकरण घटित हुआ, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर पर एक आलोचनात्मक पोस्ट को एक 19 साल की इंजीनियरिंग छात्रा ने रिपोस्ट किया, लेकिन फिर उसे डिलीट भी कर दिया। मगर पुलिस ने उस छात्रा को 9 मई को दर्ज एफआईआर के बाद गिरफ्तार कर लिया, उस पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 152, 196, 197, 299, 352 और 353 के तहत मामला दर्ज किया गया। छात्रा का साथ उसके शैक्षणिक संस्थान ने भी नहीं दिया और उसे परीक्षा से वंचित रहना पड़ा। जब मामला बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचा, तो अदालत ने इस मामले में पुलिस प्रशासन और कॉलेज दोनों को आईना दिखाया। जस्टिस गौरी गोडसे और जस्टिस सोमशेखर सुंदरसन की खंडपीठ ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान कहा कि एक 19 साल की छात्रा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। जब उसे अपनी गलती का एहसास हुआ तो उसने माफी भी मांग ली। इसके बावजूद छात्रा को सुधार का मौका देने के बजाय कॉलेज और सरकार ने उसे अपराधी की तरह ट्रीट किया। जो करना गलत है। कोर्ट ने कॉलेज प्रशासन पर भी तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थानों का दायित्व केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्रों को सही मार्ग दिखाना भी है।न्यायमूर्ति गोडसे ने कहा, क्या हम एक ऐसे समाज में रह रहे हैं। जहां किसी को अपनी राय व्यक्त करने के लिए जेल भेज दिया जाएगा? यह सोचने वाली बात है कि क्या अब छात्रों को बोलना बंद कर देना चाहिए? कोर्ट ने छात्रा की गिरफ्तारी को न केवल अनुचित बल्कि असंवैधानिक भी करार दिया।जब सरकारी वकील ने तर्क दिया कि छात्रा की टिप्पणी राष्ट्रीय हितों के खिलाफ थी, तो अदालत ने इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि अगर किसी ने गलती की है और उसे महसूस करके माफी मांग ली है, तो उसे सुधारने का अवसर दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने पूछा, सरकार क्या चाहती है कि छात्र बोलना बंद कर दें? इस तरह की प्रतिक्रियाएं समाज में और कट्टरता को जन्म देंगी।पीठ ने कॉलेज प्रशासन को भी फटकार लगाते हुए कहा कि एक छात्रा को सुने बिना निष्कासित कर दिया। आपने एक छात्रा को अपराधी बना दिया, जबकि आपकी जिम्मेदारी थी कि आप उसे सुधारने का प्रयास करते,दरअसल लड़की को उसकी परीक्षा से पहले कॉलेज से निकाल दिया गया था। सुनवाई के दौरान, अदालत ने लड़की की मानसिक और भावनात्मक स्थिति के बारे में पूछा और उसे जेल से रिहा करने का निर्देश दिया ताकि वह परीक्षा में शामिल हो सके। अदालत ने आदेश दिया कि परीक्षा अवधि के दौरान उसे पुलिस द्वारा नहीं बुलाया जाएगा।

उपरोक्त दोनों प्रकरणों से स्पष्ट होता है कि आम नागरिकों के लिए अब खुलकर अपने विचार प्रकट करना कितना दूभर होता जा रहा है।

इन मामलों में अदालतों ने तो इंसाफ किया है, लेकिन नाइंसाफी की नौबत क्यों आई, क्यों सामान्यजनों को इस तरह व्यवस्था का शिकार होना पड़ रहा है, क्या लोकतंत्र लोक के लिए असुरक्षित और चंद तथाकथित खास लोगों के लिए ही सुरक्षित रह गया है, यह सोचने वाली बात है।

संपादकीय

कोरोना के वास्तविक खतरों से आगाह करना जरूरी

देश में कोरोना की भयावह पदचाप फिर सुनाई देने लगी है और फिलहाल ये आहट धीमी है, लेकिन कब खौफनाक धमक में बदल जाए, कहा नहीं जा सकता। आंकड़ों के मुताबिक बुधवार दोपहर तक 1083 एक्टिव कोरोना केस पाए गए, हालांकि सुबह यह संख्या 1047 थी, यानी बढ़ोत्तरी का सिलसिला शुरु हो गया है। बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र में 66 और उत्तर प्रदेश में 10 नए मामले सामने आए हैं। दक्षिण और प.भारत के राज्यों के बाद अब पूर्वी और उत्तरपूर्वी राज्यों में भी कोरोना ग्रसित मरीज पाए गए हैं। इससे मरने वालों की संख्या भी अब 12 तक पहुंच गई है। बता दें कि स्वास्थ्य मंत्रालय के 26 मई तक के आंकड़ों के मुताबिक तब देश में 1010 एक्टिव केस थे, लेकिन अब इसकी संख्या बढ़ गई है और साथ ही कोरोना के 4 नए वैरिएंट की पहचान भी हुई है।दक्षिण और पश्चिम भारत से जिन वैरिएंट की पहचान हुई है, उनमें एलएफ 7, एक्सएफजी, जेएन.1 और एनबी1.8.1 शामिल हैं। अब बाकी जगहों से नमूने लेकर नए वैरिएंट की पड़ताल की जा रही है। कोरोना के नए मामलों को लेकर एम्स के पूर्व डायरेक्टर, डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने कहा है कि नए वेरिएंट के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी गंभीर खतरा नहीं है। वहीं भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने सोमवार को कहा कि संक्रमण को लेकर गंभीरता की स्थिति अभी तक आमतौर पर हल्की है और चिंता की कोई बात नहीं है।

यह सही है कि अब तक महामारी की बात सामने नहीं आई है, लेकिन जो अब तक 12 मौतें हुई हैं, क्या उसके बाद भी अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत नहीं है। दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है, यह पुरानी कहावत है। लेकिन हम जले ही नहीं, झुलसे हुए हैं। याद कीजिए कोरोना की दूसरी लहर के भयावह मंजर को। जब अस्पतालों के बाहर लंबी कतारें लग गई थीं कि एक बिस्तर मिल जाए, एक ऑक्सीजन सिलेंडर मिल जाए, ताकि मरीज की उखड़ती सांसों को आसरा दिया जा सके। एक महिला किस तरह अपने पति को एंबुलेंस में मुंह से सांस देने की कोशिश कर रही थी, वह दृश्य कैसे भूला जा सकता है। श्मशानों से देर रात तक चिताओं से लपटें उठा करती थीं, वहां भी मुर्दे जलाने के लिए कतार लगी रहती थी। जिन शवों को रीति के अनुसार अंतिम संस्कार नसीब नहीं हुआ, उन्हें गंगा की गोद में सौंप दिया गया। सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर रोजाना किसी परिचित की मौत की खबर देखने मिलती थी। कितनी दारुण यादें हैं, कहां तक गिनाएंय़ लेकिन क्या हमारी याददाश्त इतनी कमजोर हो चुकी है कि तीन साल पुरानी बात हम भूल गए हैं।सरकार ने पहली लहर के वक्त लापरवाही दिखाई तो उसका भुगतान दूसरी लहर में करना पड़ा। अब फिर से क्या वही लापरवाही दिखाई जा रही है, यह सोचने वाली बात है। प्रधानमंत्री मोदी 29-30 मई को उप्र और बिहार दौरे पर रहेंगे। उनकी प्राथमिकता इस समय ऑपरेशन सिंदूर को भुनाना है, जिसके लिए वे रोड शो करेंगे। इसके अलावा बिहार चुनाव का मंच सजाना भी भाजपा की तरफ से उनके ही जिम्मे है, तो वे चाहेंगे कि अच्छी-खासी भीड़ जुटे। पांच साल पहले भी इसी तरह बिहार चुनाव कोरोना के बीच ही संपन्न हुए थे। उसका कितना खामियाजा आम जनता ने भुगता होगा, पता नहीं। लेकिन श्री मोदी के लिए तब भी चुनाव में जीत महत्वपूर्ण थी, अब भी वही आलम है।अलबत्ता प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर राज्य का स्वास्थ्य विभाग भी सतर्क है। निर्देश दिया गया है कि श्री मोदी के 100 मीटर के दायरे में रहने वाले सभी लोगों की कोरोना जांच होगी। अब सोचने वाली बात है कि जब प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य को लेकर यह सतर्कता बरती जा रही है, तो आम नागरिकों के लिए क्यों यही रवैया नहीं दिखाया जा रहा। कम से कम सरकार की तरफ से सही सूचना और कोरोना से बचने के सही दिशा-निर्देश तो तत्काल व्यापक स्तर पर प्रचारित-प्रसारित करने शुरु कर देने चाहिए। सरकार को यह भी बताना चाहिए कि कोरोना टीकाकरण क्या अब निष्प्रभावी हो गया है, क्योंकि आम जनता यही मानकर चलती है कि एक बार टीका लग गया तो फिर उसे दोबारा वह बीमारी नहीं होगी।

भारत-बांग्लादेश पारगमन सुविधाओं को लेकर टकराव से व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव

भारत के खिलाफ व्यापार युद्ध को भड़काने के बजाय, बांग्लादेश के व्यापारिक हलकों का मानना है कि हाल ही में उभरी कुछ छोटी-मोटी समस्याओं का समाधान निकालने के लिए द्विपक्षीय आधिकारिक स्तर की वार्ता तुरंत शुरू होनी चाहिए

एएल को भारत सरकार का समर्थन प्राप्त था और बदले में, भारत को बांग्लादेश क्षेत्र के माध्यम से कुछ व्यापार पारगमन सुविधाओं और अन्य राहत का आनंद लेने की अनुमति दी गयी थी। यह कहने की जरूरत नहीं है कि चरमपंथी इस्लामी तत्वों ने कभी भी इस बात का उल्लेख नहीं किया कि बांग्लादेश ऐसी सुविधाओं का उपयोग करने के लिए भारत से कितना बड़ा पारगमन शुल्क कमा रहा था।भारत के खिलाफ व्यापार युद्ध को भड़काने के बजाय, बांग्लादेश के व्यापारिक हलकों का मानना है कि हाल ही में उभरी कुछ छोटी-मोटी समस्याओं का समाधान निकालने के लिए द्विपक्षीय आधिकारिक स्तर की वार्ता तुरंत शुरू होनी चाहिए। वे जल्द ही ढाका स्थित अधिकारियों को अपनी चिंता से अवगत करायेंगे, ढाका को यह तर्क देते हुए कि इस तरह के किसी भी टकराव में बांग्लादेशियों को भारत की तुलना में कहीं अधिक नुकसान होगा।

हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए, दोनों देशों द्वारा दैनिक लेन-देन में प्रतिबंधात्मक कार्यात्मक उपायों के आदेश के साथ, व्यापार के स्तर में पहले से ही तेज गिरावट आई है। एकीकृत भूमि चौकियों के माध्यम से दोनों पक्षों से माल की आवाजाही में कमी पहले से ही कम हो गयी है, जिससे सीमा के दोनों ओर स्थानीय आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं।

हाल के घटनाक्रमों पर चिंता और नकारात्मक प्रतिक्रियाएं ढाका में अधिक ध्यान देने योग्य हैं। असम स्थित मीडिया के कुछ हिस्सों ने बताया है कि सड़क मार्ग से आवाजाही/बिक्री में बड़ी कमी से परिवहन लागत में काफी वृद्धि हुई है और बांग्लादेश के परिधान निर्यात के प्रेषण में देरी के कारण भारत की तुलना में बांग्लादेश को कहीं अधिक नुकसान पहुंचा है।भारतीय व्यापारियों की प्रतिक्रिया स्पष्ट रूप से आक्रामक नहीं रही है, लेकिन सीमा व्यापार के साथ-साथ आयात और निर्यात के संबंध में ढाका द्वारा किये गये कुछ एकतरफा कदमों पर सामान्य रूप से सभी को आश्चर्य है, क्योंकि ऐसे कदम बिना किसी स्पष्टीकरण के उठाये गये हैं। उदाहरण के तौर पर, वे बांग्लादेश द्वारा हाल ही में लिए गए निर्णय की ओर इशारा करते हैं कि वह विभिन्न प्रकार के परिधानों के उत्पादन के लिए आवश्यक यार्न(धागा) और अन्य संबंधित वस्तुओं का आयात नहीं करेगा, जो बांग्लादेश के कुल निर्यात का मुख्य आधार है।

बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार एम. यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सत्ता में आने से पहले, बांग्लादेश इन आवश्यकताओं का कम से कम 25-30 प्रतिशत भारत से आयात करता था। अब यह बिना किसी स्पष्टीकरण के बंद हो गया है। तर्क के तौर पर, यूनुस के नेतृत्व वाला प्रशासन इस बात पर जोर देता है कि वह पाकिस्तान और तुर्की जैसे अन्य देशों के साथ अपने व्यापार और कारोबार का विस्तार और विविधता लाना चाहेगा, ताकि विभिन्न वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ढाका की किसी एक स्रोत पर निर्भरता कम हो सके। अधिकांश पर्यवेक्षकों ने समझाया है कि इस तरह के कदम, विशेष रूप से इस्लामी देशों के साथ अधिक व्यापार करने की टीम यूनुस की समग्र नीति के साथ बहुत अच्छी तरह से फिट बैठते हैं, लेकिन बांग्लादेश के लिए बहुत लाभप्रद नहीं हैं।इस तरह के कदम आम तौर पर भारतविरोधी आंदोलनों के साथ भी तालमेल बिठाते हैं, जो हाल ही में इस्लामी चरमपंथियों द्वारा भारत और उसके सामानों के पूर्ण बहिष्कार का आह्वान करते हुए आयोजित किये गये थे - उनके अवामी लीग (एएल) विरोधी आखिरकार, एएल को भारत सरकार का समर्थन प्राप्त था और बदले में, भारत को बांग्लादेश क्षेत्र के माध्यम से कुछ व्यापार पारगमन सुविधाओं और अन्य राहत का आनंद लेने की अनुमति दी गयी थी। यह कहने की जरूरत नहीं है कि चरमपंथी इस्लामी तत्वों ने कभी भी इस बात का उल्लेख नहीं किया कि बांग्लादेश ऐसी सुविधाओं का उपयोग करने के लिए भारत से कितना बड़ा पारगमन शुल्क कमा रहा था।यह डॉ. यूनुस द्वारा बांग्लादेशी निर्यात को मजबूत करने की कोशिश करने वाली किसी नयी अवधारणा को आजमाने के बारे में भी नहीं है। अपनी तरफ से, बांग्लादेश ने भारत को पूर्व सूचना दिये बिना भारतीय वस्तुओं की आवाजाही को संभालने वाली कई छोटी चौकियों को फिर से बंद करने की घोषणा की। इस कदम ने भारत को बांग्लादेश में अपने माल की आवाजाही के लिए या कोलकाता से त्रिपुरा और इसके विपरीत अपने सामान भेजने` लिए अपने संक्रमण अधिकारों का उपयोग करने से रोक दिया है।दूसरे शब्दों में ढाका ने यह सुनिश्चित किया है कि भारत को अपने माल को अपने क्षेत्र के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में ले जाने के लिए चिकन नेक का उपयोग करने की अपनी पिछली निर्भरता पर वापस लौटना होगा!इन कदमों के बाद, भारत सरकार ने घोषणा की कि अब से बांग्लादेश अपने परिधान निर्यात को केवल दो प्रमुख बंदरगाहों, मुंबई और कोलकाता के माध्यम से भेज सकेगा। छोटे भारतीय चेकपोस्ट बांग्लादेशी निर्यात वस्तुओं को संभाल नहीं पायेंगे। इसका मतलब यह है कि बांग्लादेश को अपने परिधान निर्यात को अंजाम देना महंगा और समय लेने वाला लगेगा, क्योंकि वह दो प्रमुख भारतीय बंइसके अलावा, भारत द्वारा बांग्लादेश को अपने छोटे बंदरगाहों के चैनल का उपयोग करने की अनुमति न देने से बांग्लादेश को विशेष रूप से अनुकूल शर्तों पर भारतीय क्षेत्र का उपयोग करने के लिए अपने पारगमन अधिकार/रियायतें खोनी पड़ेंगी!बांग्लादेशी व्यापारिक हलकों को ढाका जाने और भारत के साथ बातचीत शुरू करने का आग्रह करने के लिए मजबूर करने वाली बात यह है कि वस्त्रों से होने वाली आय, भारत के विपरीत, उसकी कुल निर्यात आय का लगभग 80-85प्रतिशत है। भारत की अर्थव्यवस्था बांग्लादेश की सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था की तुलना में अधिक मजबूत है और उसके निर्यात भी अधिक विविध और सुरक्षित हैं।

यह देखना अभी बाकी है कि बांग्लादेश इन मुद्दों और संबंधित मामलों पर भारत के साथ बातचीत फिर से शुरू करने में कितना समय लेता है।

दरअसल आज इन्होंने कहा कि आज छुट्टी का दिन है और त्यौहार भी नजदीक ही हैं तो क्यों न घर की साफ-सफाई ही कर ली जाए। बस इसीलिए घर को थोड़ा-बहुत चमका दिया है। लेकिन इस जवाब से शांता ताई संतुष्ट नहीं हुई कि तभी उनकी जासूसी नाकों में कुछ गंध पहुंची और वह बोलीं कि अरे वाह! यह बढ़िया-बढ़िया पकवानों की सुगंध कहां से आ रही है? सच-सच बताओ आज किसी का जन्मदिन है क्या या फिर आज तुम्हारी शादी की सालगिरह है। अब तक राधा शांता ताई के तेवरों को देखते हुए तंग आ चुकी थीं आखिर उसने हिम्मत करके उन्हें बता ही दिया कि आज राजीव के बॉस उनके घर पर खाना खाने आने वाले हैं।

ताक-झांक से क्या होगा हासिल?

राजीव एक मल्टीनेशनल कंपनी में एक्जीक्यूटिव के पद पर कार्यरत है।

रविवार की बात है जब उसके बॉस उस दिन उस के घर पर खाने पर आ रहे थे। राजीव के बॉस घर आ रहे थे इस बात से उत्साहित उसकी पत्नी राधा सारे घर को सजाने संवारने में लगी हुई थी कि कहीं राजीव के बॉस को कहीं कुछ खराब न लगे। दूसरी तरफ सामने वाले घर में रहने वाली शांता ताई के दोनों कान आज सुबह से ही खड़े थे उनके लिए परेशानी की बात यह थी कि आखिर किस प्रकार पता चले कि राधा के घर में माजरा क्या है? जबकि राजीव और राधा ने सोच रखा था कि बॉस के घर आने की बात किसी को क्या बतानी और बता भी दी तो लोग पता नहीं क्या-क्या बातें करें। कोई कहेगा कि देखो प्रमोशन पाने के लिए बॉस को खुश कर रहा है तो कोई कहेगा कि देखो किस तरह बॉस की चमचागिरी में मशगूल है।

लेकिन इन सबसे दूर राधा के घर के निकट ही शांता ताई की बैचेनी तो जैसे कम होने का नाम ही नहीं ले रही थी। खैर, जैसे-तैसे उन्होंने तरकीब बैठकार अपने बेटे सोनू को राधा के घर गुप्तचरी के लिए भेजा। लेकिन जब वह भी कोई जानकारी पाने में असफल साबित हुआ तो उन्होंने अपनी बेटी मधु को राधा के घर भेजा। मधु ने राधा से कहा कि आंटी जरा थोड़ी चीनी तो देना, घर में खत्म हो गई है। इस पर राधा बोली कि अभी लाती हू, और यह कहकर जैसे ही वह किचन की ओर मुड़ी कि तभी मधु ने एकदम से सवाल दागा और बोली कि आंटी, क्या आज घर में कोई मेहमान आ रहे हैं या फिर आज आपके घर में कोई पार्टी है क्या?

इस पर राधा बोली कि नहीं-नहीं बेटा यह तो बस वैसे ही आज साफ सफाई करने का मूड़ बन गया। अब शांता ताई की मुसीबत और भी बढ़ गई थी क्योंकि मधु भी कोई खबर हासिल नहीं कर पाई। अब थक हार कर शांता ताई स्वयं ही राधा के घर पहुंची और बोली कि अरे राधा, अभी मधु कह रही थी कि आज तो राधा आंटी का घर चम-चम चमक रहा है तो मैंने सोचा कि आखिर माजरा क्या है, जरा पता तो लगाया जाए। इसलिए तुमसे मिलने चली आई। अपनी बात खत्म करते-करते वह चारों ओर

निगाहें घुमा कर बोली कि यदि मेरी किसी काम में आवश्यकता हो तो बताओ। इस पर राधा बोली कि नहीं ताई ऐसी तो कोई बात ही नहीं है।

दरअसल आज इन्होंने कहा कि आज छुट्टी का दिन है और त्यौहार भी नजदीक ही हैं तो क्यों न घर की साफ-सफाई ही कर ली जाए। बस इसीलिए घर को थोड़ा-बहुत चमका दिया है। लेकिन इस जवाब से शांता ताई संतुष्ट नहीं हुई कि तभी उनकी जासूसी नाकों में कुछ गंध पहुंची और वह बोलीं कि अरे वाह! यह बढ़िया-बढ़िया पकवानों की सुगंध कहां से आ रही है? सच-सच बताओ आज किसी का जन्मदिन है क्या या फिर आज तुम्हारी शादी की सालगिरह है। अब तक राधा शांता ताई के तेवरों को देखते हुए तंग आ चुकी थीं आखिर उसने हिम्मत करके उन्हें बता ही दिया कि आज राजीव के बॉस उनके घर पर खाना खाने आने वाले हैं।

इस पर शांता ताई बोली कि अच्छा, यह बात है। फिर थोड़ी गहरी सांस लेते हुए वह बोलीं कि हां भई आजकल यह सब चीजें भी तो जरूरी हैं आखिर क[illegible] कमाई में गुजारा चलाना मुश्किल तो है ही इसलिए प्रमोशन के लिए [illegible] बहुत चापलूसी तो करनी ही पड़ती है।

राजीव और राधा का यह किस्सा आज आम हो गया है। आज हर व्यक्ति दूसरे की जिंदगी में तांक-झांक को कोई भी अवसर गंवाना नहीं चाह[illegible] ऐसे में यही विचार मन में आता है कि क्या ऐसा नहीं हो सकता है कि लोग दूसरों की जिंदगी में ताकझांक करना छोड़ दें? कभी-कभी यह प्रश्न मन में उठता है कि आखिर क्यों लोग अपनी उलझनों को भूल व[illegible] दूसरों के साथ क्या हो रहा है, यह जानने को ज्यादा उत्सुक रहते हैं? मान लीजिए कि कोई कॉलेज जाने वाली लड़की पड़ोस में रहती है तो पड़ोसी लोग यह जानना अपना फर्ज समझते हैं कि वह कब, कहां औ[illegible] किस के साथ आती जाती है। यह भी सच है कि जहां इस प्रकार की निगाहें अधिकतर महिलाओं पर ही रखी जाती हैं तो यह भी सच है वि[illegible] दूसरों पर भी निगाहें अकसर महिलाएं ही रखती हैं। महिलाओं का स्वभाव यह हो गया है कि यदि उनके पड़ोस में नए पड़ोसी आए हैं तो तक वह उन का वर्तमान, भूतकाल और यदि संभव हो तो जब तक भविष्यकाल तक न जान लें, उनको चैन ही नहीं मिलता। पता नहीं क्य[illegible] आजकल की महिलाओं को यह समझ नहीं आता कि ऐसा व्यवहार क[illegible] आप दूसरे व्यक्ति के जीवन में कितनी मुश्किलें पैदा कर रही हैं? महिलाओं को यह समझना चाहिए कि किसी व्यक्ति के बारे में जो भी उनकी धारणा है या जानकारी है उसके आधार पर उस व्यक्ति के बारे वह जो प्रचार कर रही हैं वह जब उन्हें भी नहीं पता कि कितना सही [illegible] और कितना गलत तो उसके प्रचार से उस व्यक्ति को बहुत नुकसान प[illegible] सकता है।

लिविंग रूम

को सजाने के लिए अपनाएं 5 मंत्र

जब आपके किसी के घर मेहमान बन कर जाते हैं तो उनका लिविंग रूम देखकर ही आप पूरे घर का अंदाजा लगा लेते हैं। वैसे ही जब कोई आपके घर आता है तो भी यही बात मायने रखती है। कहने का तात्पर्य यह है कि घर का लिविंग रूम वह कमरा होता है जो आपके पूरे घर को रीप्रेज़ेंट करता है।

जब आपके किसी के घर मेहमान बन कर जाते हैं तो उनका लिविंग रूम देखकर ही आप पूरे घर का अंदाजा लगा लेते हैं। वैसे ही जब कोई आपके घर आता है तो भी यही बात मायने रखती है। कहने का तात्पर्य यह है कि घर का लिविंग रूम वह कमरा होता है जो आपके पूरे घर को रीप्रेज़ेंट करता है।

इसे सजाने के लिए आप अपनी पसंद की चीजें लगाते हैं, उसे अलग-अलग कलर स्कीम और पैटर्न्स से सजाते हैं। आपकी सजावट पर हमें कोई शक नहीं है बस हम आपके ज्ञान में थोड़ी वृद्धि कर रहे हैं कि कैसे आप अपने लिविंग रूम को और बेहतर बना सकतीं हैं।

1. कंट्रॉस- लिविंग रूम में दीवारों पर कंट्रॉस कलर ट्राई करें या दो रंगों से दीवारों को रंगें। यह रूम को थोड़ा हटके लुक देगा। रंगों में लाइट-डार्क, ब्लैक-व्हाइट, रेड-व्हाइट का कॉम्बिनेशन ले सकते हैं। इन्हीं में से किसी कलर कॉम्बिनेशन को चुन कर आप पूरे कमरे के लुक को डिसाइड कर सकतीं हैं।
2. फूलदान - लिविंग रूम की सेंटर टेबल पर फूलों का गुलदस्ता रखें। इसके लिए नकली फूलों के साथ विशेष अवसर पर प्राकृतिक फूलों का इस्तेमाल करें। यह लिविंग रूम को सजाने का सबसे आसान और सीमित बजट में निपटने वाला तरीका है।
3. फोटो फ्रेम्स- अपने लिविंग रूम को क्लासी और इमोशनल टच देने के लिए दीवार पर अपनी फैमेली की फोटो लगा सकते हैं। चाहे तो पूर्वजों की तस्वीरों को भी लिविंग रूम में जगह दे सकते हैं। इससे निश्चित रूप से आपके लिविंग रूम में शांति और सौम्यता का वातावरण आ जाएगा।
4. पर्दे- लिविंग रूम में पर्दे लगाएं लेकिन ध्यान रखें कि वे कमरे में आनेवाले प्राकृतिक उजाले को ना रोकें। आजकल पारदर्शी पर्दे चलन में हैं आप उन्हें इस्तेमाल कर सकतीं हैं या फिर अगर कुछ अलग करना चाहतीं हैं तो क्रोशिए से बने पर्दे लगाएं। ये मनचाहे रंग में मिल जाएंगे और कमरे में अंधेरा भी नहीं करेंगे और आपका कमरा शानदार दिखेगा।
5. सेटअप- अपने फर्नीचर और एसेसरीज का सेटअप बुद्धिमत्तापूर्ण तरीके से करें। कमर खचाखच भरा हुआ ना लगे इसका खास ध्यान रखें। अच्छी लाइटिंग स्कीम चुनें। इस बात का ध्यान रखें कि कमरा व्यवस्थित लगे। साफ-सुथरा हो।

बैडरूम व ड्रॉइंग रूम में हल्के व कूल रंग का इस्तेमाल करें। जैसे हल्का भूरा या सफेद। यह दिमाग की शांति के लिए अनिवार्य है। एक कमरे में चार में से एक दीवार पर ब्राइट रंग या ग्लास वर्क अभी चलन में है। यह सिस्टम भी एस्ट्रो को सूट करता है। आप जिस कमरे में अपना सबसे महत्वपूर्ण काम करते हैं वहाँ मनपसंद और एस्ट्रो के अनुसार चमकदार कलर इस्तेमाल कर सकते हैं।

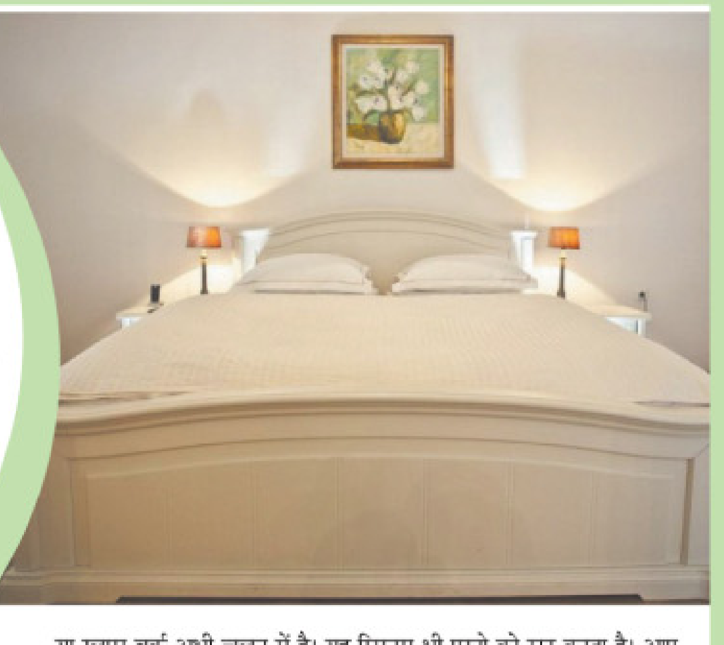

सजावट

ऐसी जो मूड बना दे

घर का वातावरण कूल बनाए रखने में ज्योतिष अहम् भूमिका निभाता है। अपने घर को एस्ट्रो टच देकर घर और मन की शांति को बनाए रखा जा सकता है। एस्ट्रो और च्वॉइस का सही कॉम्बिनेशन आपके लिए उपयोगी हो सकता है। बच्चों के कमरे में हमेशा ब्राइट रंग करना बेहतर होता है। कमरा यदि लड़के का हो तो उसमें नीला रंग और लड़की के कमरे में गुलाबी रंग अच्छा होता है। चाहे तो राशि के अनुसार रंगों का सिलेक्शन करें। वहीं बैडरूम व ड्रॉइंग रूम में हल्के व कूल रंग का इस्तेमाल करें। जैसे हल्का भूरा या सफेद। यह दिमाग की शांति के लिए अनिवार्य है। एक कमरे में चार में से एक दीवार पर ब्राइट र ंग या ग्लास वर्क अभी चलन में है। यह सिस्टम भी एस्ट्रो को सूट करता है। आप जिस कमरे में अपना सबसे महत्वपूर्ण काम करते हैं वहाँ मनपसंद और एस्ट्रो के अनुसार चमकदार कलर इस्तेमाल कर सकते हैं।

दीवारों पर वॉल पेपर भी ट्राई कर सकते हैं और बाद में इसे चेंज भी कर सकते हैं। खूबसूरत वॉल पेपर घर को अच्छा लुक देते हैं। यह वॉल पेपर ज्योतिष के अनुसार शुभ और मंगलकारी होना जरूरी है। घर का माहौल खुशनुमा बनाने का सबसे अच्छा तरीका है घर के हर कोने में पौधे लगाना। पौधों से पॉजिटीव एनर्जी मिलती है। इससे कमरों में ऑक्सीजन की भी पर्याप्त मात्रा मिल जाती है और कम रुपयों में घर की सजावट भी। इससे मूड भी अच्छा रहता है। घर के अंदर एक मिनी बगिया विकसित कर सकते हैं, जिसमें कमल के फूल व फिशेस हों। यह देखने में सुंदर और अट्रेक्टिव लगता है। साथ ही एस्ट्रो के अनुसार घर बैठे मछलियों की सेवा भी हो जाएगी। शोपीसेस के अलावा पूरी तरह से कमरों को पौधों से डेकोरेट कर सकते हैं। हरी-भरी बगिया घर के अंदर ही होगी तो सोचिए कितना कूल लगेगा। अलग कमरों में अलग रंग कर सकते हैं, लेकिन सारे घर में एक ही रंग करने से परिवार में संतुलन और शांति नजर आती है। कोशिश कीजिए कि जो रंग सबकी राशियों को सूट करे वही शेड्स आजमाएँ। सजावट ऐसी हो कि स्पेस ज्यादा दिखे। खुला माहौल भी दिमाग को शांत रखता है।

सूखे फूलों से सजावट

फूलों से हर कोई प्रेम करता है। एक ओर जहाँ ये आपके घर को खूबसूरत लुक देते हैं वहीं मन को भी सुकून देते हैं। किसी को आपने कुछ उपहार देना हो तो सबसे पहले आप फूलों को ही देखते हैं। ऐसा कई बार होता है कि आपका मन परेशान हो लेकिन खिले फूलों को देखकर आप ताजगी भरा महसूस करने लगें। यही वजह है कि किसी बीमार व्यक्ति के सामने हम हमेशा फूल रख देखे हैं ताकि वह जल्दी से ठीक हो जाए। खि?ले फूलों के साथ ही आप सूखे हुए फूलों से भी अपने घर को सजा सकते हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा यह भी है कि जो फूल मौसमी होते हैं यानी सर्दी और गर्मी दोनों ही फूलों का मजा आप एक साथ ले सकते हैं। इन्हें आप अपने घर में ही सुखा सकते हैं। फूलों को कई प्रकार से सुखाया जा सकता है जैसे वैक्यूम ड्राइंग, ओवन ड्राइंग, हवा में सुखाना या फिर माइक्रोवेव ड्राइंग। ओवन ड्राइंग एक ऐसी विधि है जिसमें फूलों के किसी पात्र में रखकर ओवन में रखकर सुखाया जाता है जिसका एक नियंत्रित तापमान होता है। इस विधि से फूल जल्दी सूख जाते हैं। डहलिया के फूल की खूबी है कि इसकी पंखुड़ियों का रंग अधिक समय तक टिका रहता है। इसके फूलों के कर्ण को विकसित होने से पहले ही इन्हें तोड़ लें और इसकी टहनी में बालूमिट्टी भर दें। इसके फूलों को ओवन में 35 से 40 डिग्री सेंटीग्रेड के तापमान पर सुखा लें।

याददाश्त बढ़ाता है ग्रीन टी का सत्व

लंदन। ग्रीन टी को वैसे तो हमेशा ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक माना गया है लेकिन वैज्ञानिक अब इस नतीजे पर पहुंचे है कि ग्रीन टी का सत्व याददाश्त बढ़ाने के लिए भी मददगार साबित होता है।

मानसिक बीमारी में भी फायदा: स्विटजरलैंड स्थित बासेल विविद्यालय के शोधार्थियों का मानना है कि ग्रीन टी के इस नए फायदे का लाभ मानसिक बीमारी डिमेंशिया, स्मृतिलोप के इलाज में काफी कारगर साबित हो सकता है। 'द अकेडमिक जरनल साइको फॉरमेकोलॉजी' ने इस रिपोर्ट को प्रकाशित किया है। 'यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल ऑफ बासेल' के प्रो.क्रिस्टोफर बेगलिंग तथा 'साइकैट्रिक यूनिवर्सिटी क्लीनिक्स' के प्रो. स्टीफन बोर्गवार्ट के इस शोध दल ने पाया कि ग्रीन टी का सत्व मस्तिष्क की प्रभावी सक्रियता को बढ़ाता है और यह सक्रियता दिमाग के 'ज्ञान संबंधी' तंत्र को मजबूत करती है।

शोध में मस्तिष्क के पीछे तथा आगे के कार्टेक्स के बीच बेहतर तारतम्य स्थापित हुआ: अपने शोध के लिए वैज्ञानिकों ने स्वस्थ पुरुषों को चुना। इन लोगों को एक पेचीदा 'टास्क' दिया गया लेकिन काम शुरू करने से पूर्व इन्हें एक ऐसा शीतल पेय दिया गया जिसमें कई ग्राम ग्रीन टी का सत्व था। इसके बाद वैज्ञानिकों ने इनका 'एमआरआई', 'मेगनेटिकरेजोनेंस इमेजिंग' कर मस्तिष्क की सक्रियता पर ग्रीन टी के सत्व के असर की जांच की। 'एमआरआई' की रिपोर्ट में वैज्ञानिकों ने पाया कि मस्तिष्क के पीछे तथा आगे के कार्टेक्स के बीच बेहतर तार तम्य स्थापित हुआ है। जो यह सिद्ध करता है कि ग्रीन टी मस्तिष्क की सक्रियता को बनाए रखता है तथा बढ़ाता भी है। इसके पहले तक के शोध विभिन्न बीमारियों पर ग्रीन टी के असर तक ही सीमित थे लेकिन पहली बार मस्तिष्क पर ग्रीन टी के फायदे का पता लगने से कई मनोवैज्ञानिक समस्याओं के इलाज में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। (वार्ता) ग्रीन टी का सत्व मस्तिष्क की प्रभावी सक्रियता को बढ़ाता है और यह सक्रियता दिमाग के 'ज्ञान संबं धी' तंत्र को मजबूत करती है

पुरुषों के लिए भी जरूरी है बालों की देखभाल

- मेथी दाने से आप अपने बाल शाइनी और मुलायम बना सकते हैं
- अगर आपके बाल रूखे और टाइट हैं तो आप केले का हेयर पैक लगा सकते हैं
- हिना पैक सिर को पोषण देता है और रंग भी देता है
- अंडा पैक हर तरह के हेयर डैमेज को सही कर देता है

आज वाकई पुरु ष बहुत महनत करने लगे हैं। सुबह से देर रात कोई समय नहीं होता जब वे अपने और अपने बालों के लिए समय निकाल पाते हों, इसी लिए उनके बाल बेजान होकर गिरने व खराब होने लगते हैं। धूल, मिट्टी और प्रदूषण से ही बाल ज्यादा डैमेज होते और रूसी की भी समस्या रहने लगती है। अब पुरुषों को भी अपने शरीर के साथ-साथ बालों की भी देखभाल करने की जरूरत है। इसलिए कुछ घरेलू हेयर पैक हैं जो खास केवल पुरु षों के लिए ही हैं। इस घरेलू हेयर पैक को किसी भी उम्र में लड़के लगा सकते हैं। इन हेयर पैक्स का कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता। इसे अपने बालों के प्रकार के हिसाब से प्रयोग करें।

केले का हेयर पैक: अगर आपके बाल रूखे और टाइट हैं तो आप केले का हेयर पैक लगा सकते हैं। एक पका हुआ केला लें, उसमें एक चम्मच शहद और थोड़ा सा नींबू का रस डालें। इसे अच्छी तरह से फेंट कर पेस्ट बनाएं और बालों की जड़ों तक लगाएं। फिर इसे हल्के शैंपू से धो लें।

अंडा हेयर पैक: यह हर तरह के हेयर डैमेज को सही कर देता है। एक अंडे का सफेद भाग लें, फिर उसमें एक चम्मच शहद, नींबू का रस और एक चम्मच जैतून का तेल मिक्स करें। इस मिशण्रको अपने सिर पर लगाएं। फिर सिर को 20 मिनट के बाद धो लें।

मेथी हेयर पैक: अगर आपको अपने बाल शाइनी और मुलायम बनाने हैं तो इस पैक को लगाएं। मेथी को रातभर पानी में भिगो कर रखें। फिर इसका पेस्ट बनाएं और इसमें आधा कप दही मिलाएं। फिर इस पेस्ट को सिर पर लगाएं। जब यह सूख जाए इसे हल्के शैंपू से धो लें।

हिना हेयर पैक: यह पैक सिर को पोषण देगा और रंग भी देगा। हिना पॉवडर से पेस्ट बनाएं, इसमें आप आंवला और दो चम्मच दूध मिला कर पेस्ट बना सकते हैं। इस पेस्ट को लगाने के एक घंटे बाद सिर को धो लें।

गुड़हल हेयर पैक : गुडहल के पत्तों का पेस्ट बनाएं और उसमें जोजोबा तेल या नारियल तेल मिलाएं। इस पेस्ट को बालों की जड़ों तक लगाएं। फिर सूखने पर इसे अच्छी तरह से धो लें।

लगाएं बढ़ते पेट पर लगाम!

अगर आपका पेट बेकाबू है और आप इसे अंदर करना भी चाहते हैं तो समझ लीजिए की आपको ऐड़ी का जोर लगाना पड़ेगा, क्योंकि बढ़ा हुआ पेट कम करना आसान काम नहीं। बढ़ा हुआ पेट आपको दूसरों की नजरों के साथ-साथ अपनी नजरों में भी गिराता है। रही बात पेट को सपाट यानी अंदर करने की होड़ की बात तो इसमें आजकल बॉलीवुड बड़ा रोल अदा कर रहा है। हमारे सलमान से लेकर जॉन अब्राहम तक के सभी हीरो अपने एब्स दिखाने की होड़ के आदि हो चुके हैं। इनकी देखा-देखी हमारे अधेड़ उम्र के लोग भी पेट सपाट करने की जुगत में लग चुके हैं क्योंकि अब उन्हें भी फूला हुआ पेट बिल्कुल नहीं भाता। यदि आप भी अपना सपाट पेट पाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको अपनी जीवनशैली में कुछ चेंजेस करने होंगे साथ ही काफी समर्पण की जरूरत होगी। इन सबके बाद बारी आती है शुरुआत करने की, तो आप इसके लिए सबसे पहले अपने खानपान और जीवनशैली को बदल दें। शुरुआत में आपको आहार में कार्बोहाइड्रेट को कम करना होगा।

ऐसे करें शुरुआत

सुबह की शुरुआत पानी से करें : पानी हमारे शरीर की एक बहुत बड़ी जरूरत है यदि पानी नहीं तो जीवन नहीं। रोज फ्रैश होने से पहले एकदो गिलास पानी पीना चाहिए। पानी हमारे शरीर में जमा खराब टॉक्सिन बाहर निकालने में सबसे बड़ा रोल अदा करते हैं, साथ ही पानी बिना पचे हुए भोजन को भी शरीर से बाहर करता है। इससे चर्बी के जमा होने का खतरा कम हो जाता है।

फिर करें एक्सरसाइज: शुरु आत सुबह की वॉक से करें। कम से कम आधा घंटा यानी 30 मिनट की वॉकिंग जरूरी है। पेट की चर्बी बड़ी ढीठ होती है इसे गलाने में साल भी लग जाते हैं। पेट कम करने के लिए पेट की एक्सरसाइज भी जरूरी है, लेकिन अपने स्पाइन को ध्यान में रख कर ही पेट की एक्सरसाइज शुरू करें।

नाश्ते में शामिल करें: नाश्ते में आप स्प्राउड, ब्राउन ब्रेड, केनफ्लॉग, दलिया, बादाम व ओट्स ले सकते हैं। ये होल ग्रेनी फूड्स पौष्टिक के साथ-साथ ताकत भी देते हैं। इसमें काम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट होता है जो शरीर की चर्बी को गलाने में मदद करता है। इनसे पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलेगी।

दोपहर का भोजन: दोपहर के भोजन में कोई भी सब्जी व दो से तीन चपाती या ब्राउन राइस, दलिया व ओट्स ले सकते हैं। इनसे जल्दी भूख नहीं लगेगी और पेट भरा-भरा रहेगा। साथ ही यह भी याद रखें कि खाने के साथ पानी नहीं पीना चाहिए, खाने के आधे-एक घंटे बाद ही पानी पिएं। इससे आपका पेट नहीं निकलेगा।

शाम के नाश्ते में: यदि आप शाम को नाश्ता लेते हैं तो इनमें आप हल्का- फुल्का कुछ भी ले सकते हैं यानी चाय के साथ रस, बिस्कुट आदि। बिस्कुट में आप लो फैट वाले ही बिस्कुट लें। सबसे अच्छे बिस्कुट आटे के होते हैं। इससे आपको चर्बी घटाने में आसानी होगी।

रात्रि भोजन: रात्रि भोजन में आप पहले कोई भी सूप ले लें व कुछ समय बाद दाल व सब्जी के साथ दो रोटी व सालाद में नींबू-टमाटर आदि ले सकते हैं। नींबू आपकी चर्बी को काटने में मदद ही करेगा। रात्रि को गरिष्ठ यानी तला हुआ भोजन नहीं करना चाहिए। डॉक्टरों के मुताबिक रात्रि का भोजन सोने से दो से तीन घंटे पहले व हमेशा ही हल्का-फुल्का लेना चाहिए। इससे खाने को पचाने का पर्याप्त समय मिल जाता है। समतल पेट पाने का यह अहम तरीका है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंग। शुभांक-4-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

लॉफिंग ज़ोन

बंता: 'ऐसा लगता है कि वह लड़की ऊंचा सुनती है। मैं कुछ कहता हूं वह कुछ और ही बोलती है।'

संता: 'वो कैसे ?'

बंता: 'मैंने कहा , 'आई लव यू , तो वह बोली मैंने कल ही नए सैंडल खरीदे हैं।'

संता एक दिन अकेले बैठकर रो रहा था।

बंता ने पूछा: 'यार संता , तुम क्यों रो रहे हो ?'

संता: 'यार , एक लड़की को भूलने की कोशिश कर रहा हूं।'

बंता: 'इसमें रोने की क्या बात है?'

संता: 'जिस लड़की को भूलने की कोशिश कर रहा हूं , उसका नाम याद नहीं आ रहा।'

मरते समय पति ने अपनी पत्नी को सब कुछ सच-सच बताना चाहा। उसने कहा- मैं तुम्हें जीवन भर धोखा देता रहा ।

सच तो यह है कि दर्जनों औरतों से मेरे नाजायज संबंध थे।

पत्नी बोली- मैं भी सच बताना चाहूगी। तुम बीमारी से नही मर रहे, मैंने तुम्हें धीरे-धीरे असर करने वाला जहर दिया है

काकुरो पहेली - 4070

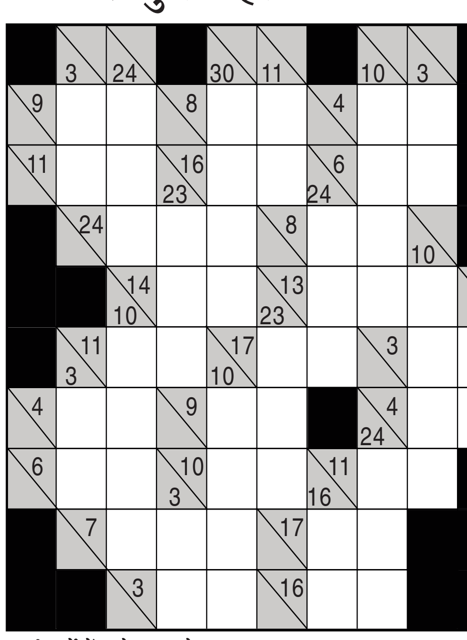

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

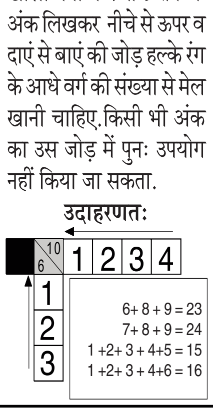

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4069 का हल

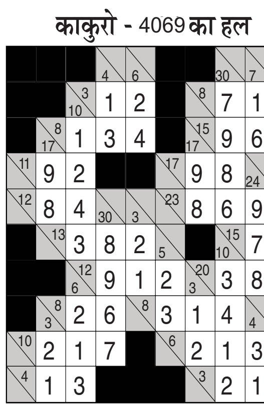

फिल्म वर्ग पहेली- 4070

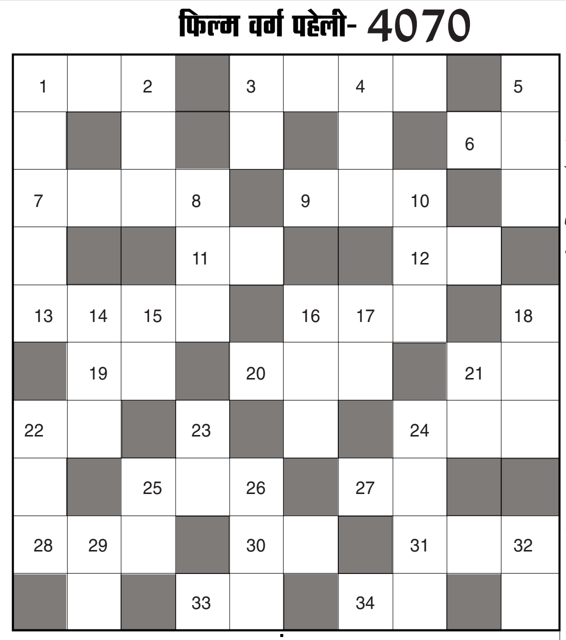

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली-4069

सूडोकु -4070

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4069 हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली -4070

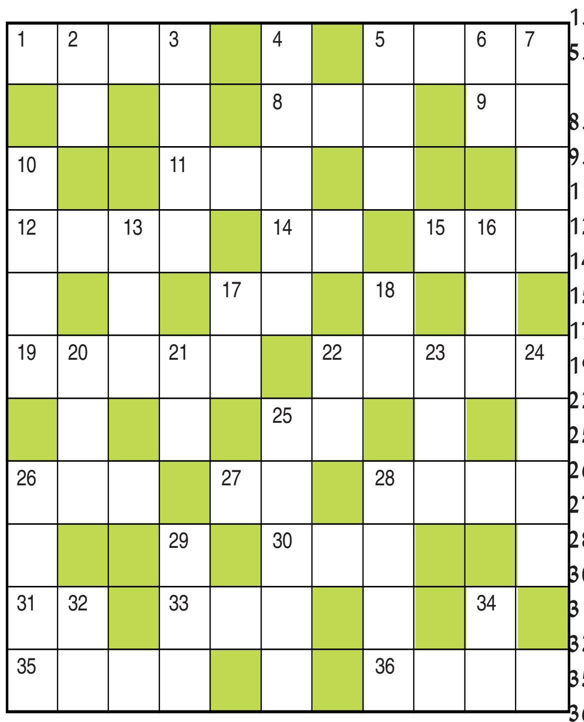

बाएँ से दाएँ

1.धरोहर,थाती-4
5.अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8.गुणगान-3
9.प्रेम (अंग्रेजी-2)
11.भरोसा,विश्वास-3
12.दुःख,परेशानी,कष्ट-4
14.हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15.गागर,घड़ा-3
17.जांघ-2
19.असावधान-5
22.करतूत,होशियारी-5
25.डूबा हुआ,समाप्त-2
26.तीक्ष्ण,तेज-3
27.अधर्म,अपकृत्य-2
28.मनमौजी,चंचल-4
30.हत्या,वध-3
31.पंख-2
33.मायका-3
35.व्यापार,व्यवसाय (उर्दू-4)
36.कृपा,रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे

2.फूलों का हार-2
3.वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4.शांति,सुख-चैन-3,2
5.अस्वस्थ,मरीज-3
6.दम,ताकत-2
7.भगवान राम के पुत्र-2,2
10.उन्मत,मदमस्त-4
13.दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16.बोलने का तरीका-3
17.रास्ता-2
18.पराया-2
20.परीक्षा-3
21.वचन-2
22.खेती-2
23.अभिमान-3
24.फिल्म 'मैंने प्यार किया' मैं सलमान खान की मां-2,2
25.बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26.ईश्वर,राजा-4
28.मन को अच्छा लगने वाला-4
29.शाप से पीड़ित-3
32.अवकाश,मंजूरी-2
34.संध्या-2

शब्द पहेली -4069 का हल

ओडिशा के जंगल से 8 लाख का नक्सली कुंजाम हिडमा उर्फ मोहन गिरफ्तार, एके-47 बरामद

एजेंसी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य ओडिशा, आंध्रप्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय नक्सली कुंजाम हिडमा उर्फ मोहन को कोरापुट पुलिस और डिस्ट्रिक्ट वॉलंटरी फोर्स (डीव्हीएफ) की संयुक्त कार्रवाई में ओडिशा राज्य के कोरापुट जिले के व्यापारीगुडा थाना क्षेत्र के पेटगुडा जंगल से गिरफ्तार किया है। कोरापुट एसपी रोहित वर्मा ने बताया कि कुंजाम हिडमा बीजापुर जिले के उसुरु थाना क्षेत्र के जनगुड़ा में नक्सली वारदातों में शामिल रहा है। उस पर छत्तीसगढ़ सरकार ने 5 लाख और ओडिशा सरकार ने 3 लाख का इनाम घोषित किया था। कुल मिलाकर वह 8 लाख का इनामी नक्सली है। पुलिस ने नक्सली कुंजाम हिडमा उर्फ मोहन के कब्जे से बड़ी मात्रा में नक्सल सामग्री और हथियार भी बरामद किए हैं। जब्त हथियार में एक एके-47 राइफल, 35 राउंड गोलियां, 117 डेटोनेटर (इलेक्ट्रिक और नॉन-इलेक्ट्रिक), बारूद, रेडियो, चाकू और नक्सल साहित्य शामिल है।

इंदौर में मिले कोरोना के चार नए मामले, सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर नौ हुई

इंदौर। शहर में कोरोना संक्रमण के मामले फिर बढ़ने लगे हैं। यहां पिछले 24 घंटे में चार नए कोरोना पॉजिटिव मरीज सामने आए हैं। इसके साथ ही वर्तमान में शहर में सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। सभी मरीजों को होम आइसोलेशन में रखा गया है। वायरस के वैरियंट का पता करने के लिए सभी मरीजों के सैंपल भोपाल भेजे गए हैं। इंदौर के मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. बीएस सेतिया ने बताया कि पिछले 24 घंटें में शहर के अलग-अलग इलाकों में कोरोना के चार नए मरीज मिले हैं। इनमें से तीन मरीज यूके, केरल और मुंबई से लौटे हैं। यहां तबीयत बिगड़ने के बाद जांच करवाई तो वे कोराना पॉजिटिव पाए गए। हालांकि, राहत की बात यह है कि सभी की हालत सामान्य है और किसी को अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता नहीं पड़ी है। , 43 वर्षीय महिला यूके से, 30 वर्षीय महिला केरल से आई है। सीएमएचओ के मुताबिक, चार मरीजों में 43 वर्षीय एक महिला शामिल है, जो यूनाइटेड किंगडम से लौटी है। दूसरी संक्रमित 30 वर्षीय महिला केरल से और कोरोना पाजिटिव 50 वर्षीय पुरुष मुंबई से यात्रा करके लौटा है। वहीं 54 वर्षीय महिला इंदौर में ही थी। इनमें से केरल से आई महिला के पति पॉजिटिव आए थे। पति के संपर्क में आने पर उनका भी सैंपल लिया गया, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

जैसलमेर में सरकारी बाबू पर जासूसी का शक, एजेंसियों ने हिरासत में लिया

जैसलमेर। जैसलमेर जिले में सुरक्षा एजेंसियों ने बुधवार को एक सरकारी कर्मचारी को संदिग्ध गतिविधियों के चलते हिरासत में लिया है। उस पर आरोप है कि वह विभाग को बिना सूचना दिए पाकिस्तान की यात्रा पर गया था, जिससे उसकी गतिविधियों पर शक गहराता चला गया। शुरुआती पूछताछ जैसलमेर में की गई। इसके बाद उसे रातों-रात जयपुर ले जाया गया, जहां सुरक्षा एजेंसियां उससे और गहन पूछताछ कर रही हैं। जैसलमेर के बड़ोड़ा गांव स्थित मंगलियों की ढाणी का निवासी शकूर खान मंगालिया जैसलमेर के जिला रोजगार कार्यालय में क्लर्क (बाबू) के पद पर कार्यरत है। उसकी पृष्ठभूमि भी राजनीतिक रूप से जुड़ी रही है। वर्ष 2008 में वह कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद के निजी सहायक के रूप में भी काम कर चुका है। तब सालेह मोहम्मद पोकरण से विधायक थे। शकूर खान हाल ही में बिना किसी विभागीय अनुमति के पाकिस्तान गया था। भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे संवेदनशील जिले जैसलमेर में सुरक्षा एजेंसियां हाल के पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले से ही हाई अलर्ट पर हैं। ऐसे में शकूर की पाकिस्तान यात्रा ने एजेंसियों को सतर्क कर दिया। बुधवार को उसे रोजगार कार्यालय से हिरासत में लिया गया।

तमिलनाडु में भारी बारिश, कई जिलों में रेड अलर्ट, नीलगिर के पर्यटक स्थल बंद

नीलगिरि। तमिलनाडु में भारी बारिश हो रही है। भारी बारिश से नीलगिरी जिले कई स्थानों पर भूस्खलन खौर पेड़ गिरने से यातायात बाधित हुआ है। राज्य के पर्यटन विभाग ने नीलगिरी के कई पर्यटक स्थलों को बंद करने और अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए है। इसी बीच मौसम विभाग ने कोयंबटूर सहित कई जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। नीलगिरी में भारी बारिश से पूरे जिले में कई स्थानों पर भूस्खलन और पेड़ गिरने की घटनाएं हुई हैं, जिससे कई गांवों के बीच आवाजाही बाधित हुई है। कई निचले इलाकों में जलभराव हुआ है। तमिलनाडु मौसम विभाग ने बताया कि थेनी और तिरुनेलवेली सहित छह अन्य जिलों में भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। तमिलनाडु पर्यटन आयुक्त ने गुरुवार को बताया कि भारी बारिश को देखते हुए सभी पर्यटक स्थल दो दिन के लिए बंद करने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने कई जिला अधिकारियों को चेतावनी जारी कर लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। तमिलनाडु सिंचाई विभाग ने बताया कि तिरुनेलवेली जिले में भारी बारिश से पापनासम परियोजना में पानी का स्तर काफी बढ़ गया है।

पाकिस्तान समझ ले, तीन बार घर में घुसकर मारा है तुम्हें, 'ऑपरेशन सिंदूर' खत्म नहीं हुआ : मोदी

एजेंसी

अलीपुरद्वार । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में एक रैली को संबोधित करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर पाकिस्तान को फिर से चेताया। पीएम मोदी ने बंगाल की धरती से पाकिस्तान को याद दिलाया कि भारत की सेना ने पड़ोसी देश को तीन बार घर में घुसकर मारा है, 140 करोड़ भारतीयों का ऐलान है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है। पीएम मोदी ने कहा, 'आज जब 'सिंदूर खेला' की इस धरती पर आया हूं तो आतंकवाद को लेकर भारत के नए संकल्प की चर्चा स्वाभाविक है। गत 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने जो बर्बरता की, उसके बाद पश्चिम बंगाल में भी बहुत गुस्सा था। आपके भीतर जो आक्रोश था, आपका जो गुस्सा था, उसको मैं भली-भांति समझता था।

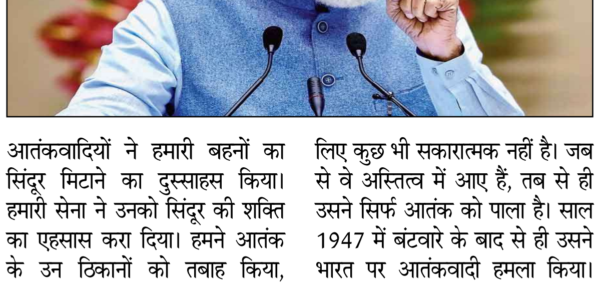

आतंकवादियों ने हमारी बहनों का सिंदूर मिटाने का दुस्साहस किया। हमारी सेना ने उनको सिंदूर की शक्ति का एहसास करा दिया। हमने आतंक के उन ठिकानों को तबाह किया, जिनकी पाकिस्तान ने कल्पना तक नहीं की थी। उन्होंने आगे रैली को संबोधित करते हुए कहा, आतंक को पालने वाले पाकिस्तान के पास दुनिया को देने के लिए कुछ भी सकारात्मक नहीं है। जब से वे अस्तित्व में आए हैं, तब से ही उसने सिर्फ आतंक को पाला है। साल 1947 में बंटवारे के बाद से ही उसने भारत पर आतंकवादी हमला किया। कुछ साल के बाद उसने यहां पड़ोस में, आज के बांग्लादेश में आतंक फैलाया। आतंक और नरसंहार, यह पाकिस्तानी सेना की सबसे बड़ी विशेषज्ञता है। जब सीधा युद्ध लड़ा जाता है, तो उसकी हार तय होती है, उसका पराजय निश्चित होता है, उसको मुंह की खानी पड़ती है। यही कारण है कि पाकिस्तान की सेना आतंकियों का सहारा लेती है। लेकिन, पहलगाम हमले के बाद अब भारत ने दुनिया को बता दिया है, भारत पर अब आतंकी हमला हुआ तो दुश्मन को उसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। पाकिस्तान समझ ले, तीन बार घर में घुसकर मारा है तुम्हें, बंगाल टाइगर की इस धरती से 140 करोड़ भारतीयों का ऐलान है 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है।

राजस्थान में अब 31 मई को होगी मॉक ड्रिल और ब्लैकआउट

एजेंसी

जयपुर । राजस्थान में अब 31 मई को युद्ध जैसी स्थिति का अभ्यास किया जाएगा। केंद्र सरकार के निर्देश पर शनिवार को ऑपरेशन शील्ड के तहत मॉक ड्रिल और ब्लैकआउट एक्सरसाइज की जाएगी। इससे पहले यह अभ्यास 29 मई को होना था, लेकिन ऐन वक्त पर इसे स्थगित कर दिया गया था। गृह विभाग के अनुसार मॉक ड्रिल राज्य के सभी 41 जिलों में आयोजित की जाएगी, हालांकि प्रत्येक जिले में केवल एक स्थान पर ही यह अभ्यास किया जाएगा। इस अभ्यास का उद्देश्य हवाई हमलों की स्थिति में आम नागरिकों और प्रशासन की तैयारियों को परखना है। मॉक ड्रिल के दौरान हवाई हमलों की चेतावनी देने वाले सायरन बजाए जाएंगे। इसके बाद लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, आपातकालीन सेवाओं की प्रतिक्रिया और सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय का अभ्यास किया जाएगा। रात के समय एक तय अवधि के लिए ब्लैकआउट किया जाएगा। यानी घरों, दुकानों और दफ्तरों की सभी लाइटें बंद रखी जाएंगी। इसका उद्देश्य यह समझना है कि यदि दुश्मन देश रात के समय हमला करता है, तो पूरा इलाका कैसे अंधेरे में छिपाया जा सकता है ताकि निशाना साधना मुश्किल हो। इससे पहले सात मई को भी पूरे राजस्थान में ऐसी ही मॉक ड्रिल और ब्लैकआउट की गई थी। जयपुर, कोटा, अजमेर, अलवर और सीकर जैसे शहरों में आम लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का अभ्यास हुआ था। हालांकि इस मॉक ड्रिल में कुछ कमियां पाई गई थीं, जिसे देखते हुए अब नई तारीख पर दोबारा अभ्यास कराया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेपी हवाईअड्डे के नए टर्मिनल भवन का किया उद्घाटन

एजेंसी

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शाम पटना हवाई अड्डे पर पहुंचे , जहां राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित भाजपा के बड़े नेताओं ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने जयप्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, पटना के नये टर्मिनल भवन का उद्घाटन तथा बिहटा हवाई अड्डा के नये सिविल एनक्लेव का शिलान्यास किया। नये टर्मिनल भवन के निर्माण से राज्य में हवाई संपर्कता सुदृढ़ होगी और पर्यटन क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलेगा। उद्घाटन और शिलान्यास के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पटना एयरपोर्ट से लेकर बिहार भाजपा कार्यालय तक लगभग 5 किलोमीटर लंबा रोड शो किया। उनका रोड शो करीब एक घंटे तक चला। इस दौरान जगह-जगह प्रधानमंत्री मोदी के काफिले पर फूलों की बरसात की गई। रोड शो के दौरान गाड़ी के अंदर बैठकर ही प्रधानमंत्री ने लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने पटना के वीरचंद पटेल पथ स्थित भाजपा कार्यालय में पार्टी नेताओं के साथ बैठक की। बैठक में बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और

विजय सिन्हा, भाजपा प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल समेत अन्य प्रदेश पदाधिकारी, केंद्रीय मंत्री, राज्य सरकार में मंत्री, सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) मौजूद रहे। इससे पहले प्रधानमंत्री शाम जब पटना पहुंचे, तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उनकी अगुवानी करने एयरपोर्ट पहुंचे। नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री मोदी का एयरपोर्ट पर स्वागत किया। सेना के प्लेन से उतरते ही मुख्यमंत्री ने फूलों का गुलदस्ता देकर प्रधानमंत्री मोदी का अभिवानद किया। प्रधानमंत्री मोदी रोहतास जिले के बिक्रमगंज में आयोजित जनसभा से बिहार में कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। इसमें पटना जंक्शन के पास नए हार्डिंग पार्क पैसेंजर टर्मिनल का शिलान्यास भी शामिल है। हार्डिंग पार्क में 5 टर्मिनल प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे। इससे पटना जंक्शन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ का दबाव कम होगा। पटना से खुलने और यहां समाप्त होने वाली ट्रेनों का संचालन हार्डिंग पार्क टर्मिनल से कराया जा सकेगा।

संघ के सरसंघचालक डॉ. भागवत ने छात्रा पूजा चौधरी का किया अभिनंदन

एजेंसी

नागौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने बुधवार को राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं कक्षा की परीक्षा में प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा पूजा चौधरी का अभिनंदन किया। पूजा आदर्श शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित शारदा बाल निकेतन, नागौर की छात्रा हैं और उन्होंने 99.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। सम्मान कार्यक्रम नागौर स्थित भगिनी निवेदिता छात्रावास में आयोजित किया गया, जहां डॉ. भागवत ने पूजा को साफा पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने पूजा के माता-पिता, रामप्रताप भादू और जेनी देवी को भी शुभकामनाएं दीं। इस दौरान पूजा ने डॉ. भागवत को बताया कि वह 11वीं कक्षा में गणित विषय लेकर आईआईटी करने की इच्छुक है। इस अवसर पर विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र के निरीक्षक गंगा विष्णु बिश्नोई ने संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में आदर्श शिक्षण संस्थान के संरक्षक हनुमान

सिंह देवड़ा, शारदा बाल निकेतन के प्रधानाचार्य गेनाराम गुरु, कमला चारण और अरविंद बोडा भी उपस्थित रहे। डॉ. भागवत नागौर में चल रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 'विकास वर्ग-प्रथम' कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 25 मई को नागौर आए थे और तीन दिन तक यहाँ प्रवास पर रहे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 में संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक के अवसर पर डॉ. भागवत ने इसी भगिनी निवेदिता छात्रावास का लोकार्पण किया था।

महाराणा प्रताप हमारे लिए प्रेरणापुंज, नई पीढ़ी में आदर्शों का हो संचार- सीएम भजनलाल शर्मा

एजेंसी

चित्तौड़गढ़। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मेवाड़ शक्ति, भक्ति, त्याग और तपस्या की भूमि है। मेवाड़ की धरा स्वाभिमान और शौर्य की एक अमिट मिसाल है। इस भूमि पर आकर अत्यंत गर्व की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप हमारे लिए प्रेरणापुंज है, जिन्होंने सदैव सत्य, धर्म और राष्ट्रहित के मार्ग पर चलना सिखाया है। नई पीढ़ी में ऐसे आदर्शों एवं संस्कारों का संचार होना चाहिए। शर्मा गुरूवार को चित्तौड़गढ़ के भूपालसागर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर मूर्ति अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की इस गौरवशाली धरा की महान विभूतियों वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप, अद्वितीय बलिदान की प्रतिमूर्ति मां पन्नाधाय और वीर योद्धा

राणा पूंजा की प्रतिमाओं के अनावरण का यह अवसर आज के दिन को स्वर्णाक्षरों में अंकित करता है। मुख्यमंत्री ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को नमन करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप पराक्रमी एवं स्वाभिमानी थे तथा उन्होंने कभी किसी की अधीनता स्वीकार नहीं की। उनका नाम सुनते ही धमनियों में शौर्य और पराक्रम का रक्त प्रवाहित होने लगता है, मस्तक गर्व और स्वाभिमान से ऊंचा हो उठता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार महाराणा प्रताप के संदेश को पूरी दुनिया में पहुंचाने के लिए महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों चावंड, हल्दीघाटी, गोगुंदा, कुंभलगढ़, दिवेर एवं उदयपुर आदि को सम्मिलित करते हुए महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित कर रही है ताकि पर्यटक महाराणा प्रताप की शूरवीरता की गाथा अपने साथ लेकर जाए। साथ ही हमारी सरकार प्रदेश में कोच और खेल विशेषज्ञ तैयार करने के लिए महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय की स्थापना कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेवाड़ की धरा महाराणा प्रताप के साथ ही मां पन्नाधाय एवं राणा पूंजा की धरती है, जिन्होंने दुनिया को कर्तव्यनिष्ठा, शौर्य और अनूठे बलिदान का परिचय दिया।

भूमि सुधार और हदबंदी कानून के लिए आज भी याद किए जाते हैं चौधरी : सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने विधान भवन परिसर स्थित किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के योगदान को याद करते हुए कहा कि पूरा देश चौधरी साहब को भूमि सुधार, हदबंदी कानून को लागू करने, ग्रामीण विकास और अन्नदाता किसानों के मसीहा के रूप में आज भी याद करता है। यह उत्तर प्रदेश का सौभाग्य है कि चौधरी साहब का सानिध्य उत्तर प्रदेश वासियों को एक लंबे समय तक प्राप्त हुआ। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश में भूमि सुधार, ग्रामीण विकास संबंधित शासन की शुचिता और पारदर्शिता को लेकर अनेक कदम उठाए, जिसकी गूंज आज भी हमारे गांव में किसानों से लेकर समाज के प्रत्येक तबके में सुनने को मिलती है। उन्होंने प्रधानमंत्री, उप प्रधानमंत्री, गृह और वित्त मंत्रालय के दायित्व को भी बखूबी निभाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 11 वर्षों से चौधरी चरण सिंह के सपनों को साकार करने के लिए ग्रामीण विकास और अन्नदाता किसानों के उत्थान के लिए लगातार कदम उठा रहे हैं। उन्होंने चौधरी साहब की स्मृतियों को नमन करते हुए प्रदेशवासियों की ओर से उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

रतलाम-नागदा के बीच रेलवे मल्टीट्रैकिंग परियोजना की मंजूरी मप्र के लिए बड़ी सौगात: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में रेल सुविधाओं के विकास और रेल नेटवर्क के विस्तार को गति प्रदान करने के लिए डबल इंजन सरकार पूरी तरह संकल्पित भाव से कार्य कर रही है। वर्तमान में देश का स्वर्णिम काल चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि देश में रेल से अच्छा यातायात का कोई अन्य साधन नहीं है। इस नाते केंद्र सरकार रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाते हुए प्रदेश में अलग-अलग रेलवे ट्रैक को विस्तार दे रही है। इसी क्रम में आर्थिक मामलों की केंद्रीय मंत्रिमंडलीय समिति ने गत दिवस रतलाम से नागदा के बीच रेलवे मल्टीट्रैकिंग परियोजना को स्वीकृति दी है, जो मध्य प्रदेश के लिए बड़ी सौगात है। इससे मालवा अंचल में न सिर्फ रेल कनेक्टिविटी बढ़ेगी बल्कि

अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रेल परियोजनाओं की स्वीकृति से संबंधित रेल मंत्री वैष्णव की पत्रकार वार्ता को पन्ना से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर नई रेल परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार माना।

रतलाम-नागदा परियोजना से प्रतिवर्ष बचेगा 7.5 करोड़ लीटर डीजल

रेल मंत्री वैष्णव ने बताया कि रतलाम से नागदा के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन बिछाने से प्रतिवर्ष 7.5 करोड़ लीटर डीजल की बचत होगी। रतलाम-नागदा मल्टीट्रैकिंग परियोजना से पर्यावरण को भी लाभ पहुंचेगा। इससे 38 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन रोका जा सकेगा। कार्बन उत्सर्जन के लिहाज से देखा जाए तो यह 1.5 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर परियोजना है। वर्चुअल कार्यक्रम में सांसद अनिल फिरोजिया, सूक्ष्म-लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप, वरिष्ठ सांसद विष्णु दत्त शर्मा समेत अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश को मिलेगी तीन नई रेल गाड़ियों की सौगात

रेल मंत्री वैष्णव ने बताया कि मध्य प्रदेश को जल्द ही तीन नई ट्रेनों की सौगात भी मिलने जा रही है। इनमें पहली ट्रेन रीवा-सतना-जबलपुर-पुणे, दूसरी ट्रेन जबलपुर से रायपुर वाया नैनपुर-गोंदिया और तीसरी ट्रेन ग्वालियर-भोपाल-पुणे-बंगलुरु शामिल हैं। दो महीने पहले नई दिल्ली से डॉ. अंबेडकर नगर (महू) के लिए नई ट्रेन सेवा शुरू हो चुकी है।

वायु सेना प्रमुख ने रक्षा परियोजनाओं में लगातार देरी पर फिर जताई गंभीर चिंता

एजेंसी

नई दिल्ली। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को 'राष्ट्रीय विजय' बताते हुए एक बार फिर रक्षा परियोजनाओं में लगातार हो रही देरी पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि दुनिया की मौजूदा स्थिति ने हमें एहसास दिलाया है कि 'आत्मनिर्भरता' ही एकमात्र समाधान है, हमें अभी से भविष्य के लिए तैयार रहना होगा। नौसेना प्रमुख ने भी कहा कि युद्ध का स्वरूप बदल रहा है। हर दिन हम नई तकनीकें खोज रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें यह स्पष्ट रूप से बताया है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं और भविष्य में हमें क्या चाहिए। वायु सेना और नौसेना के प्रमुख ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कई तरह की चिंताएं जताईं। वायु

सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने कहा कि एक ऐसा समय था, जब हमें भारतीय उद्योग पर हमेशा संदेह रहता था इसलिए हम बाहर की ओर अधिक देखते थे लेकिन पिछले एक दशक से अधिक समय में चीजें काफी बदल गई हैं। अब दुनिया की मौजूदा स्थिति ने हमें एहसास दिलाया है कि 'आत्मनिर्भरता' ही एकमात्र समाधान है, हमें अभी से भविष्य के लिए तैयार रहना होगा। वायु सेना प्रमुख ने कहा कि समयसीमा एक बड़ा मुद्दा है। एक भी रक्षा परियोजना समय पर पूरी नहीं हुई है। इसलिए हमें इस पर गौर करना होगा। अनुबंध पर हस्ताक्षर करते समय हम ऐसा वादा क्यों करें, जो पूरा नहीं हो सकता? अनुबंध पर हस्ताक्षर करते समय कभी-कभी हमें यकीन होता है कि यह पूरा नहीं होने वाला है, लेकिन हम सिर्फ अनुबंध पर हस्ताक्षर करते हैं। फिर प्रक्रिया खराब हो जाती है। उन्होंने रक्षा परियोजनाओं में लगातार हो रही देरी पर गंभीर चिंता जताते हुए अवास्तविक समय सीमा के प्रणालीगत मुद्दे और परिचालन तत्परता पर उनके प्रभाव को उजागर किया।

ऑपरेशन सिंदूर पर राजनीति कर रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक के बाद एक कई मुद्दों पर केंद्र सरकार और भाजपा पर जमकर हमला बोला। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए ममता ने प्रधानमंत्री मोदी पर सवाल खड़े किए। राज्य सचिवालय नवान्न में मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करते हुए कहा, ÷अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई बार आपको दोस्त कहा है, लेकिन जब देश में सवाल उठते हैं, तब आप कुछ नहीं बोलते। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर ममता बनर्जी ने मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, इस नाम को राजनीतिक उद्देश्य से चुना गया। यह चुनावी शो का हिस्सा है। उन्होंने आगे कहा, उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री सशस्त्र बलों को सलाम करने सिलीगुड़ी आएंगे लेकिन वह सिक्किम तक भी नहीं गए। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर सवाल खड़ा करते हुए ममता बनर्जी ने पूछा कि आखिर अब तक आतंकियों की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? मीडिया से बातचीत में ममता बनर्जी ने बंगाल में आने वाले चक्रवात और भारी बारिश की आशंका को लेकर तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दक्षिण बंगाल में गुरुवार से भारी बारिश होगी, समुद्र में भी हलचल बढ़ेगी और मछुआरों को गहरे समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

बिहार में मधुबनी जिले के पिपौरन-जटही अंतरराष्ट्रीय सीमा से दो चीनी नागरिक गिरफ्तार

एजेंसी

पटना। बिहार में मधुबनी जिले के पिपरौन-जटही अंतरराष्ट्रीय सीम से सशस्त्र सीमा बल (48 एसएसबी) बटालियन ने दो चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों बिना अनुमति के भारत की सीमा में घुस रहे थे। जवानों ने इन्हें पिलर संख्या 284/35 के पास पकड़ा। गिरफ्तार एक व्यक्ति का नाम वू हेलोंग है, दूसरे व्यक्ति का नाम शेंग जुन योंग है। वू हेलोंग जिसकी उम्र 38 साल है। वह चीन के लियाओनिंग प्रांत के डालियान शहर का रहने वाला है। उसका पासपोर्ट नंबर ईएल-9961400 है और उसके पिता का नाम शेन जहोंग मिंग है। जांच में पता चला कि वू हेलोंग 14 मार्च को टूरिस्ट वीजा पर नेपाल के काठमांडू पहुंचा था। उसके पास 11 जून 2025 तक वैध वीजा है, जिसे 11 जुलाई 2025 तक बढ़ा दिया गया है। वह काठमांडू और पोखरा घूमने के बाद 26 मई को जनकपुर पहुंचा और मिथिला चिरायु होटल में रुका। एसएसबी की पूछताछ में वू हेलोंग ने बताया कि वह पहले चीन में रेस्टोरेंट चलाता था, लेकिन वह दो साल पहले बंद हो गया। अब वह सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर काम कर रहा है।

इसके लिए उसने अलीबाबा से 10,000 युवान (चीनी मुद्रा) लिए हैं। वह टिकटॉक और वीचैट जैसे प्लेटफॉर्म पर वीडियो बनाकर डालता है। दूसरे व्यक्ति का नाम शेंग जुन योंग है। वह 27 फरवरी को शंघाई से नेपाल आया था। उसके पास टूरिस्ट वीजा था, जिसकी वैधता 27 मई 2025 तक थी, जिसे अब 26 जून 2025 तक बढ़ाया गया है। वह इससे पहले भी मार्च 2024 से मई 2024 तक नेपाल घूम चुका है। इस बार वह अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने नेपाल आया था। जांच के दौरान वू हेलोंग के मोबाइल से 50 से ज्यादा भारत विरोधी और खालिस्तान समर्थक वीडियो मिले हैं, जो उसने 7 मई के बाद इंटरनेट से डाउनलोड किए थे। हालांकि, अब तक यह साबित नहीं हुआ है कि उसने ये वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किए हों। वू ने बताया कि वह इन वीडियो को भविष्य में पोस्ट करके अपने व्यू और फॉलोअर्स बढ़ाना चाहता था।

दोनों चीनी नागरिकों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए हरलाखी थाने को सौंपा जाएगा। एसएसबी के कमांडेंट गोविंद सिंह भंडारी ने बताया कि उनकी टीम भारत-नेपाल सीमा पर पूरी सतर्कता से निगरानी कर रही है और जवान चौकस हैं।

खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीटयूड

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीटयूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीटयूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीटयूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीटयूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीटयूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीटयूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीटयूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीटयूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीटयूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीटयूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीटयूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीटयूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीटयूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीटयूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीटयूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग – इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीटयूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग – यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन – आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीटयूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीटयूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन – इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीटयूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

सिंगापुर ओपन 2025: सात्विक-चिराग क्वार्टरफाइनल में, सिंधु, प्रणय और ट्रिसा-गायत्री बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने सिंगापुर ओपन 2025 (बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट) के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। खेले गए प्री-क्वार्टर मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया के साबर करयामन गुटामा और मुहम्मद रेजा पहलवी इस्फहानी को एक घंटे 14 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 19-21, 21-16, 21-18 से हराया। हालांकि, पुरुष सिंगल्स में भारत के एच.एस. प्रणय को फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ सीधे गेमों में हार का सामना करना पड़ा। वह 42 मिनट चले मैच में 16-21, 14-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। महिला सिंगल्स में पी.वी. सिंधु भी अपने प्री-क्वार्टर मुकाबले में चीन की चेन यू फेई से हार गईं। तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में सिंधु 9-21, 21-18, 16-21 से पराजित हुईं। महिला युगल में ट्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी को चीन की जिया यी फैन और झांग शूशियान के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में 8-21, 10-21 से हार मिली। मिक्स्ड डबल्स में भारत की रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी हांगकांग के तांग चुन मैन और त्से यिंग सुट से 10-21, 16-21 से हारकर बाहर हो गई।

सितंबर में भारत दौरे पर आएगी ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम, चेन्नई में खेले जाएंगे तीन वनडे मुकाबले

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम सितंबर में भारत का दौरा करेगी, जहां दोनों टीमें तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेंगी। यह मुकाबले चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 14, 17 और 20 सितंबर को खेले जाएंगे। यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए भारत में होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप की अहम तैयारी मानी जा रही है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उक्त घोषणा की।

ऑस्ट्रेलिया ए और साउथ अफ्रीका ए की पुरुष टीमें भी भारत दौरे पर आएंगी

महिला सीरीज के अलावा ऑस्ट्रेलिया ए की पुरुष टीम भी भारत दौरे पर आएगी, जहां वह दो अनौपचारिक टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेगी। दोनों चार दिवसीय टेस्ट मुकाबले लखनऊ में 16-19 और 23-26 सितंबर के बीच खेले जाएंगे। इसके बाद तीन एकदिवसीय मुकाबले 30 सितंबर, 3 अक्टूबर और 5 अक्टूबर को कानपुर में होंगे। दक्षिण अफ्रीका ए की पुरुष टीम का दौरा अक्टूबर-नवंबर में होगा और उनके सभी मुकाबले बेंगलुरु में आयोजित किए जाएंगे। दो अनौपचारिक टेस्ट मैच बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 30 अक्टूबर से 2 नवंबर और 6-9 नवंबर के बीच खेले जाएंगे।

राज्य स्तरीय योग ओलम्पियाड में चमकी मुरादाबाद की छात्रा रोनी और छात्र नैतिक

मुरादाबाद। राज्य स्तरीय योग ओलम्पियाड में मुरादाबाद के राजकीय कन्या इंटर कालेज की छात्रा रोनी और जीजी हिंदू इंटर कॉलेज के छात्र नैतिक ने शानदार प्रदर्शन कर पीतलनगरी मुरादाबाद का मान बढ़ाया है। दोनों खिलाड़ियों का अपने-अपने कालेज पहुंचने पर स्वागत अभिनंदन किया गया। मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर लखनऊ में खेली गई प्रतियोगिता में रोनी ने सभी प्रतिभागियों को चित्त करते हुए पहला स्थान हासिल किया है। वहीं नैतिक ने चौथा स्थान हासिल किया है। दोनों खिलाड़ी तमिलनाडु में होने वाले राष्ट्रीय योग ओलम्पियाड में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। रोनी और नैतिक की इस उपलब्धि पर संयुक्त शिक्षा निदेशक मनोज कुमार द्विवेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडेय और मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर ने उनकी सराहना की। साथ ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

वूमेन अंडर-15, 19, 23 व वूमेन सीनियर वर्ग के हुए प्रारम्भिक चयन ट्रायल

मुरादाबाद। पूर्व रणजी खिलाड़ी एव डिस्ट्रिक स्पोर्टर्स एसोसिएशन (डीएसए) के सचिव विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की वूमेन अंडर-15, 19, 23 व सीनियर वर्ग के चयन ट्रायल डीएसए द्वारा स्प्रिंगफ़ील्ड क्रिकेट अकैडमी के खेल के मैदान पर आज हुआ। इसमें मुरादाबाद, अमरोहा एवं संभल जिले की पंजीकृत वूमेन खिलाड़ियों के प्रारम्भिक चयन ट्रायल समस्त खेल सुविधाओं के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। विजय गुप्ता ने आगे बताया कि ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों ने पूरे कौशल के साथ अपने खेल का शानदार प्रदर्शन किया। जिसमें चयनकर्ताओं द्वारा कई प्रतिभावान खिलाड़ियों को भी चिन्हित किया गया। जिसमें कई कम आयु के बालिकाओं ने अपने खेल से सभी को प्रभावित किया। डी एस ए मुरादाबाद द्वारा नामित चयन समिति में मुजफ्फरनगर से आए वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी मयंक गौतम, पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता, वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी प्रदीप टंडन द्वारा खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखा गया व परखा गया और अधिक से अधिक खिलाड़ियों का चयन किया गया। मौहम्मद हसीन, चमन सिंह, मिर्जा दानिश, बाकर जैदी, सोनू कुमार कोच व अन्य अभिभावक मौजूद रहे।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप: धवन के तूफान से उड़ा स्ट्राइकर्स का खेमा, वॉरियर्स की लगातार दूसरी जीत

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीग के तीसरे दिन का पहला मुकाबला पूरी तरह से धवन के वॉरियर्स के नाम रहा। दोपहर 3ः30 बजे से शुरू हुए इस मुकाबले को इंडियन वॉरियर्स ने 6 विकेट से जीतकर लीग में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरे अमेरिकन स्ट्राइकर्स की शुरुआत कुछ खास नहीं रही और चौथे ओवर तक उन्होंने अपने दोनों ही सलामी बल्लेबाज गौरव तोमर (16) और शोएब खान (4) के विकेट गंवा दिए। हालांकि दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरने के बावजूद अयान खान ने पारी को संभालते हुए 26 गेंदों में 6 चौकों और 2 छक्कों की मदद से महत्वपूर्ण 48 रन बनाए। जिसके बाद टीम को पार लगाने का जिम्मा उठाया कप्तान

प्रदीप सांगवान ने, उन्होंने मलिंडा पुष्पकुमारा (35) के साथ मिलकर 3 छक्कों और 5 चौकों की मदद से नाबाद 54 रनों की पारी खेलते हुए टीम को 8 विकेट के नुकसान पर 180 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया, हालांकि उनकी मेहनत टीम को जीत न दिला सकी। लक्ष्य का पीछा करते उतरे इंडियन वॉरियर्स के सलामी बल्लेबाजों शिखर धवन और प्रियंक पंचाल ने धमाकेदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 110 रन जोड़े। शिखर ने अपनी पारी के दौरान 210 के स्ट्राइक रेट से 7 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 39 गेंदों में 82 रन बनाए, जबकि पंचाल अर्धशतक बनाने से चूक गए और 43 रनों के निजी स्कोर पर पुष्पकुमारा का शिकार बने। उसके बाद केदार देवधर नाबाद (19) और अरुण छपराना (15) ने टीम को जीत की दहलीज पार कराई। छपराना ने गेंदबाजी में भी सहयोगी गेंदबाजों रंजीत माली और सुमित सिंह का साथ निभाते हुए क्रमशः 2-2 विकेट झटके।ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के लिए शिखर को मैन ऑफ मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। इस जीत के साथ इंडियन वॉरियर्स पॉइंट्स टेबल में 4 अंकों के साथ पहले पायदान पर पहुंच गई है।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप: अफ्रीकन लायंस ने जीता अपना पहला मुकाबला

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीग में गुरुवार रात अफ्रीकन लायंस ने एशियन किंग्स को 6 विकेट से हराकर आसान जीत दर्ज दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी एशियन किंग्स को तीसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज परवेज अजीज (8) के रूप में पहला झटका लगा। हालांकि एक छोर पूर्व श्रीलंकाई बल्लेबाज और लायंस के कप्तान तिलकरत्ने दिलशान ने संभाले रखा, पर दूसरी तरफ से लगातार विकेट गिरते रहे। उमंग शर्मा (31) ने उनका साथ निभाने की कोशिश जरूर करी, लेकिन दबाव के चलते छठे ओवर में दिलशान को भी 26 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा। जिसके बाद पूरी टीम धराशाई हो गई, अंत में इम्तियाज ने बहुमूल्य 35 रन बनाकर टीम को 138 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। पूर्व अफ्रीकाई दिग्गज हर्षेल गिब्स की कप्तानी में लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफ्रीकन लायंस के

सलामी बल्लेबाज राहुल यादव ने 54 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेलते हुए मैच को शुरुआत में ही एकतरफा कर दिया। जिसके बाद शेखर सिरोही (22), शिवम शर्मा (21) और अंत में अली मुर्तजा ने 5 गेंद में 18 रन बनाकर टीम को 16.4 ओवर में 6 विकेट से आसान सी जीत दिला दी। 4 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट लेने के लिए क्रिस मोफू को मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया।

न्यूजीलैंड के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का निधन, 77 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने सोशल मीडिया के जरिए उक्त जानकारी दी। ट्रिस्ट ने न्यूजीलैंड को साल 2000 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (अब चैंपियंस ट्रॉफी) जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। यह न्यूजीलैंड पुरुष टीम का पहला वैश्विक खिताब था।

14 साल तक खेले घरेलू क्रिकेट, फिर बने सफल कोच

डेविड ट्रिस्ट ने अपने करियर में 14 वर्षों तक कैंटरबरी के लिए तेज गेंदबाज के रूप में क्रिकेट खेला। इसके बाद उन्होंने कोचिंग की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने कैंटरबरी के अलावा दक्षिण अफ्रीका, हांगकांग और नीदरलैंड्स की टीमों के साथ भी काम किया। साल 1999 में उन्होंने स्टीव रिक्सन की जगह न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय टीम के कोच का पद संभाला।

2000 में भारत को हराकर दिलाई खिताबी जीत

डेविड ट्रिस्ट के कार्यकाल में न्यूजीलैंड ने नैरोबी में खेले गए फाइनल में भारत को चार विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था।

इस मुकाबले में क्रिस केयर्न्स ने नाबाद शतक जड़ा था और टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। ट्रिस्ट का कार्यकाल भले ही केवल दो साल का रहा, लेकिन उन्होंने टीम को पहली बार वैश्विक स्तर पर विजयी बनाया।

कोचिंग के बाद भी जुड़े रहे क्रिकेट से

न्यूजीलैंड टीम से विदा लेने के बाद ट्रिस्ट क्राइस्टचर्च के ओल्ड कोलेजियंस क्रिकेट क्लब के कोचिंग डायरेक्टर बने। इसके अलावा उन्होंने भारत और इंग्लैंड में भी कोचिंग के क्षेत्र में काम किया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने दी श्रद्धांजलि

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करते हुए कहा, न्यूजीलैंड क्रिकेट को यह पुष्टि करते हुए गहरा दुख हो रहा है कि पूर्व ब्लैककैप्स कोच डेविड ट्रिस्ट का क्राइस्टचर्च में निधन हो गया है। वह 77 वर्ष के थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट, डेविड के परिवार और मित्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप : भारत ने मारी ज़ोरदार छलांग, पदक तालिका में पहुंचा दूसरे स्थान पर

एजेंसी

गुमी (दक्षिण कोरिया)। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत ने तीसरे दिन दमदार प्रदर्शन करते हुए पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। अविनाश साबले, ज्योति याराजी और महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम की स्वर्णिम जीत ने भारत को यह बड़ी उपलब्धि दिलाई।

तीन गोल्ड से बदली तस्वीर, जापान को छोड़ा पीछे

तीसरे दिन भारत ने तीन गोल्ड मेडल जीतकर पदक तालिका में बड़ा उलटफेर कर दिया। अविनाश साबले ने पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में अपनी श्रेष्ठता साबित की, वहीं ज्योति याराजी ने महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में शानदार फिनिश करते हुए गोल्ड अपने नाम किया। इसके अलावा, महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम ने देश को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाकर सभी को गर्व से भर दिया।

चीन शीर्ष पर, भारत ने बनाई कड़ी चुनौती

अब तक के आंकड़ों के अनुसार चीन 21 पदकों (12 स्वर्ण, 6 रजत, 3 कांस्य) के साथ पदक तालिका में पहले स्थान पर बना हुआ है। भारत 5 स्वर्ण, 6 रजत

और 3 कांस्य पदकों के साथ कुल 14 मेडल जीतकर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। जापान भी चीन जितने ही (21) पदक जीत चुका है, लेकिन उसके पास केवल 4 स्वर्ण हैं, इसी वजह से वह तीसरे स्थान पर है।

कतर और ईरान भी दौड़ में शामिल

चौथे स्थान पर कतर है, जिसने अब तक 2 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक अपने नाम किए हैं। ईरान 2 स्वर्ण पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है, हालांकि उसके खाते में अभी तक कोई रजत या कांस्य पदक नहीं आया।

अब सबकी निगाहें 31 मई पर: एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप का समापन 31 मई को होगा और उम्मीद की जा रही है कि भारत अपनी पदकों की संख्या में और इज़ाफा कर सकेगा। मौजूदा प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि भारतीय एथलीट अब एशिया में शीर्ष स्थान के लिए सशक्त दावेदार बन चुके हैं।

आईपीएल 2025 के फाइनल में पहुंचने पर कप्तान पाटीदार ने कहा-हम अपनी योजनाओं को लेकर स्पष्ट थे

एजेंसी

मुल्लांपुर। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने पंजाब किंग्स को आठ विकेट से हराकर आईपीएल 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। यह चौथा मौका है जब बैंगलोर की टीम फाइनल में पहुंची है। इस जीत के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने प्रशंसकों का आभार जताते हुए कहा कि टीम जहां खेलती है, ऐसा लगता है जैसे अपने होम ग्राउंड पर हों। कृपया ऐसे ही समर्थन करते रहिए।मैच के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा,हम अपनी योजनाओं को लेकर स्पष्ट थे, खासकर गेंदबाजी में। तेज गेंदबाजों ने पिच का अच्छे से इस्तेमाल किया। सुयश ने भी बहुत अच्छी लाइन-लेंथ में गेंदबाजी की। मैं उसके रोल को लेकर हमेशा स्पष्ट

रहता हूं - उसे सिर्फ स्टंप्स पर निशाना लगाना होता है। उसकी गूगली पढ़ना बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होता। मैं उसे ज्यादा निर्देश नहीं देता, ताकि वह कंफ्यूज न हो। पाटीदार ने आगे कहा, फिल सॉल्ट जिस अंदाज़ में शुरुआत देते हैं, वह देखने लायक होता है। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। आरसीबी फैंस का हमेशा शुक्रगुज़ार हूं - हम जहां भी खेलते हैं, ऐसा लगता है जैसे अपने होम ग्राउंड पर खेल रहे हों। कृपया इसी तरह हमारा समर्थन करते रहिए। 56 रन की नाबाद पारी खेलने वाले फिल सॉल्ट ने कहा,बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। गेंद थोड़ी मूव हो रही थी, लेकिन ये इस सीजन की सबसे खराब पिच नहीं थी। मेरे दिमाग में एक ही बात चल रही थी - %अर्शदीप से आउट मत होना%। वह लीग स्टेज में दो बार मुझे अलग-अलग तरीके से आउट कर चुका है, इसलिए बस बॉल पर रिएक्ट करने पर ध्यान था। उन्होंने आगे कहा, मैंने मैच से पहले कोच एंडी फ्लावर से कहा था कि सफर और ब्रेक शायद हमारे लिए फायदे का सौदा बनें।

बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता में हुए रोमांचक मुकाबले

एजेंसी

गुना। संजय गांधी खेल परिसर बास्केटबॉल मैदान पर तीन दिवसीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में 13 वर्ष से कम आयु एवं 13 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में 14 टीम बालिकाओं की शामिल है। जिसमें प्रत्येक टीम में 6 - 6 सदस्य शामिल हैं एवं बालक वर्ग में 9 टीम है । जिनमें 6 - 6 सदस्य शामिल हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। जिनमें खिलाडियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस दौरान मौजूद दर्शन भी ताली बजाकर खिलडियों का उत्साहवर्धन करते रहे। खेल और युवा कल्याण विभाग के एनआईएस बास्केटबॉल प्रशिक्षक दुर्गेश सक्सेना ने बताया कि प्रथम दिन 13 वर्ष से कम आयु में फ्रेंड्स क्लब विरुद्ध गेम्स क्लब के मध्य मैच खेला गया। जिसमें फ्रेंड्स क्लब विजयी रही, वहीं इसी वर्ग में टाइगर क्लब विरुद्ध जुपिटर क्लब के मध्य मैच खेला गया । जिसमें टाइगर क्लब ने विजय प्राप्त की । इसके साथ ही बॉस्केटबॉल स्टार्स ने फ्रेंड्स क्लब को हराया। बालिका 13 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में गुना बास्केटबॉल टीम ने एक रोमांचक मैच में थंडर को हराया। इसी क्रम में अगले मैच बास्केटबॉल हापर्स विरुद्ध स्पार्टन के बीच हुआ। इस मैच में दोनों टीमों के खिलाडियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। हालांकि जीत बास्केटबॉल हापर्स को मिली।

प्रज्ञान ओझा बने ‘द लेजेनज़ी टी 10’ के लीग कमिश्नर

एजेंसी

जयपुर। जयपुर में 25 जून से शुरू हो रही टेनिस बॉल क्रिकेट लीग ‘द लेजेनज़ी टी 10’ के लिए पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा को कमिश्नर नियुक्त किया गया है। 24 टेस्ट, 18 वनडे और 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके प्रज्ञान लीग के संचालन की देखरेख और इस नए तरह की प्रतियोगिता की सफलता व विकास को सुनिश्चित करेंगे। द लेजेनज़ी टी 10 का विज़न भारत के स्ट्रीट क्रिकेटर्स को मंच प्रदान करना है। ‘गली से टीवी तक’ के नारे पर केंद्रित यह लीग जुनून को पहचान में बदलने का अवसर देती है। लीग के बारे में बात करते हुए लीग कमिश्नर प्रज्ञान ओझा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, द लेजेनज़ी टी10 का हिस्सा बनकर मैं बेहद उत्साहित हूं। यह ऐसा मंच है जो ग्रासरूट क्रिकेट को बड़ी पहचान से जोड़ता है। मैं भी ऐसे जुनूनी खिलाड़ियों के साथ काम करने और कुछ खास बनाने को लेकर बहुत उत्सुक हूं।द लेजेनज़ी टी 10 के

चेयरमैन वेंकटेश प्रसाद ने कहा, हमने अपने स्थानीय पार्कों और गलियों में बहुत सारी असाधारण प्रतिभाएं देखी हैं। द लेजेनज़ी टी 10 का मंच ऐसी ही युवा प्रतिभाओं के लिए है, जिनमें अद्भुत कौशल और प्रदर्शन की भूख है। हमारा लक्ष्य एक ऐसा मंच तैयार करना है जो टेनिस बॉल क्रिकेट को हमेशा के लिए बदल कर रख देगा।÷ लीग में चार चांद लगाने के लिए पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इरफान पठान भी इससे जुड़े रहेंगे, जो न ही सिर्फ खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे, बल्कि मैदान पर उनके साथ खेलते भी नजर आएंगे। इच्छुक खिलाड़ी अपना 6 गेंदों का वीडियो और नामांकन शुल्क जमा कर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन कराने वाले हर खिलाड़ी को द लेजेनज़ी टी10 क्रिकेट बैट स्मृति चिन्ह के रूप में दिया जाएगा। इनमें से शीर्ष 5,000 खिलाड़ियों को चयनित करके उन्हें सिल्वर टिकट दिया जाएगा, जिससे वे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु और इंदौर में आयोजित होने वाले ट्रायल्स में भाग ले सकेंगे। इन खिलाड़ियों को एक साल की ऑनलाइन क्रिकेट ट्रेनिंग मॉड्यूल तक विशेष पहुंच भी दी जाएगी। ट्रायल्स से चुने गए सर्वश्रेष्ठ 150 खिलाड़ियों को गोल्डन टिकट मिलेगा, जिनमें से 72 खिलाड़ी ऑक्शन के माध्यम से डायमंड टिकट प्राप्त करेंगे और द लेजेनज़ी टी10 लीग में खेलेंगे। बाकी 78 खिलाड़ी गोल्डन टिकट बनाए रखेंगे और अगले सीज़न में सीधे खेलने का मौका पाएंगे।

पीएसी पश्चिमी जोन हॉकी प्रतियोगिता दूसरे दिन भी जारी रहा

मुरादाबाद। 24वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद में आयोजित हो रही 28वीं अंतर्वाहिनी पीएसी पश्चिमी जोन हॉकी प्रतियोगिता दूसरे दिन भी जारी रही। आज विभिन्न जोन की टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल तथा सेमीफाइनल मैच खेले गए। आयोजन सचिव सेना नायक रमेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि पहले क्वार्टर फाइनल मैच में 43वीं वाहिनी एटा ने 8वीं वाहिनी बरेली को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में 28वीं वाहिनी इटावा और 49वीं वाहिनी गौतमबुद्धनगर के मध्य दूसरा क्वार्टर फाइनल खेला गया जिसमें 28वीं वाहिनी ने 49वीं वाहिनी को पेनाल्टी शूटआउट में 2-0 से हराकर मैच अपने नाम किया। उसके उपरांत तीसरा क्वार्टर फाइनल मैच मेजबान 24वीं वाहिनी मुरादाबाद और 38वीं वाहिनी अलीगढ़ के मध्य खेला गया।

आईपीएल 2025: पंजाब को हराकर फाइनल में पहुंची आरसीबी

एजेंसी

मुल्लांपुर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) ने पंजाब किंग्स को क्वालिफायर 1 मुकाबले में आठ विकेट से हराकर आईपीएल 2025 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। मुल्लांपुर के यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में खेले गए मैच में आरसीबी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और पंजाब किंग्स की टीम को 14.1 ओवर में महज 101 रनों पर ही ऑलआउट कर दिया। आरसीबी की टीम ने इस आसान लक्ष्य को केवल 10 ओवर में ही हासिल कर लिया। उल्लेखनीय है कि पंजाब की टीम के पास हार के बावजूद खिताबी मुकाबले में प्रवेश करने के लिए एक मौका है। ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहने के कारण पंजाब को एक अतिरिक्त मौका मिलेगा। पंजाब का सामना

क्वालिफायर-2 में रविवार को गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच होने वाले एलिमिनेटर की विजेता टीम से होगा। अगर पंजाब वो मुकाबला जीतने में सफल रही तो फाइनल में पहुंच जाएगी जहां उसका सामना तीन जून को अहमदाबाद में आरसीबी से होगा।

छठे एनएमपीए इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग के लिए देश के शीर्ष सर्फर तैयार

एजेंसी

मंगलुरु। भारत की सर्फिंग दुनिया की नजरें एक बार फिर कर्नाटक के तटीय शहर मंगलुरु पर टिकी हैं, जहां तन्निरभवी इको बीच पर छठा एनएमपीए इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग (एनएमपीए आईओएस) शुरू होने जा रहा है। यह प्रतियोगिता 30 मई से 1 जून 2025 तक आयोजित की जाएगी और 2025 नेशनल सर्फिंग चैंपियनशिप सीरीज़ का दूसरा पड़ाव होगी। सर्फिंग स्वामी फाउंडेशन की ओर से आयोजित और मंतर सर्फ क्लब की मेजबानी में इस प्रतियोगिता को सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) का समर्थन प्राप्त है। यह संस्करण न केवल नेशनल चैंपियनशिप सीरीज़ का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, बल्कि देश के सर्वश्रेष्ठ सर्फरों के लिए कीमती रैंकिंग अंक अर्जित करने का भी अवसर है।तीन दिन की प्रतियोगिता में 50 से अधिक शीर्ष सर्फर हिस्सा लेंगे, जो चार श्रेणियों में मुकाबला करेंगे÷ मेन्स ओपन, विमेन्स ओपन, अंडर-16 (लड़के) और अंडर-16 (लड़कियां)। इस बार की मुख्य झलकियों में से एक है डिफेंडिंग नेशनल चैंपियन रमेश बुडिहाल और किशोर कुमार की वापसी, जो पिछले संस्करण से चूक गए थे, लेकिन इस बार पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरेंगे। वे हरीश मुथु, कमली पी, अजीश अली, श्रीकांत डी और संजय सेल्वमणि जैसे शीर्ष सर्फरों के साथ मैदान में उतरेंगे, जिन्होंने 2024 में एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप और मरुहाबा कप जैसे प्रतिष्ठित इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन किया था। इन खिलाड़ियों के योगदान से भारत ने पिछले साल एशिया में 5वां स्थान हासिल किया और एची-नागोया 2026 एशियन गेम्स के लिए दो कोटा भी सुनिश्चित किए। इस वर्ष की प्रतियोगिता को और रोमांचक बनाता है लहरों का पूर्वानुमान, जिसमें 10 से 12 फीट ऊंची लहरों की संभावना जताई गई है। ये विशाल लहरें सर्फरों की तकनीक, सहनशक्ति और रणनीति की कड़ी परीक्षा लेंगी। अरब सागर में चक्रवाती गतिविधि और अस्थिर मौसम के चलते समुद्र की स्थिति अनिश्चित बनी हुई है, जिससे कार्यक्रम की समय-सारणी भी प्रभावित हो सकती है। बढ़ती चुनौती का असर राष्ट्रीय रैंकिंग पर भी पड़ेगा, खासकर जब एशियन सर्फ चैंपियनशिप 2025 निकट है, जो 2026 एशियन गेम्स के लिए क्वालीफायर भी है। इस साल की प्रतियोगिता मूल रूप से ससीहितलू बीच पर आयोजित की जानी थी, लेकिन मौसम और लहरों की अनुकूल स्थिति न होने के कारण इसे टन्नीर्भावी इको बीच स्थानांतरित कर दिया गया। वर्षों से इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग का पर्याय बन चुका ससीहितलू इस बार मेज़बान नहीं रहेगा, लेकिन नया स्थल समान लहर गुणवत्ता के साथ-साथ खिलाड़ियों और दर्शकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है।सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष और मंत्रा सर्फ क्लब के निदेशक राममोहन परांजपे ने कहा, हम मंगलुरु के तट पर छठा एनएमपीए इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग लेकर आने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। 10-12 फीट की लहरों और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की उपस्थिति इस प्रतियोगिता को बेहद रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाएगी। इस आयोजन से पहले, स्थानीय स्तर पर ग्रोम सर्च पहल के अंतर्गत कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य क्षेत्र की अगली पीढ़ी की सर्फिंग प्रतिभाओं को उभारना है।

बोट राइट के दौरान

प्रियंका चोपड़ा

संग रोमांटिक हुए निक, एकटक बीवी को प्यार से निहारते दिखे, तस्वीर हुई...

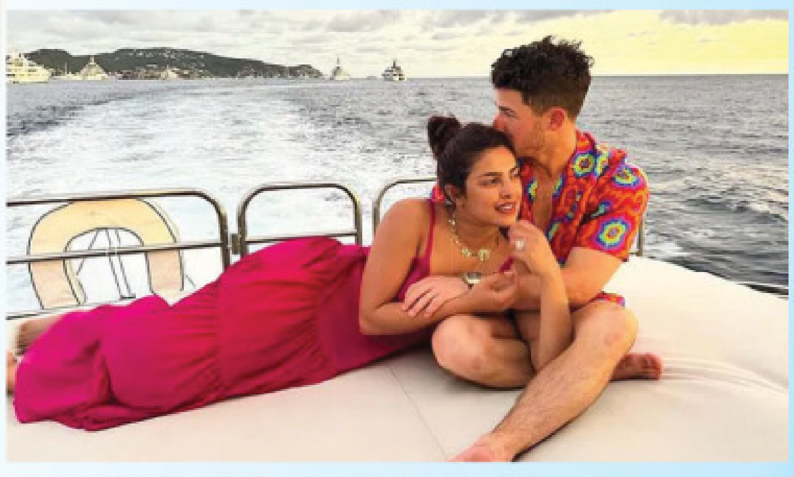

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा आज हॉलीवुड में भी खास पहचान बना चुकी हैं। प्रियंका ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। प्रियंका ने हॉलीवुड सिंगर निक जोनस से शादी की है। प्रियंका और निक की जोड़ी को फैंस काफी पसंद करते हैं। निक और प्रियंका हमेशा ही कपल गोल्स सेट करने का कोई मौका कभी नहीं छोड़ते हैं। अक्सर ही इन दिनों की रोमांटिक तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर सामने आती रहती हैं, जिन्हें इनके चाहने वाले काफी पसंद करते हैं। ऐसे में अब इन जोड़े की एक और रोमांटिक तस्वीर सोशल मीडिया पर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। इस तस्वीर में निक अपनी वाइफ को प्यार से निहारते नजर आ रहे हैं।

प्रियंका को एकटक निहारते दिखे निक

दरअसल प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने मिस्टर हसबैंड निक जोनस संग रोमांटिक तस्वीर पोस्ट की है। इस तस्वीर में दोनों रोमांटिक बोट राइडिंग का मजा लेते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के बैकग्राउंड में समंदर का गहरा पानी और ऊंची बिल्डिंग्स नजर आ रही हैं। लेकिन इस तस्वीर में अगर फैंस का ध्यान किसी चीज ने सबसे ज्यादा खींचा तो वो था निक का प्रियंका को प्यार से निहारना। बोट पर बैठकर जहां एक्ट्रेस इस खूबसूरत नजारे का आनंद उठा रही हैं। वहीं, निक एकटक प्रियंका को देखते नजर आ रहे हैं। इस दौरान प्रियंका हल्की सी मुस्कान के साथ कैमरे के सामने पोज देते हुए बेहद खूबसूरत लग रही है।

निक-प्रियंका की एक बेटी है

बता दें कि निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा ने साल 2018 में धूमधाम से शादी की थी। दोनों ने क्रिश्चियन वेडिंग के साथ ही हिंदू रीति रिवाज से भी ग्रैंड शादी की थी। शादी के करीब तीन साल बाद, सरोगेसी के जरिए उन्होंने एक बेटी का स्वागत किया, जिसका नाम कपल ने मालती रखा। दोनों अक्सर अपनी बेटी मालती के साथ वक्त बिताते और खूबसूरत पलों की तस्वीरें शेयर करती रहते हैं।

जल्द नजर आएंगी इन फिल्मों में

प्रियंका चोपड़ा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जल्द ही एसएस राजामौली के साथ काम करते नजर आएंगी। इसमें वो महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ देखेंगी। इसके अलावा प्रियंका जल्द ही इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ हेड्स ऑफ स्टेट और द ब्लफ में नजर आएंगी।

सलमान-कटरीना की 'महा बकवास' फिल्म, 20 करोड़ भी नहीं कमाए, मेकर्स ने उड़ाए थे 45 करोड़

सलमान खान और कटरीना कैफ की जोड़ी बड़े पर्दे की पसंदीदा जोड़ियों में से एक है. दोनों कलाकारों ने साथ में आधा दर्जन फिल्में की हैं और इस जोड़ी को रुपहले पर्दे पर फैंस का काफी प्यार मिला है. दोनों की कई फिल्मों ने टिकट खिड़की पर रिकॉर्ड ब्रेक किए और नए रिकॉर्ड भी बनाए. हालांकि सलमान और कटरीना की एक फिल्म तो बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी. यहां बात हो रही है साल 2008 में आई फिल्म 'युवराज' की. युवराज ने फैंस को इस कदर निराश किया कि ये पिक्चर अपने बजट का आधा भी नहीं कमा पाई थी और सलमान-कटरीना के करियर की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में से एक बन गई.

45 करोड़ रुपये था बजट

सलमान खान और कटरीना कैफ की युवराज 17 साल पहले 21 नवंबर 2008 को रिलीज हुई थी. कई फैंस को तो दोनों की इस फिल्म का नाम तक पता नहीं होगा. फिल्म का हिस्सा अनिल कपूर और जायेद खान जैसे स्टार्स भी थे. इसका डायरेक्शन सुभाष घई ने किया था और वो ही इसके प्रोड्यूसर भी थे. सुभाष घई ने इस फिल्म पर 45 करोड़ रुपये खर्च किए थे.

सिर्फ 16 करोड़ हुई थी कमाई

युवराज में फैंस को न ही सलमान और कटरीना की जोड़ी पसंद आई और न ही इसकी कहानी. बॉक्स ऑफिस पर ये पिक्चर बुरी तरह पिट गई थी. टिकट खिड़की पर इसकी शुरुआत बेहद धीमी रही और ये अपनी पकड़ भी नहीं बना पाई. भारत में सिर्फ 2.72 करोड़ रुपये की ओपनिंग लेने वाली युवराज ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर टोटल 16.67 करोड़ की कमाई की थी और बजट का आधा अभी नहीं वसूल पाई. वहीं वर्ल्डवाइड ये आंकड़ा 28.82 करोड़ रुपये तक पहुंचा था. ऐसे में सलमान और कटरीना की ये पिक्चर डिजास्टर साबित हुई.

इन फिल्मों में भी सलमान-कटरीना ने शेयर की स्क्रीन

सलमान खान और कटरीना कैफ ने युवराज के अलावा 'मैंने प्यार क्यों किया', 'पार्टनर', 'टाइगर 3', 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है' और 'भारत' जैसी फिल्मों में भी स्क्रीन शेयर की है. वैसे आपको बता दें कि रील लाइफ के अलावा दोनों रियल लाइफ केमिस्ट्री को लेकर भी चर्चा में रहे हैं. दोनों ने एक दूसरे को डेट लिया था. हालांकि जल्द ही कटरीना और सलमान अलग हो गए थे.

कैसी एक्ट्रेस है, चुप नहीं रह सकती क्या? पहली मुलाकात में काजोल से चिढ़ गए थे शाहरुख खान

बॉलीवुड में बड़े पर्दे पर शाहरुख खान और काजोल की जोड़ी काफी पसंद की गई है. दोनों कलाकारों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया और दोनों की लगभग सभी फिल्में सफल रही हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि शाहरुख और काजोल की पहली मुलाकात कब और कैसे हुई थी? दोनों की पहली मुलाकात नोक झोक से भरी थी. जहां काजोल, शाहरुख को खड़ूस समझती थीं तो वहीं शाहरुख को काजोल का ज्यादा बोलना पसंद नहीं था. काजोल के ज्यादा बोलने के चलते शाहरुख उनसे चिढ़ गए थे और ये तक कह दिया था कि ये कैसी एक्ट्रेस है? चुप नहीं रह सकती क्या?

'बाजीगर' के दौरान पहली बार मिले

शाहरुख खान और काजोल ने पहली बार साथ में 1993 की फिल्म 'बाजीगर' में काम किया था. इसी फिल्म के सिलसिले में दोनों की पहली मुलाकात हुई थी. दोनों ने अपनी पहली मुलाकात का जिक्र एबीपी न्यूज के साथ बातचीत में किया था. शाहरुख ने बताया था कि 1 जनवरी से बाजीगर की शूटिंग शुरू हुई थी और वो दोनों नए साल की पार्टी के बाद मिले थे. पार्टी के तुरंत बाद सब शूटिंग के लिए पहुंच गए थे.

काजोल से चिढ़ गए थे शाहरुख

बाजीगर के सेट पर काजोल बहुत ज्यादा तेज आवाज में बात कर रही थीं और ये चीज शाहरुख को बिलकुल पसंद नहीं आई. अभिनेता ने इसे लेकर काजोल से शिकायत भी की थी. शाहरुख ने इंटरव्यू में बताया था, मैंने अपने मेकअप आर्टिस्ट से भी बोला था कि वो किस तरह की एक्ट्रेस है, क्या कुछ समय के लिए चुप नहीं रह सकती?'

काजोल को खड़ूस लगते थे शाहरुख

जहां शाहरुख, काजोल के ज्यादा और तेज आवाज में बोलने के चलते परेशान थे तो वहीं काजोल ने शाहरुख खान को खड़ूस समझा था. काजोल के मुताबिक पहली मुलाकात में उन्हें शाहरुख खास पसंद नहीं आए थे. पहली मुलाकात में शाहरुख से काजोल नाखुश थीं.

इन फिल्मों में साथ में किया काम

'बाजीगर' 1993 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई. इसके बाद दोनों को 1995 की फिल्म 'करण अर्जुन' में देखा गया था. ये पिक्चर सुपरहिट निकली. हालांकि दोनों की जोड़ी को सबसे ज्यादा 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में पसंद किया गया. ये पिक्चर ऑल टाइम ब्लॉकस्तर रही. इनके अलावा दोनों ने 'कभी खुशी कभी गम', 'कुछ कुछ होता है', 'माय नेम इज खान' और 'दिलवाले' में भी स्क्रीन शेयर की थी.

अरबाज खान से तलाक से पहले वाली रात क्या हुआ था?

मलाइका अरोड़ा

ने खुद सुनाई थी पूरी कहानी

अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा कभी बॉलीवुड के सबसे चर्चित कपल में से एक थे. हालांकि दोनों ने करीब आठ साल पहले अपना रिश्ता खत्म करके फैंस को तगड़ा झटका दे दिया था. दोनों ने साल 2017 में अपनी 19 साल पुरानी शादी तलाक के साथ खत्म कर ली थी. अपने तलाक को लेकर मलाइका और अरबाज दोनों ही कई मौकों पर बात कर चुके हैं. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि तलाक से पहले वाली रात क्या हुआ था? आइए आपको बताते हैं कि इसे लेकर खुद मलाइका ने क्या कुछ कहा था?

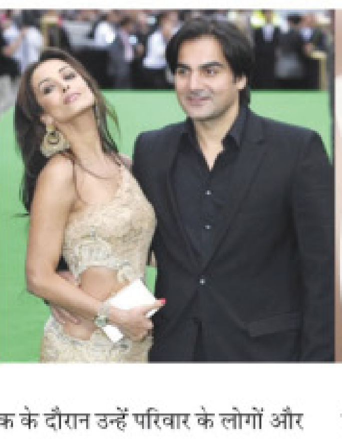

तलाक से पहले मलाइका को क्या सलाह मिली?

मलाइका अरोड़ा ने तलाक के बाद करीना कपूर खान के चैट शो 'व्हाट वुमेन वांट' में खुलकर बात की थी. करीना ने मलाइका से पूछा था कि तलाक के दौरान उन्हें परिवार के लोगों और दोस्तों से क्या सलाह मिली थी? इसके जवाब में मलाइका ने कहा था, मुझे लगता है कि सबकी पहली राय यही थी कि मत करना, कोई नहीं कहेगा कि जाओ करो. तो पहली चीज जो थी कि मत करना, सोच समझकर करना.

तलाक के पहले वाली रात क्या हुआ था?

करीना कपूर के सामने मलाइका ने ये भी बताया था कि जिस दिन तलाक की अर्जी पर कोर्ट में सुनवाई होनी थी उससे पहले वाली रात क्या हुआ था. एक्ट्रेस ने कहा था, तलाक से ठीक पहले की रात पूरा परिवार मेरे साथ बैठा और एक बार फिर पूछा, 'क्या तुम श्योर हो. क्या तुम 100 फीसदी अपने फैसले पर टिकी हो? मैं ये लंबे समय से सुनती आ रही थी और मुझे लगता था कि ये वो लोग हैं, जो मेरी चिंता और परवाह करते हैं. इसलिए वो जरूर ये कहेंगे.

1998 में हुई थी शादी

मलाइका और अरबाज की पहली मुलाकात 1993 में एक शूट के दौरान हुई थी. इसके बाद दोनों ने एक दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया था. करीब पांच साल की डेटिंग के बाद दोनों ने साल 1998 में शादी रचा ली थी. वहीं दोनों ने 2002 में बेटे अरहान खान का वेलकम किया था. लेकिन 2017 में तलाक लेकर अपनी राहें अलग कर ली.

अरबाज ने फिर 2023 में शूरा खान से दूसरी शादी कर ली थी. जबकि मलाइका ने दूसरी बार घर नहीं बसाया.